License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

एस्तेर - परिचय

Translation Notes (unfoldingWord)

एस्तेर - परिचय

भाग 1: सामान्य परिचय

एस्तेर की रूपरेखा

1. राजा क्षयर्ष अपनी पत्नी, अर्थात रानी को निकाल देते हैं (1:1–22)
2. क्षयर्ष एस्तेर को नई रानी के रूप में चुनते हैं (2:1–23)
3. हामान यहूदियों को नाश करने की योजना बनाता है (3:1–15)
4. मोर्दकै एस्तेर से अपने लोगों की सहायता करने का अनुरोध करते हैं (4:1–17)
5. एस्तेर यहूदियों के लिए राजा से विनती करती है (5:1–7:10)
6. यहूदियों को नाश करने की हामान की साजिश का परिणाम (8:1–9:16)
7. पुरिम का पर्व (9:17–32)
8. निष्कर्ष (10:1–3)

एस्तेर की पुस्तक किस बारे में है?

एस्तेर की पुस्तक बताती है कि कैसे एक युवा यहूदी स्त्री जिसका नाम एस्तेर था, फारस की रानी बनी। रानी के रूप में, उसने फारसी साम्राज्य में सभी यहूदियों को नाश होने से बचाने के लिए कार्य किया।

यह पुस्तक यह बताकर समाप्त होती है कि यहूदी पुरिम का पर्व क्यों मनाते हैं। "पुरिम" नाम शब्द "पुर" से आया है, जिसका अर्थ है "चिट्ठी" या "पासा"। यहूदियों के शत्रु हामान ने यहूदियों पर आक्रमण करने और उन्हें नष्ट करने का समय चुनने के लिए पासे फेंके। यहूदी लोग पुरीम का पर्व इस बात की याद में मनाते हैं कि यहोवा ने अपने लोगों को नाश होने से कैसे बचाया था।

इस पुस्तक के शीर्षक का अनुवाद कैसे किया जाना चाहिए?

अनुवादक इस पुस्तक के पारम्परिक शीर्षक का उपयोग कर सकते हैं, जो है "एस्तेर की पुस्तक" या केवल "एस्तेर।" या वे एक स्पष्ट शीर्षक चुन सकते हैं, जैसे "एस्तेर के बारे में पुस्तक।"

भाग 2: महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

फारसी साम्राज्य क्या था?

महान राजा कुस्रू ने कई राज्यों को जीता और उन पर राज्य किया। यह संसार के उस भाग में था जिसे फारस कहा जाता था, जो अब ईरान है। इसलिए लोगों ने उसके राज्य का नाम फारसी साम्राज्य रखा। जब कुस्रू ने 539 ई,पू. में बाबेल को जीता, तो उसने यहूदियों पर नियंत्रण कर लिया जिन्हें पहले बाबेल ने बँधुआई में ले लिया था।

जब फारसियों ने बाबेल पर विजय प्राप्त की, तो वहाँ यहूदी क्यों थे?

586 ई.पू. में, बाबेल ने यहूदा के लोगों को पराजित कर उन्हें बँधुआई में ले लिया। ये यहूदी और उनके वंशज अभी भी बाबेल में थे जब फारसियों ने उस पर विजय प्राप्त की।

"मादियों और फारसियों के कानून" का क्या अर्थ था?

वाक्यांश "मादियों और फारसियों के कानून" एस्तेर 1:19 और दानिय्येल 6:12 में पाया जाता है। यह उन कानूनों और आदेशों को सन्दर्भित करता था जिन्हें एक बार जारी किए जाने के बाद बदला या हटाया नहीं जा सकता था। एस्तेर की पुस्तक में, राजा ने एक आदेश जारी किया कि लोग यहूदियों पर हमला कर सकते हैं। बाद में उन्हें उस फैसले पर पछतावा हुआ परन्तु वह आदेश को बदलने में सक्षम नहीं थे।

शब्द "मादियों" उन लोगों के समूह को सन्दर्भित करता है जिन्होंने अपना स्वयं का देश स्थापित किया था, परन्तु फारसियों ने उन्हें पराजित कर दिया।

भाग 3: महत्वपूर्ण अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

एस्तेर की पुस्तक में भाषा के कौन-कौन से विभिन्न स्तर हैं?

एस्तेर की पुस्तक में, लोग विभिन्न परिस्थितियों में एक-दूसरे से संवाद करते हैं। फारसी दरबार में शिष्ट और राजसी वार्तालाप होती है और शाही फरमानों के शब्द होते हैं। मित्र और करीबी रिश्तेदार भी एक-दूसरे से बातचीत करते हैं। यहाँ तक कि वे शब्द भी होते हैं जो कोई स्वयं से बात करने में उपयोग करता है। अनुवादकों को अपनी भाषा के सभी तरीकों का उपयोग करना चाहिए ताकि वे इन विभिन्न परिस्थितियों को इस तरह से व्यक्त कर सकें कि उनके पाठक उन्हें पहचान सकें और समझ सकें।

एस्तेर - अध्याय 1 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

राजा का विवाह-विच्छेद

राजा के सलाहकार चिन्तित थे कि जब लोग सुनेंगे कि रानी ने राजा के मेहमानों के सामने आकर अपनी सुन्दरता दिखाने के लिए इन्कार कर दिया है, तो पतियों का अधिकार कम हो जाएगा। इसलिए, सलाहकारों ने राजा से अनुरोध किया कि वे रानी को तलाक दे दें।

एस्तेर 1:1 (#1)

"ये बातें हुईं"

"पुराने नियम में किसी ऐतिहासिक वृत्तांत को आरम्भ करने का यह एक मूलमंत्र है। अनेक भाषाओं में भी वृत्तांत आरंभ करने के ऐसी ही विधियां होंगी, यदि आपकी भाषा में है तो आप उसका यहाँ उपयोग कर सकते हैं। परन्तु यदि उसका तात्पर्य काल्पनिक कथा से हो तो उपयोग न करें। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह उस समय की घटना है"

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 1:1 (#2)

"क्षयर्ष दिनों में"

यहाँ शब्द "दिन" का प्रयोग लम्बे समय को दर्शाने के लिए लाक्षणिक रूप में किया गया है। आप कह सकते हैं, "क्षयर्ष के राज्य काल में" जैसा यूएसटी में मिलता है। परन्तु वैकल्पिक रूप में आप कह सकते हैं, "क्षयर्ष के समय में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:1 (#3)

"क्षयर्ष"

यह एक पुरुष का नाम है और इस वृतांत में अनेक बार अता है। सुनिश्चित करें कि यह सदा अपरिवर्तित रहे।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:1 (#4)

"वही क्षयर्ष एक सौ सत्ताईस भारत से लेकर कूश देश राज्य"

क्षयर्ष को पहचानने में पाठकों के लिए यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 1:1 (#5)

"वही क्षयर्ष" - "राज्य"

"क्षयर्ष नामक राजा ने राज किया"

एस्तेर 1:1 (#6)

"भारत से लेकर कूश"

"यदि ऐसा हो कि आप के पाठकों को इन स्थानों का ज्ञान न हो तो आप कह सकते हैं, ""भारत से लेकर पश्चिम में इथोपिया के पूर्व तक का वृहत क्षेत्र"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 1:1 (#7)

"एक सौ सत्ताईस" - "देश"

आंकड़े देने का उद्देश्य है कि दर्शाया जाए कि वह साम्राज्य कैसा महान था। आप स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं, "क्षयर्ष ऐसे विशाल साम्राज्य पर राज करता था जिसमें 127 प्रान्त थे"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 1:1 (#8)

"एक सौ सत्ताईस" - "देश"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक सौ सत्ताईस प्रान्त"

देखें: संख्या

एस्तेर 1:2 (#1)

"जब" - "राजगद्दी पर विराजमान"

सिंहासन पर "विराजमान" एक लाक्षणिक उक्ति का अर्थ किसी राज्य पर राज करना है। आप "राज किया" भी ही कह सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है। परन्तु वैकल्पिक रूप में आप कह सकते हैं, "अपने राजसी सिंहासन से अपने साम्राज्य पर राज किया"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:2 (#2)

"राजगद्दी पर विराजमान"

"शब्द **राजसी** संज्ञा है, जिसका अर्थ, राजा द्वारा राजसी अधिकार के उपयोग से है। आप इसका अनुवाद क्रिया रूप में कर सकते हैं, "जिस सिंहासन से उसने राज किया" या " विशेषण रूप में, ""उसके राजसी सिंहासन से"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:2 (#3)

"शूशन"

यह फारसी राजाओं के राजसी नगर का नाम था। इस वृतांत में यह नाम अनेक बार आता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय हो।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:2 (#4)

"राजगढ़ में"

इसका अर्थ "गढ़" या महल होता है, जहाँ राजा रहता है। परन्तु यहाँ शूशन नगर ही को "शूशन गढ़" कहा गया है, जिस से इस शब्द का अभिप्राय, "राजसी नगर" या "राजधानी" है। इस वृत्तांत का वर्णनकर्ता इस नगर को किसी निकट संबन्धित स्थान, राजमहल के द्वारा शूशन को राजधानी का स्तर प्रदान करता है। इसका उत्तम अनुवाद "फारस की राजधानी" होगा।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:3 (#1)

"राज्य तीसरे वर्ष"

इसका अर्थ यह हुआ कि क्षयर्ष ने दो वर्ष राज कर लिया था और ये घटनाएँ अग्रिम वर्ष की हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षयर्ष द्वारा अपने साम्राज्य पर राज करने के तीसरे वर्ष में" या "जब वह दो वर्ष राज कर चुका तब"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 1:3 (#2)

"राज्य तीसरे वर्ष"

"**राज्य** एक संज्ञा वाचक शब्द है, जिसका सन्दर्भ राजा द्वारा राजसी अधिकार के उपयोग से है। आप इसका अनुवाद क्रिया रूप में कर सकते हैं: "क्षयर्ष के राज्यकाल के तीसरे वर्ष में""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:3 (#3)

"भोज दिया"

"उसने एक भोज का आयोजन किया"

एस्तेर 1:3 (#4)

"फारस मादै सेनापति"

संभव है कि इसका सन्दर्भ सेना के अधिकारियों से है। सम्पूर्ण सेना के सन्दर्भ से वह सेना के एक ही भाग का सन्दर्भ दे रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "सेना के अधिकारी"

देखें: संकेतन

एस्तेर 1:3 (#5)

"प्रधान"

इसका संभावित अर्थ "धनाढ्य भूस्वामियों" के तुल्य हो सकता है।

एस्तेर 1:3 (#6)

"सम्मुख"

सम्मुख लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ किसी व्यक्ति की उपस्थिति से है, अतः इस उक्ति का अर्थ "उसकी उपस्थिति में" होने से है। वह निमंत्रण था कि राजा की व्यक्तिगत उपस्थिति में आयोजित भोज में सहभागी होने हेतु राजनगरी में आने का निमंत्रण। आप यूएसटी के जैसा भी अनुवाद कर सकते हैं, कि राजा अतिथियों का सत्कार करने के लिए स्वयं उपस्थित था। या आप वैकल्पिक अनुवाद कर सकते हैं, "वे सब भोज में सहभागी होने हेतु शूशन में आए।"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:4 (#1)

"राजवैभव धन और" - "दिखाता"

आप इस भाववाचक संज्ञा का अनुवाद विशेषण द्वारा भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षयर्ष अपने राज्य के महान वैभव का प्रदर्शन करना चाहता था"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:4 (#2)

"दिखाता"

शब्द "वह" राजा के सन्दर्भ में है। यहाँ अभिप्रेत अर्थ है कि उसने इस भोज का आयोजन इसलिए किया था कि अपने सब अधिकारियों को अपने वैभव और सामर्थ्य का प्रदर्शन करे। तदोपरांत सब अधिकारी उसके साम्राज्य में अपने-अपने प्रान्तों में जाकर इसकी चर्चा करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षयर्ष अपने अतिथियों पर प्रकट करना चाहता था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:4 (#3)

"राजवैभव धन"

"धन" और "वैभव" का अर्थ एक ही है जिनका संयोजित उपयोग उसके साम्राज्य की महानता पर बल देने के लिए किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके साम्राज्य का महान वैभव"

देखें: युग्म

एस्तेर 1:4 (#4)

"अपने माहात्म्य अनमोल पदार्थ दिखाता"

"वैभव," "सुंदरता" और "महानता" जैसे संज्ञा शब्दों का अनुवाद विशेषण रूप में भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षयर्ष दिखाना चाहता था कि वह एक महासामर्थी सम्राट है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:4 (#5)

"माहात्म्य अनमोल पदार्थ"

"वैभव" और "सुन्दरता" शब्दों के अर्थ एक ही हैं जो उसकी महानता पर बल देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी महानता का वैभव"

देखें: युग्म

एस्तेर 1:4 (#6)

""बहुत दिन"

राजसी भोज के लिए यह बहुत लंबा समय था। इस पद के आरंभिक अंश में इसका कारण व्यक्त किया गया है। इस सम्बन्ध को स्पष्ट करने के लिए आप इस पद में कुछ व्याख्यात्मक शब्दों को जोड़ सकते हैं, जैसे "क्षयर्ष ने अपने अतिथियों का अद्‌भुत रीति से मनोरंजन किया क्योंकि वह दिखाना चाहता था कि उसका साम्राज्य बहुत धनवान है और वह एक प्रतापी राजा है। उसने उनके लिए इतना अधिक किया कि उत्सव छः महीने तक चला।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:4 (#7)

"एक सौ अस्सी दिन"

180 दिन लगभग छः महीने या आधा वर्ष होते हैं। आपकी भाषा में जो भी अभिव्यक्ति इस समय का सर्वोत्तम अर्थ व्यक्त करे आप उसका उपयोग कर सकते हैं।

देखें: संख्या

एस्तेर 1:5 (#1)

"दिनों के बीतने" - "उन"

"कहने का अर्थ है कि "उस उत्सव के अंत में।"" आप इसको स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन 180 दिनों के पूरे हो जाने के बाद" या "उन छः महीनों के समापन पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:5 (#2)

"राजा" - "भोज दिया"

राजा द्वारा आयोजित यह दूसरा भोज था। संभव है कि उसने पहले भोज में परिश्रम करने वालों के प्रति आभार स्वरूप इस भोज का आयोजन किया था। आप इसको स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: संख्या

एस्तेर 1:5 (#3)

"शूशन राजगढ़ में"

इस स्थिति में यह अभिव्यक्ति राजसी गढ़ के विशेष सन्दर्भ में है जिससे नगर का नाम पड़ा था। आवश्यक नहीं कि यह दूसरा भोज सब नगर वासियों के लिए था। यह विशेष करके गढ़ में राजा के कर्मचारियों तथा उन लोगों के लिए था जिन्होंने पिछले छः महीने, पहले भोज के आयोजन में परिश्रम किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "शूशन के राजमहल में राजा के हर एक कर्मचारी के लिए"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:5 (#4)

"इकट्ठा"

"इकट्ठा हुए थे" का अर्थ है, "वहाँ पाए गए" या "वहाँ थे।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:5 (#5)

"इकट्ठा"

आप इसे कर्ता प्रधान रूप में भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उसमें उसकी सेवा करते थे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 1:5 (#6)

"छोटे बड़े" - **"तक"**

इस वृत्तांत का वर्णनकर्ता राजमहल के सब कर्मचारियों के विषय में कह रहा है, इसलिए वह-क्या छोटे क्या बड़े- वाक्यांश को जोड़ता है कि सब उसमें आ जाएं। आप यूएसटी के सदृश्य इस अर्थ को उजागर कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वाधिक महत्वपूर्ण अधिकारी से लेकर सर्वाधिक निम्न श्रेणी के सेवक तक"

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 1:5 (#7)

"सात दिन"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक और भोज जो सात दिन तक चला" वृतांत में "बहुत दिन" शब्दों का प्रयोग नहीं किया गया है, अतः सुझाव यह दिया गया है कि यह असामान्य रूप से लंबा समय नहीं था। परन्तु आप ऐसा भी कह सकते हैं कि, "सम्पूर्ण सप्ताह" प्रकट करे कि राजा की ओर से यह एक उदारता भरी अभिव्यक्ति थी।

एस्तेर 1:6 (#1)

"श्वेत नीले" - **"सन"**

लिनन कपड़े के ये परदे आँगन में लगाए गए थे। शब्द "सन" उनमें से कुछ के श्वेत रंग का सन्दर्भ देता है। अतः इसका अर्थ है, "श्वेत एवं नीले परदे।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:6 (#2)

"श्वेत नीले" - **"सन"**

इस पद के आरम्भ में आप स्पष्ट कर सकते हैं कि जिस स्थान का वर्णन किया जा रहा है, यह वही स्थान है जिसका वर्णन पिछले पद में किया गया है: "आँगन में, श्वेत एवं नीले परदे"

एस्तेर 1:6 (#3)

"सूत" - **"बैंगनी डोरियों"**

"सन" का अर्थ है **श्वेत वस्त्रों** से है, जो डोरियों का भी वर्णन करता है। अतः इसका अर्थ "श्वेत एवं बैंजनी डोरियाँ" से है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:6 (#4)

"चौकियाँ सोने-चाँदी"

आप स्पष्ट कर सकते हैं कि ये चौकियाँ अतिथियों के लिए थीं कि खाते समय उन पर झुक कर खाएँ।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:6 (#5)

"धरी"

यह शब्द संभवतः रंगीन कीमती पत्थरों के टुकड़ों की पच्चीकारी से बने फर्श को संदर्भित करता है

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:6 (#6)

"लाल"

यह एक प्रकार का लाल और बैंजनी पत्थर था जिसमें कांच के टुकड़े होते थे। आप इसे "स्फतिया" या "लाल संगमरमर" जैसा भी कुछ कह सकते हैं।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:6 (#7)

"संगमरमर"

यह एक श्वेत कीमती पत्थर है। आप इसको "सिलखड़ी" कह सकते हैं। विकल्प रूप में, यह संगमरमर जैसा नहीं है, परन्तु यदि आप "श्वेत संगमरमर" कहें तो आपके पाठकों को समझने में सहायता मिलेगी।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:6 (#8)

"काले"

"यह शब्द संभवतः काले संगमरमर के सन्दर्भ में है जिसकी पत्तियों का उपयोग पच्चीकारी की सीमा रेखाओं पर किया जाता है। आप इसको "काला संगमरमर" कह सकते हैं, या केवल यही कहें कि फर्श में "एक और कीमती पत्थर" लगा हुआ था।""

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:7 (#1)

"पिलाया"

"पिलाना" भाववाचक संज्ञा है जिसका सन्दर्भ भोज में परोसी जाने वाली शराब से है। आप इसका अनुवाद क्रिया रूप में कर सकते हैं, "सेवकों ने शराब परोसी थी।"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:7 (#2)

""

हो सकता है कि इसका अर्थ यह हो, "कोई भी एक सा नहीं था।" आप यह भी कह सकते हैं कि शराब "सोने के नाना प्रकार के पात्रों में" परोसी गई थी।

एस्तेर 1:7 (#3)

"दाखमधु" - "राजा उदारता बहुतायत"

इसका अर्थ है कि राजा क्षयर्ष ने शूशन में आयोजित अपने सात सप्ताहों के भोज में अतिथियों के लिए जो शराब परोसी थी उसका व्यय स्वयं उठाया था, और वह उसके निजी संभरण से आई थी। "वैकल्पिक अनुवाद: "राजा राजसी शराब के साथ अत्यधिक उदार था" या "राजा ने इसे प्रदान करने में अत्यधिक स्वेच्छा प्रकट की थी" या "राजा ने वह सब दी थी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:7 (#4)

"दाखमधु" - "राजा उदारता बहुतायत"

इसका अर्थ अति उत्तम उत्कृष्ट शराब से हो सकता है, जो राजा ही के लिए थी और राजा ही उसका व्यय वहाँ कर सकता था। आप इस संज्ञा शब्द, "राजसी" के अनुवाद में विशेषण शब्द काम में ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजसी मदिरा।"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:7 (#5)

"राजा उदारता"

यहाँ **उदारता** शब्द लाक्षणिक रूप में राजा के सन्दर्भ में था, जो उसकी देने के कार्य द्वारा देखा गया था।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:8 (#1)

"पीना नियम"

यहाँ **पीना** शब्द भाववाचक संज्ञा है, जिसका अर्थ पीने से नहीं, परोसने के निर्देशनों से है, जिनका निर्धारण राजा ने भोज के लिए किया था। वैकल्पिक अनुवाद: क्षयर्ष ने शराब परोसने वाले अपने सब घरेलू परिचारकों के लिए यह नियम बना दिया था"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:8 (#2)

"इसका अर्थ इन दो में से एक हो सकता है। (1) यदि परिचारकों के विचार में किसी ने पर्याप्त पी ली है तौभी वे उसको और पीने से न रोकें। वैकल्पिक अनुवाद: "मदिरा पान पर किसी भी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं था।" (2) पीना अनिवार्य नहीं होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी को भी पीने के लिए विवश नहीं किया जाएगा।" जो भी हो, यह राजा की उदारता का प्रतीक था जब उसने अपनी सेवा करने वालों के प्रति कृतज्ञता में इस भोज का आयोजन किया था। वह या तो (1) उन्हें जी भरकर पीने देना चाहता था, या

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:8 (#3)

वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने शराब परोसने वाले परिचारकों के लिए यह नियम निर्धारित कर दिया था कि वे उसका पालन करें।" इससे समझ में आता है कि जो शराब पीना नहीं चाहते थे उन्हें पीना अनिवार्य नहीं था। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो सके तो आप किसी संयोजक शब्द द्वारा, जैसे "अतः" लगा कर ऐसी व्याख्या (परिणाम) कर सकते हैं: "राजा ने अपने घर के प्रत्येक पर्यवेक्षक के लिए यह नियम निर्धारित कर दिया था कि वह प्रत्येक मनुष्य की इच्छा के अनुसार सेवा करे, अतः मदिरा पान नियमानुसार था, 'किसी भी प्रकार की विवशता नहीं थी।'"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 1:8 (#4)

वैकल्पिक अनुवाद: "राजा चाहता था कि प्रत्येक अतिथि अपनी इच्छा के अनुसार पीए" या "सब अतिथि काम या अधिक जैसा चाहें पीएं।"

एस्तेर 1:8 (#5)

यह एक लोकोक्ति है, जिसका अर्थ "प्रत्येक जन" से है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:9 (#1)

यह किसी और बात का समावेश करता है जो उसी समय हो रही थी। आप इसका संकेत यह कह कर दे सकते हैं, "इसी समय में।"

देखें: जोड़ें — समकालिक समय संबंध

एस्तेर 1:9 (#2)

आप वर्णन करके कह सकते हैं कि वह क्षयर्ष की पत्नी थी: "रानी वशती राजा की पत्नी" या "उसकी पत्नी"

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

एस्तेर 1:9 (#3)

यह एक स्त्री का नाम है। इस अध्याय में और अगले अध्याय में यह नाम अनेक बार आता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय हो।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:9 (#4)

इसका अर्थ हो सकता है, राजमहल में सेवारत स्त्रियाँ अर्थात् अधिकारियों और सेवकों दोनों की पत्नियाँ। आप कह सकते हैं, "उपस्थित होने वाले पुरुषों की पत्नियों के लिए भोज" या "राजमहल में काम करने वाली स्त्रियों के लिए"

एस्तेर 1:9 (#5)

वैकल्पिक अनुवाद: "राजमहल जहाँ राजा क्षयर्ष रहता था"

एस्तेर 1:9 (#6)

आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, "राजसी गौरव" का अनुवाद विशेषण शब्द, "राजसी" शब्द से कर सकते हैं। "वैकल्पिक अनुवाद: "राजभवन"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:10 (#1)

वैकल्पिक अनुवाद: "छः दिन बाद"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 1:10 (#2)

यहाँ **मन** लाक्षणिक प्रयोग है जिसका अर्थ है, सोचना या भावनाओं में बह जाना। वैकल्पिक अनुवाद: "जब राजा क्षयर्ष शराब पीकर अच्छी मनोदशा में था" या "जब राजा शराब के नशे में था"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:10 (#3)

ये सात पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:10 (#4)

"विवश नहीं"

""यह शब्द इस वृतांत में दर्जनों बार आता है। इसके द्वारा उन पुरुषों का बोध कराया जाता है जो महल में रहने वाली स्त्रियों पर अभिभावक स्वरूप सेवा में रखे गए राजसी अधिकारी थे। वे द्वारपाल भी थे कि अनाधिकृत आगंतुकों को स्त्रियों के निवास में न आने दें और भीतर की स्त्रियों के अभिभावक भी थे कि उनकी सुध रखें और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करें। (जैसा हम 2:21 में देखते हैं कि इनमें से कुछ अधिकारी राजा के निजी स्थान की भी रक्षा करते थे।) जैसा कि हम यहाँ देखते है और 2:14 तथा 2:16 में भी देखा जाएगा, उनका दायित्व यह भी था कि स्त्रियों के साथ स्थान-स्थान जाएँ। \nइस शब्द का संभावित संकेत है कि उस समय के अभ्यासों के अनुसार उनको नपुसंक बना दिया जाता था जिसका कारण था कि वे अपने कर्तव्यों के अधीन राजा की पत्नियों और रखेलों के निकट सम्बन्ध में रहते थे। यदि आपकी भाषा में ऐसे अधिकारियों के लिए कोई शब्द है और आपके विचार में आपके पाठक उसको समझ पाएंगे तो आप उसका उपयोग कर सकते हैं। अन्यथा, आप ऐसा शब्द काम में लें जिसके माध्यम से राजमहल में इन अधिकारियों की भूमिका का वर्णन किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "संरक्षक" या ""अधिकारी"" या "बध्याकृत सेवक"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:10 (#5)

"और" - "क्षयर्ष राजा सम्मुख सेवा टहल"

यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है कि ये लोग कौन थे। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उसके निजी परिचारक थे"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 1:10 (#6)

"राजा सम्मुख"

यहा **सम्मुख** का लाक्षणिक अर्थ मनुष्य की उपस्थिति में रहने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि ये सात पुरुष राजा क्षयर्ष की निजी सेवा में थे।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:11 (#1)

"ले आओ"

राजा क्षयर्ष ने सात खोजों को पद 10 में बुलाया था और उनको जो निर्देश दिए उनका यह आरम्भ है। आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं: "उसने उनसे लाने को कहा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:11 (#2)

"राजा सम्मुख"

यहाँ **सम्मुख** शब्द का अर्थ मनुष्य की उपस्थिति में रहने से है। इस उक्ति का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष चाहता था कि रानी वशती व्यक्तिगत रूप में उसकी उपस्थिति में आए।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:11 (#3)

"राजमुकुट धारण किए हुए"

आप भाव वाचक संज्ञा **राजमुकुट** का अनुवाद विशेषण शब्द से कर सकते हैं: "अपना राजमुकुट धारण करके"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:11 (#4)

"राजमुकुट धारण किए हुए"

हो सकता है कि क्षयर्ष चाहता था कि लोग वशती को राजमुकुट में देख कर जान लें कि वह उसकी पत्नी है। आप इसका स्पष्ट वर्णन कर सकते हैं। (वह क्यों चाहता था कि लोग यह जान लें, इसके संभावित कारणों के लिए अगली टिप्पणी को पढ़ें)

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:11 (#5)

""लोगों"

क्षयर्ष ने अपने भोजों में जो कुछ भी किया वह सब उसके सामर्थ्य के प्रदर्शन हेतु ही था। ऐसा प्रतीत होता है कि उसका मानना था कि अति सुंदर पत्नी रखना एक और बात थी जो सिद्ध करती थी कि वह एक महान पुरुष है। अतः वह चाहता था कि हर एक जन देखे कि वशती कितनी सुंदर है। पद में आप वशती की सुंदरता का वर्णन करने के बाद इसको दूसरे स्थान में रख सकते हैं क्योंकि यह अग्रिम घटना का कारण है, जब राजा अपने सात निजी सेवकों को भेजता है कि उसको लेकर भोज में आएँ।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 1:11 (#6)

""लोगों"

"इसका अर्थ, "उसके अतिथि, विशेष करके अधिकारी"" के लिए हो सकता है।"

एस्तेर 1:11 (#7)

"क्योंकि वह" - "सुन्दर थी"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसको पद में पहले रख सकते हैं क्योंकि यही एक कारण है जो पद में अग्रिम सब घटनाओं का वर्णन करता है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 1:11 (#8)

"क्योंकि वह" - "सुन्दर थी"

वैकल्पिक अनुवाद: "वह अत्यधिक सुंदर थी"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:12 (#1)

"रानी वशती आने इन्कार"

आप घटनाओं को कालक्रम में रख सकते हैं और पहले कह सकते है कि खोजों ने वशती को राजा का आदेश सुनाया और तब कहें कि उसने आने से इनकार कर दिया।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 1:12 (#2)

"रानी वशती आने इन्कार"

यदि आपकी भाषा में उसके इनकार करने का कारण दर्शाना आवश्यक है तो अति संभव है, "क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि शराबियों का समूह उसको अभिलाषी निगाहों से निहारे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:12 (#3)

"राजा आज्ञा"

वैकल्पिक अनुवाद: "राजा की आज्ञा पर" या "जो राजा चाहता था"

एस्तेर 1:12 (#4)

"खोजों के द्वारा"

यहाँ **हाथ** लाक्षणिक रूप में खोजों के ही सन्दर्भ में है जो वशती को राजा की आज्ञा सुनाने के प्रकरण में है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उन सेवकों ने रानी वशती पर राजा की इच्छा प्रकट की"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:12 (#5)

"खोजों"

देखें कि अपने इस शब्द का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:12 (#6)

"राजा बड़े क्रोध जलने"

इन दोनों उक्तिओं का अर्थ एक ही है। जिस विचार को वे व्यक्त कर रहे हैं उस पर जोर देने के लिए इसका दोहरा उपयोग किया गया है। आप इन दोनों को संयोजित कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में है: "राजा इतना अधिक क्रोधित हो गया था कि अपने आप को रोक नहीं पाया।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 1:12 (#7)

"क्रोध जलने"

यहाँ राजा के क्रोध के लिए आग का रूपक काम में लिया गया है कि जैसे वह उसके भीतर जल रही थी। यदि आपकी भाषा में अत्यधिक क्रोध के लिए कोई और रूपक है तो आप उसका उपयोग यहाँ कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप सरल सा अनुवाद कर दें, "उसका क्रोध बढ़ता ही गया।"

देखें: रूपक

एस्तेर 1:13 (#1)

"पंडितों"

इसका अर्थ राजा के परामर्शदाताओं से है। आप उनको "उसके परामर्शदाता" या "राजसी परामर्शदाता" कह सकते हैं

एस्तेर 1:13 (#2)

"समय जाननेवाले"

इसका अर्थ कुछ इस प्रकार हो सकता है, "जिनको उचित काम करने का तरीका आता है" या "जो संस्कृति को समझते थे।"

एस्तेर 1:13 (#3)

"राजा तो नीति" - "ही"

इसका अर्थ है कि "यह राजा की आदत थी" कि महत्वपूर्ण प्रश्नों पर उसके परामर्शदाताओं के साथ विचार-विमर्श करे। यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है कि राजा ने उन पंडितों को क्यों बुलवाया था।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 1:13 (#4)

"राजा तो नीति" - "ही"

यदि आपकी भाषा में परिणाम को कारण से पहले रखना अधिक स्पष्ट व्याख्या करता है तो आप इसको पद में पहले रख सकते हैं क्योंकि इससे अग्रिम घटना का वर्णन होता है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 1:13 (#5)

"तब"

यहाँ शब्द **सम्मुख** का लाक्षणिक अर्थ किसी मनुष्य की उपस्थिति में रहने से है। इस उक्ति का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष इस प्रकार के विषयों में उसके ज्ञानी पुरुषों से परामर्श की खोज करता था। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्तिगत रूप से उनसे परामर्श खोजना"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:13 (#6)

"न्याय" - "ज्ञानियों"

इसका अर्थ है कि ये परामर्शदाता कानून के ज्ञाता थे और उसके प्रकाश में उचित निर्णय लेते थे।

एस्तेर 1:14 (#1)

"उसके पास"

"राजा के निकटतम परामर्शदाता"

एस्तेर 1:14 (#2)

"कर्शना शेतार अदमाता तर्शीश मेरेस मर्सना ममूकान"

ये उन सातों पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:14 (#3)

""राजा"

दर्शन करते थे एक वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ किसी मनुष्य की उपस्थिति में होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष नियमित एवं निजी रूप में इन सातों परामर्शदाताओं से सुझाव लेता था।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:14 (#4)

"राज्य में मुख्य" - "नियुक्त"

यहाँ **नियुक्त** किए गए का अभिप्राय प्रशासन और न्याय करने से है। इस अभिव्यक्ति का अर्थ यह है कि वे साम्राज्य में सर्वाधिक पद-प्रतिष्ठित अधिकारी थे।

देखें: रूपक

एस्तेर 1:15 (#1)

"रानी वशती राजा क्षयर्ष खोजों द्वारा दिलाई आज्ञा उल्लंघन नीति उसके क्या किया"

"इस पद में पंडितों से पूछे गए प्रश्नों का सार है। यह अधिक सहायक हो सकता है यदि इस प्रकार कुछ कहकर दर्शाया जाए, "राजा ने उनसे पूछा।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:15 (#2)

"आज्ञा उल्लंघन" - "उसके"

"कानून में क्या लिखा है कि हम करें...क्योंकि...?"

एस्तेर 1:15 (#3)

"खोजों द्वारा"

घटनाओं को कालक्रम में प्रस्तुत करने के लिए आप पहले यह जानकारी दे सकते हैं कि ये पुरुष आज्ञा के साथ उपस्थित

हुए। वैकल्पिक अनुवाद: "रानी वशती ने मेरी आज्ञा का पालन नहीं किया है जो मेरे सेवकों ने उसको सुनाई थी।"

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 1:15 (#4)

"खोजों द्वारा"

यहाँ **दिलाई** लाक्षणिक रूप में करने या देने का अभिप्राय प्रकट करता है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि खोजे ही थे जिन्होंने रानी वशती को राजा क्षयर्ष की आज्ञा सुनाई थी।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:15 (#5)

"खोजों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 1:16 (#1)

"राजा" - "उपस्थिति" - "उत्तर दिया"

"यहाँ **उपस्थिति** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ मनुष्य की उपस्थिति में रहने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि ममूकान राजा और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में रहा करता था। वैकल्पिक अनुवाद: "तब ममूकान ने राजा और अधिकारियों के सुनते हुए कहा""

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:16 (#3)

"सब लोगों जो राजा" - "सब प्रान्तों में"

इसका अर्थ है कि उस साम्राज्य में रहने वाली सब जातियाँ। आप कह सकते हैं कि, "राजा क्षयर्ष जिन प्रान्तों पर राज करता है उस समस्त प्रदेश की सब जातियाँ" या अधिक सामान्य रूप में, "राजा क्षयर्ष के सम्पूर्ण साम्राज्य में रहने वाला हर एक जन"

देखें: अतिशयोक्ति

एस्तेर 1:16 (#2)

""

देखें कि आपने 1:14 में इस व्यक्ति के नाम का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:16 (#4)

""

ममूकान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है जो सम्मान का सूचक है। यदि आप उसको मुख्यतः राजा से बात करता दर्शाना चाहते हैं क्योंकि वह राजा के प्रश्न का उत्तर दे रहा है तो आप कह सकते है, "तेरे शासनाधीन समस्त प्रान्तों में" या "तेरे सम्पूर्ण साम्राज्य में रहने वाला प्रत्येक जन।"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:17 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ कारण का समावेश किया गया है कि ममूकान ने क्यों कहा कि रानी वशती ने राजा क्षयर्ष के ही नहीं साम्राज्य के सब पुरुषों के विरुद्ध अनुचित काम किया है। इसे प्रकट करने के लिए आप आरम्भ में कह सकते हैं, "जो होगा वह यह है।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 1:17 (#2)

""रानी"

अपनी बात पर बल देने के लिए ममूकान बढ़ा-चढ़ा कर कहता है कि साम्राज्य में हर एक स्त्री सुनेगी कि रानी वशती ने राजा क्षयर्ष की आज्ञा का उल्लंघन किया है। आप यूएसटी के सदृश्य कह सकते हैं कि सम्पूर्ण साम्राज्य की स्त्रियाँ" सुनेंगी कि रानी ने क्या किया है। या आप ममूकान की ही भाषा शैली बनाए रख सकते हैं, इसकी चर्चा "सब स्त्रियों में" होगी।

देखें: अतिशयोक्ति

एस्तेर 1:17 (#3)

"को" - **"पति तुच्छ"**

"**आँखों** का अर्थ "देखने" और ""देखना"" ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना या निर्णय लेने के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। इस वाक्यांश का अभिप्राय है कि स्त्रियाँ अपने-अपने पति का सम्मान नहीं करेंगी और उनकी आज्ञा का पालन नहीं करेंगी।

वैकल्पिक अनुवाद: "पत्नियाँ अपने-अपने पति को हीन समझेंगी।""

देखें: रूपक

एस्तेर 1:17 (#4)

"और कहा राजा क्षयर्ष रानी वशती" - **"सामने आने आज्ञा न आई"**

कहने का अभिप्राय यह है कि उनके विचार में "जब रानी ही राजा की आज्ञा का पालन नहीं करती है तो मैं क्यों अपने पति की आज्ञा मानूँ?" यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका वर्णन विवरण सहित कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:17 (#5)

"और" - **"राजा क्षयर्ष रानी वशती"** - **"सामने आने आज्ञा न आई"**

यह बात सुनने के उपरान्त स्त्रियाँ अपने-अपने पति का सम्मान करना त्याग देंगी। आप रानी वशती के इस व्यवहार का वर्णन पहले कर सकते हैं, अर्थात "पत्नियां अपने-अपने पति को तुच्छ समझेंगी" से पहले क्योंकि यह परिणाम का वर्णन करने वाला कारण है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 1:17 (#6)

"सामने"

यहाँ **सामने** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ मनुष्य की उपस्थिति में रहने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि जब राजा क्षयर्ष ने रानी वशती को भोज में उपस्थित होने की आज्ञा दी तब उसने राजा के समक्ष आने से इनकार कर दिया था। देखें कि आपने इसका अनुवाद पद 11 में कैसे किया था।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:18 (#1)

"दिन" - **"इस"**

""आज ही" या "आज ही के दिन से"

एस्तेर 1:18 (#2)

"फारस मादी स्त्रियाँ"

इस पद में आगे स्पष्ट होता है कि ममूकान राजा के अधिकारियों के विषय में कह रहा है। आप यहाँ कह सकते हैं, "फारस और मादी के प्रशासकों की पत्नियाँ।" परन्तु शब्द "हाकिमों" से स्पष्ट होता है कि उनका अपना भी अलग मान-सम्मान था। अतः आप कह सकते हैं, "फारस और मादी की अग्रणी स्त्रियाँ।"

एस्तेर 1:18 (#3)

""रानी की"

"रानी ने जो किया है"

एस्तेर 1:18 (#4)

"कहने"

इसका अर्थ है कि वे "ज़बान चलाएंगी" या "आज्ञा नहीं मानेंगी।" वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा मानने से इनकार करेंगी"

एस्तेर 1:18 (#5)

"राजा सब हाकिमों"

इसका अभिप्राय कुलीन स्त्रियों के पतियों से है। यहाँ अभिप्रेत अर्थ है कि, "वे अपने-अपने पति की आज्ञा नहीं मानेंगी चाहे वे राजा के अधिकारी ही क्यों न हों।" आप इसे सविस्तार प्रस्तुत कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:18 (#6)

"प्रकार घृणा" - "क्रोध"

इसका अर्थ या तो यह हो सकता है कि "वे अपने-अपने पति के साथ अवज्ञा से भरा हुआ व्यवहार करेंगी जिसके कारण उनके पति क्रोधित होंगे" या यह कि "वे अपने-अपने पति से क्रोधित होकर उनके साथ हीन व्यवहार करेंगी।"

एस्तेर 1:18 (#7)

"प्रकार"

इसका अर्थ हो सकता है कि पति आग बबूला होंगे "जितना अधिक सहन कर सकेंगे उतना करेंगे।" परन्तु इसका अर्थ यह भी हो सकता है, "यदि समाचार नहीं फैला तो भी यह अपने आप में ही पर्याप्त बुरा है।" यदि आपके विचार में अर्थ यही है, तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:19 (#1)

"यदि राजा को स्वीकार"

"यह एक वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ है कि, "यदि राजा के विचार में यह विचार अच्छा है।""

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:19 (#2)

"यदि राजा को स्वीकार"

ममूकान राजा के लिए अन्य पुरुष का संबोधन काम में लेता है जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू इससे प्रसन्न है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:19 (#3)

"आज्ञा निकाले" - "को"

मूल भाषा में यहाँ **चेहरे के सामने से आज्ञा निकाले** वाक्यांश का उपयोग किया गया हैं, जिसका अर्थ मनुष्य की उपस्थिति है। इस उक्ति का अर्थ है कि आज्ञा राजा ही से आएगी। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे नाम से एक आदेश जारी हो" या "तेरे अधिकार से एक आदेश जारी हो"

देखें: लक्षणालंकार

एस्तेर 1:19 (#4)

"आज्ञा"

आप शब्द **राजाज्ञा** का अनुवाद विशेषण शब्द, राजा की" से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा की आज्ञा"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:19 (#5)

"को"

ममूकान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित कर रहा है जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्तिगत रूप से"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:19 (#6)

"लिखी"

आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान रूप में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू व्यक्तिगत रूप से एक आदेश लिख" या "अपने लिपिकों को आज्ञा दे कि वे ऐसी राजाज्ञा लिखें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 1:19 (#7)

"बदल" - "न"

"""ये आज्ञाएँ कभी अमान्य नहीं होती हैं" या "कभी परिवर्तित नहीं की जा सकती हैं""

एस्तेर 1:19 (#8)

""सम्मुख"

ममूकान राजा को अन्य व्यक्ति रूप में संबोधित करता है जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी उपस्थिति में कभी न आए"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:19 (#9)

""सम्मुख"

यहाँ **सम्मुख** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ मनुष्य की उपस्थिति में रहने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि रानी वशती राजा कि उपस्थिति में कभी न आने पाए। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा क्षयर्ष के सामने फिर कभी न आए"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:19 (#10)

"राजा" - "दूसरी" - "दे दे" - "उससे अच्छी"

"ममूकान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। आप एक वचन क्रिया शब्द, "तू" के द्वारा इसी अर्थ को दर्शा सकते हैं और स्पष्ट कर सकते हैं कि ममूकान आदेश नहीं सुझाव दे रहा है: "रानी होने के लिए किसी और सुन्दरी का चयन कर ले।" वैकल्पिक अनुवाद: "राजा उसके रानी के पद को किसी और स्त्री को दे सकता है।""

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:19 (#11)

""

"आप इस भाववाचक संज्ञा, "पटरानी का पद" के अनुवाद में कह सकते हैं, "उसका राजसी पद" या "उसका रानी होने का पद।""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 1:19 (#12)

"उससे अच्छी"

ममूकान के कहने का अर्थ है कि होने वाली रानी राजा की सब आज्ञाओं का पालन करने में वशती से "अधिक अच्छी" हो। आप इसको सविस्तार व्यक्त कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 1:20 (#1)

"राजा" - "आज्ञा" - "सुनाई"

आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान रूप में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब सब सुनेंगे..."

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 1:20 (#2)

"राजा" - "आज्ञा"

ममूकान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। आप इसी अर्थ को द्वितीय पुरुष में व्यक्त

कर सकते हैं: "जब वे सुनेंगे कि तूने क्या आज्ञा दी है" वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे राजा के आदेश को सुनेंगे"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:20 (#3)

"यह" - "सारे राज्य" - "जाएगी"

"यद्यपि क्षयर्ष का आदेश अपरोक्ष रूप से केवल वशती के लिए था, उसका अभिप्रेत अर्थ था कि सब पत्नियाँ अपने-अपने पति की आज्ञा मानें, अन्यथा उनके पति उनका बहिष्कार कर सकते हैं या उनसे विवाह विच्छेद कर सकते हैं। पद के अंत में आप इसको स्पष्ट कर सकते हैं: "क्योंकि कोई भी पत्नी यदि अपने पति की आज्ञा न माने तो वह उसका बहिष्कार कर सकता है या उससे विवाह विच्छेद कर सकता है, ठीक वैसा ही जैसा तूने वशती के साथ किया है।""

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:20 (#4)

"राज्य"

ममूकान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे सम्पूर्ण राज्य में"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 1:20 (#5)

"उसके"

"यद्यपि तेरा साम्राज्य बहुत बड़ा है"

एस्तेर 1:20 (#6)

"पत्नियाँ पति" - "आदरमान करती"

"स्त्रियाँ अपने-अपने पति का सम्मान करेंगी और उनकी आज्ञा मानेंगी"

एस्तेर 1:20 (#7)

"में" - "बड़ा छोटा"

"रूपक रूप की यह अभिव्यक्ति साम्राज्य में सब पतियों के लिए है। बड़ा-छोटा में हर एक पुरुष आता है। आप यूएसटी के सदृश्य अर्थ व्यक्त कर सकते हैं: साम्राज्य में हर एक

पुरुष" वैकल्पिक अनुवाद: "यह साम्राज्य के सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुरुष और सर्वाधिक महत्वहीन पुरुष दोनों के लिए वरन् इसके मध्य हर एक पुरुष के लिए है।""

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 1:21 (#1)

"यह बात राजा" - "को पसन्द"

जैसा पद 19 में मिलता है, "यदि राजा को स्वीकार हो" वैसा ही यह भी एक वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ है कि, "राजा के विचार में यह एक अच्छा सुझाव था" या "इस परामर्श से राजा प्रसन्न हुआ।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:21 (#2)

"राजा हाकिमों को"

यहाँ **आँखें** अर्थात देखना, और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना या आंकने के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। इस वाक्यांश का अर्थ राजा क्षयर्ष और सब अधिकारी जिन्होंने ममूकान का परामर्श सुना से है, उनके विचार में यह एक अच्छा विचार था।

देखें: रूपक

एस्तेर 1:21 (#3)

"राजा ममूकान सम्मति मान ली"

इसका अर्थ है कि राजा क्षयर्ष ने ममूकान के सुझाव के अनुसार एक नियम लिख दिया।

एस्तेर 1:21 (#4)

"ममूकान"

उसके नाम का अनुवाद वैसा ही करें जैसा 1:14 में मिलता है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 1:22 (#1)

"प्रत्येक प्रान्त" - "में" - "चिट्ठियाँ भेजीं"

"उसने" अर्थात राजा क्षयर्ष ने। कहने का अर्थ है कि राजा ने अपने साम्राज्य के हर एक प्रान्त में पत्र भेजे।

एस्तेर 1:22 (#2)

""

यह एक वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ "प्रत्येक प्रान्त" या "हर एक प्रान्त" से है

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:22 (#3)

"अक्षरों"

"उसके अपने अक्षरों में" या "उसकी अपनी लिपि में"

एस्तेर 1:22 (#4)

"जाति" - **"अपने-अपने"**

यह एक वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ "हर एक जाति" या "सब जातियों में से हर एक" से है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 1:22 (#5)

"भाषा"

यहाँ **भाषा** का अर्थ किसी मनुष्य या जाति द्वारा बोली जाने वाली भाषा से है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी अपनी भाषा में"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:22 (#6)

"सब पुरुष" - **"घर चलाएँ"** - **"बोला"**

इसका अर्थ तो यह हुआ कि सब पुरुषों को अपनी-अपनी पत्नी और अपनी संतान पर पूर्ण अधिकार है।

एस्तेर 1:22 (#7)

"अपनी जाति"

यहाँ **भाषा** एक लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ किसी मनुष्य या किसी जाति द्वारा बोली जाने वाली भाषा से है।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 1:22 (#8)

"अपनी जाति"

कहने का तात्पर्य है कि पति को इस योग्य होना है कि वह अपनी पत्नी को स्वदेशी भाषा में आज्ञा दे और कि वह उस भाषा को समझ कर उसकी आज्ञा का पालन करे, चाहे उसको वह भाषा सीखने की आवश्यकता ही क्यों न हो। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसको सविस्तार व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर - अध्याय 2 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

एस्तेर रानी बनती हैं

एस्तेर विनम्र थी और राजा के साथ अपने समय के लिए कैसे कपड़े पहनने चाहिए, इस बारे में शाही अधिकारियों की सलाह मानी। राजा ने एस्तेर को नई रानी के रूप में चुना।

मोर्दकै राजा को एक षड्यंत्र के खिलाफ चेतावनी देता है

एस्तेर के चचेरे भाई, मोर्दकै, को पता चला कि दो पुरुष राजा की हत्या की योजना बना रहे थे। उसने एस्तेर को बताया, जिसने फिर राजा को सूचित किया। उसने यह भी बताया कि यह जानकारी मोर्दकै ने उसे दी थी।

एस्तेर 2:1 (#1)

"इन बातों बाद"

"यहाँ एक नई घटना का समावेश किया गया है जो कुछ समय बाद घटती है, परन्तु हम नहीं जानते कि कितनी देर बाद। आप इसको एक वाक्यांश द्वारा व्यक्त कर सकते हैं जैसे, "कुछ समय पश्चात।""

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 2:1 (#2)

"राजा क्षयर्ष गुस्सा ठण्डा हो गया"

"जब राजा क्षयर्ष का क्रोध शांत हो गया" या "जब राजा क्षयर्ष का क्रोध काम हुआ"

एस्तेर 2:1 (#3)

"वशती" - **"उसने"** - **"सुधि"**

इसका अर्थ है कि उसको वशती की याद सताने लगी। संभव है कि वह उसकी मनभावन बातों को विचारने लगा था, अर्थात वह उसे याद आने लगी थी।

एस्तेर 2:1 (#4)

"जो" - **"किया था जो"** - **"उसकी"**

इसका सन्दर्भ वशती द्वारा क्षयर्ष की अवज्ञा से और 1:21 में उसके निर्णय से है कि वह उसकी उपस्थिति में फिर कभी न आए। इसका वास्तविक अर्थ है कि जब वह वशती के बारे में और उसके कृत्यों के बारे में सोचता था तब वह उसके विरुद्ध लिए गए निर्णय के लिए पछताता था। परन्तु वह उसको पुनः ले आने के लिए कुछ नहीं कर सकता था क्योंकि साम्राज्य का कानून बदला नहीं जा सकता था। आप यह सब या कुछ अंश अपने अनुवाद में दर्शा सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:1 (#5)

"जो" - **"उसकी"**

आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान रूप में कर सकते हैं, और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने जो निर्णय लिया था"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:2 (#1)

"राजा सेवक टहलुए"

ये वे पूर्वकालिक बुद्धिमान परामर्शदाता नहीं थे जिनसे क्षयर्ष ने 1:13 में परामर्श खोजा था। ये कम आयु के पुरुष थे जो राजा के निकट रहते थे कि उसकी व्यवहारिक आवश्यकताओं को पूरा करने में तत्पर रहें। आप उनको उसके "निजी सेवक" कह सकते हैं।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:2 (#2)

"राजा" - **"युवा"** - **"ढूँढ़ी जाएँ"**

"इस सुझाव में एक विचार निहित है, "तुझे अपने लिए एक नई पत्नी लाने की आवश्यकता है।"" आप इन युवा पुरुषों द्वारा राजा को दिए गए परामर्श के आरम्भ में इसका स्पष्ट वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:2 (#3)

"ढूँढ़ी जाएँ"

वे उन सेवकों के सन्दर्भ में है, जिनको राजा इस काम के लिए भेजेगा। यदि यह स्पष्ट न हो तो आप कह सकते हैं, "सेवक" या "तेरे सेवक।" इसको इस रूप में व्यक्त करें कि प्रकट हो कि यह एक सम्मानजनक सुझाव है, न कि आज्ञा, उदाहरणार्थ: "खोज के निमित्त तू कुछ मनुष्यों को भेज सकता है।"

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

एस्तेर 2:2 (#4)

"राजा"

ये युवा पुरुष राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करते हैं, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: तू उनको "अपने लिए" या "अपनी ओर से" कहने दे, यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट वरन् सम्मानजनक हो

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 2:2 (#5)

"सुन्दर"

1:11 के सदृश्य यह भी एक लोकोक्ति है, जिसका अर्थ "अति सुंदर" से है

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:3 (#1)

"राजा" - **"नियुक्त किया"**

वे युवा पुरुष राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करते हैं, जिसका अर्थ सम्मान सूचक से है। इसका विकल्प है कि आप उनको सम्मानपूर्वक यह कहते हुए दर्शा सकते हैं "तू नियुक्त कर सकता है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 2:3 (#2)

"सुन्दर"

1:11 के सदृश्य यह एक लोकोक्ति है जिसका अर्थ है, "अति सुंदर"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:3 (#3)

"शूशन गढ़"

इस प्रकरण में इस अभिव्यक्ति का अर्थ "यहाँ शूशन के महल में" से है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:3 (#4)

"रनवास में" - **"स्त्रियों"**

इसका अर्थ कुंवारियों के रनवास में से है, अर्थात् वह स्थान जहाँ युवतियां रहेंगी और राजा के पास ले जाए जाने से पूर्व जिनका सौन्दर्यकरण किया जाएगा (देखें पद 13 और 14)।

एस्तेर 2:3 (#5)

"और" - **"के प्रबन्धक हेगे राजा खोजा"** - **"उन्हें"**

इसका अनुवाद कर्ता प्रधान रूप में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा का अधिकारी, हेगे जो स्त्रियों का प्रबंधक है, उनकी सुधि रखे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:3 (#6)

"के" - **"हेगे"**

सौंप दें एक रूपक है, जिसका अर्थ शक्ति, नियंत्रण, या अधिकार से है। स्त्रियों का प्रबंधक होने के कारण हेगे का उत्तरदायित्व था कि कुंवारियों के रनवास में युवतियों की सुधि रखे। वैकल्पिक अनुवाद: "हेगे की निगरानी में"

देखें: रूपक

एस्तेर 2:3 (#7)

"हेगे"

यह एक पुरुष का नाम है। इस अध्याय में यह अनेक बार आता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद सदा एक सा रहे।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:3 (#8)

"राजा खोजा"

सेवक राजा को अन्य पुरुष रूप में संबोधित करते है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे खोजे"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 2:3 (#9)

"खोजा"

वहाँ का अधिकारी या "वहाँ का प्रबंधक" देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:10 में कैसे किया था।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:3 (#10)

"प्रबन्धक" - **"उन्हें"**

"जो वहाँ रहने वाली स्त्रियों का प्रभारी है"

एस्तेर 2:3 (#11)

"शुद्ध करने के योग्य वस्तुएँ"

यह शब्द उस विशेष पदार्थ के सन्दर्भ में प्रतीत होता है जिसका उपयोग स्त्रियाँ सुंदरता बढ़ाने के लिए अपने चेहरे या शरीर के अन्य अंगों पर करती हैं। पद 12 से प्रतीत होता है कि ये लेप हैं, जिनको नाना प्रकार के तेल तथा इत्रों के साथ काम में लिया जाता था। परन्तु यहाँ, स्त्री के सौन्दर्य उपचार के इस एक क्षेत्र में ऐसा प्रतीत होता है कि इन सब का उपयोग किया गया है, अतः आप इनको "सौंदर्य उपचार" कह सकते हैं। (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/translate-unknown]])

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:4 (#1)

"जो कुँवारी राजा दृष्टि उत्तम"

सेवकों ने राजा को अन्य पुरुष में संबोधित किया जो सम्मान सूचक था। आप द्वितीय पुरुष में इसी अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं जैसे, "वह युवती जो तुझे सबसे अच्छी लगे।"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 2:4 (#2)

"दृष्टि"

यहाँ **दृष्टि** एक लाक्षणिक प्रयोग है जिसका सन्दर्भ देखने से है और देखना, ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना या आंकना के लिए एक रूपक है" इस वाक्यांश का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष निर्णय ले कि उसको कौन सी युवती सबसे अधिक मनभावन लगती है और उसको रानी बनाए।

देखें: रूपक

एस्तेर 2:4 (#3)

"यह बात राजा को पसन्द"

आँखों का लाक्षणिक अर्थ वही है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष के विचार में यह सुझाव एक अच्छा समाधान था। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा को उनका सुझाव आकर्षक प्रतीत हुआ"

देखें: रूपक

एस्तेर 2:4 (#4)

"उसने ऐसा ही"

"अतः उसने उस सुझाव का अनुपालन किया"

एस्तेर 2:5 (#1)

"यहूदी" - "एक"

यहाँ मौर्दकै वृतांत में एक नया नायक है। अपनी भाषा में नए नायक के समावेश के विधि काम में लें। इस अभिव्यक्ति का अर्थ "एक यहूदी पुरुष" से है

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

एस्तेर 2:5 (#2)

"शूशन गढ़"

यहाँ इस वाक्यांश में संभवतः महल की अपेक्षा नगर का संकेत है, अर्थात, "राजधानी शूशन।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:5 (#3)

"मोर्दकै"

यह एक पुरुष का नाम है। सम्पूर्ण वृतांत में यह नाम बार-बार आता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय हो।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:5 (#4)

""कीश" - "परपोता"

ये नाम पुरुषों के हैं। याईर, शिमी, और कीश मौर्दकै के पूर्वज थे। आप कह सकते हैं, "मौर्दकै याईर का पुत्र था जो शिमी का पुत्र था और वह कीश का पुत्र था," या यूएसटी देखें।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:5 (#5)

"बिन्यामीनी"

यह संभवतः कीश के सन्दर्भ में है, तथापि आवश्यक है कि मौर्दकै के विषय में भी सत्य हो,अतः आप इसको पद में दुसरे स्थान में रख सकते हैं। इस प्रकार मौर्दकै की नागरिकता पहले आ जाएगी, तदोपरांत उसका गोत्र, तब उसका परिवार और कुल। वैकल्पिक अनुवाद: "बिन्यामीन के गोत्र से"

एस्तेर 2:6 (#1)

"उन बन्दियों के साथ यरूशलेम बँधुआई जिन्हें बाबेल का राजा नबूकदनेस्सर यहूदा राजा यकोन्याह संग बन्दी ले गया"

अब वृतांत में वर्षों पुरानी बात आती है, जो कि पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है। जिसके द्वारा समझाया गया है कि यह यहूदी परिवार कैसे शूशन में रहने आया। आप इसका समावेश यह कहकर कर सकते हैं कि, "वर्षों पूर्व"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 2:6 (#2)

"उन बन्दियों" - "यरूशलेम"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका अनुवाद कर्म प्रधान रूप में कर सकते हैं, और कह सकते हैं कि काम का करने वाला कौन है। वैकल्पिक अनुवाद: "बेबीलोन का राजा नबूकदनेस्सर कीश को अन्य बंदियों के साथ यरूशलेम से ले आया था।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:6 (#3)

"उन बन्दियों" - "यरूशलेम"

आप इस जानकारी को पद में पीछे से निकाल कर आगे ला सकते हैं क्योंकि यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है जिससे मौर्दकै को पहचानने में सहायता मिलती है।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 2:6 (#4)

"उन बन्दियों" - "यरूशलेम"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप कह सकते हैं कि राजा नबूकदनेस्सर बंदियों को यरूशलेंम से कहाँ लाया था। वैकल्पिक अनुवाद: "कीश को यरूशलेम से लाकर बेबीलोन में रखा।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:6 (#5)

"संग"

"इसका अर्थ है कि दो घटनाएं एक साथ घटी थीं। आप इसको किसी वाक्यांश के द्वारा प्रकट कर सकते हैं, जैसे, "उसी समय जब वह...को लाया था।""

देखें: जोड़ें — समकालिक समय संबंध

एस्तेर 2:6 (#6)

"राजा" - "यहूदा" - "यकोन्याह"

जिस ऐतिहासिक गद्यांश (2 राजाओं 24:8–17) में इस घटना का वर्णन है, वहाँ इस राजा का नाम यहोयाकीन है। यह एक और नाम है, जिससे वह जाना जाता था। आप यहाँ, एस्तेर की पुस्तक में, उसको यहोयाकीन कह सकते हैं, यदि आपके विचार में आपके पाठकों को उसे भली भांति पहचानने में सहायता मिलेगी।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:6 (#7)

"जिन्हें बाबेल" - "नबूकदनेस्सर" - "राजा" - "बन्दी"

"आप कह सकते हैं कि राजा नबूकदनेस्सर इस राजा को यरूशलेम से लेकर कहाँ आया था, उदाहरणार्थ, "नबूकदनेस्सर यहूदा के राजा यहोयाकीन को बंदी बनाकर यरूशलेम से बेबीलोन लाया था।""

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:7 (#1)

"उसने"

अब वृतांत में मौर्दकै के विषय में पुनः चर्चा आरम्भ होती है। यदि आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप उसका नाम स्पष्ट कर सकते हैं: अब मौर्दकै।"

एस्तेर 2:7 (#2)

"बहन"

यदि आपकी भाषा में इस सम्बन्ध के लिए कोई निश्चित शब्द हो तो आप उसका यहाँ उपयोग कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "उसकी चचेरी बहन।" वैकल्पिक अनुवाद: "उसके चाचा की पुत्री"

एस्तेर 2:7 (#3)

"हदास्सा" - "जो एस्तेर"

यहाँ वृतांत में दर्शाया गया है कि इस स्त्री का इब्रानी नाम हदस्सा था और फारसी नाम एस्तेर था। आप इसको स्पष्ट व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:7 (#4)

"एस्तेर"

यह एक स्त्री का नाम है। सम्पूर्ण वृतांत में यह नाम अनेक बार आता है। अतः इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय हो।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:7 (#5)

"माता-पिता कोई न थे"

आप सरल भाषा में कह सकते हैं कि "वह अनाथ थी" जैसा यूएसटी में मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी थी"

एस्तेर 2:7 (#6)

"लड़की सुन्दर रूपवती"

"इन दोनों उक्तियों का अर्थ लगभग एक सा ही है। उनके अलग-अलग अभिप्राय हैं कि एस्तेर यौन रूप से परिपक्व तो थी, परन्तु वह सुंदर भी बहुत थी। एक साथ इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ है कि वह देखने में अत्यधिक रूपवती थी। आप इनको संयोजित कर सकते है, जैसा यूएसटी में है, और कह सकते हैं कि वह असामान्य रूप से सुंदर थी। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका शरीर आकर्षक और चेहरा सुंदर था।""

देखें: समांतरता

एस्तेर 2:7 (#7)

"माता-पिता मर गए मोर्दकै बेटी"

यह मौर्दकै और एस्तेर के सम्बन्ध की पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है। आप इसको दाहिनी ओर ला सकते हैं, उस स्थान के बाद जहाँ एस्तेर को नाम से परिचित कराया गया है, क्योंकि यह पूर्वकाल की घटनाओं का वर्णन करता है, जो एस्तेर के सुंदर युवती होने के पहले की हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके माता-पिता के मृत्यु के बाद मौर्दकै ने उसको अपने पुत्री होने के लिए गोद ले लिया था"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 2:8 (#1)

"जब"

पद 5–7 में मौर्दकै और एस्तेर के बारे में पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी देने के बाद अब वृत्तांत में बताया जा रहा है कि इन तथ्यों के परिणाम स्वरूप क्या हुआ था जब पद 3 में वर्णित प्रान्तों के अधिकारियों ने रनवास में युवतियों को भेजना

आरम्भ किया। इस वृत्तांत में वर्णन किया गया है कि एस्तेर के साथ क्या हुआ क्योंकि उसका परिवार फारसी साम्राज्य में रह रहा था और एस्तेर बहुत ज्यादा आकर्षक थी। पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी देने के बाद अब घटनाएं अग्रसर हो रही हैं, इन्हें आप अपनी भाषा में प्रस्तुत करें। उदाहरणार्थ, "अब आगे यह हुआ कि"

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 2:8 (#2)

"राजा आज्ञा नियम सुनाए बहुत सी युवा" - "इकट्ठी"

इससे संकेत मिलता है कि एक ही समय में दो काम हुए हैं। आवश्यक है कि आप इसको ऐसे वाक्यांशों में व्यक्त करें जैसे, "उसी समय।"

देखें: जोड़ें — समकालिक समय संबंध

एस्तेर 2:8 (#3)

"राजा की आज्ञा और नियम सुनाए गए, और बहुत सी युवा स्त्रियाँ" - "इकट्ठी की गईं"

सुनाए गए और **इकट्ठी की गईं**, ये वाक्यांश निष्क्रिय क्रियाएँ हैं। अगर आपकी भाषा में उसका इस्तेमाल नहीं होता, तो आप इन बातों को सक्रिय क्रिया में या अपनी भाषा में किसी और स्वाभाविक तरीके से बता सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "जब संदेशवाहकों ने राजा के आदेश की घोषणा की और लिपिकों ने राजा के नियम को प्रकाशित कर दिया, और उनके सेवकों ने बहुत सी जवान स्त्रियों को इकट्ठा किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:8 (#4)

"राजा आज्ञा"

इसका सन्दर्भ राजा क्षयर्ष द्वारा रानी वशती को उसकी उपस्थिति से बहिष्कृत किए जाने से है।

एस्तेर 2:8 (#5)

"नियम"

इसका सन्दर्भ राजा क्षयर्ष की आज्ञा से है कि पुरुषों को अपनी-अपनी पत्नी पर पूर्ण अधिकार है।

एस्तेर 2:8 (#6)

"सुनाए"

आप यह भी कह सकते हैं कि यह कार्य कहाँ हुआ था। वैकल्पिक अनुवाद: "संदेशवाहक सम्पूर्ण साम्राज्य में गए और इसकी घोषणा की" (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:8 (#7)

"बहुत सी युवा" - **"इकट्ठी"**

आप इसको कर्ता प्रधान वाक्य में भी व्यक्त कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। यूएसटी देखें।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:8 (#8)

"शूशन गढ़"

यहाँ भी वैसा ही है, इसका संभावित अर्थ है, "राजधानी शूशन।" (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/translate-unknown]])

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:8 (#9)

"हेगे अधिकार में"

"यहाँ **दृष्टि** एक रूपक है, जिसका अर्थ सामर्थ्य, नियंत्रण, और अधिकार से है। स्त्रियों का प्रभारी होने के कारण हेगे कुवांरियों के रनवास का उत्तरदायी था। आप कह सकते हैं कि अधिकारियों ने "उनको हेगे की निगरानी में सौंप दिया" या "हेगे ने उनकी सुध रखना आरम्भ कर दिया।"" (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])"

देखें: रूपक

एस्तेर 2:8 (#10)

"जब" - **"सुनाए"** - **"इकट्ठी"** - **"सौंपी गई"**

इसका अर्थ यह हुआ कि एस्तेर को उसी समय राजा क्षयर्ष के रनवास में लाया गया था जिस समय अन्य कुवाँरियाँ वहाँ लाई जा रही थीं। आप कह सकते हैं, "वे उसी समय एस्तेर को भी लाए" या "वे एस्तेर को भी लाए।"

देखें: जोड़ें — समकालिक समय संबंध

एस्तेर 2:8 (#11)

"सौंपी गई"

आप इसको कर्ता प्रधान रूप में भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे एस्तेर को लाए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:8 (#12)

"सौंपी गई"

आप वर्णन कर सकते हैं कि ऐसा क्यों हुआ। उदाहरणार्थ, "क्योंकि एस्तेर असामान्य रूपवती थी इसलिए अधिकारी उसको भी लेकर आए:

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:8 (#13)

"राजभवन"

"राजा के महल में"

एस्तेर 2:8 (#14)

"स्त्रियों प्रबन्धक हेगे अधिकार में"

"जैसा इस पद के आरम्भ में मिलता है, इसका अर्थ है, हेगे की निगरानी में" या "हेगे ने उसके सुध रखना भी आरम्भ कर दिया।""

देखें: रूपक

एस्तेर 2:8 (#15)

"स्त्रियों प्रबन्धक"

इसका अर्थ है कि कुवारियों के रनवास में रहने वाली स्त्रियों की सुधि रखना हेगे का दायित्व था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इस जानकारी को इस पद के आरम्भ में रख सकते हैं, जहाँ हेगे का उल्लेख किया गया है, क्योंकि इससे स्पष्ट होता है कि युवतियों को हेगे के पास क्यों लाया जाता था। (देखें;

[[rc://hi/ta/man/translate/writing-background]])

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 2:9 (#1)

"युवती दृष्टि में अच्छी" - "प्रसन्न तब"

इसका अर्थ है कि "हेगे को एस्तेर आकर्षक लगी और उस पर उसकी दया हुई" या "हेगे एस्तेर से अत्यधिक प्रभावित हुआ था और एस्तेर ने उसका अनुग्रह प्राप्त किया।" दूसरे शब्दों में, क्योंकि वह एस्तेर से इतना अधिक प्रभावित हुआ था कि वह उसकी सहायता के लिए कुछ भी करना चाहता था। यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है, जिससे वर्णन होता है कि हेगे ने आगे वर्णित उपकार उस पर क्यों किए थे।

एस्तेर 2:9 (#2)

"युवती दृष्टि में" - "प्रसन्न"

यहाँ **दृष्टि** एक लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ देखना से है और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना, और आंकने के लिए एक रूपक है। इस प्रकरण में, इस वाक्यांश का अर्थ हो सकता है कि हेगे के विचार में एस्तेर या तो एक आकर्षक स्त्री थी या एक मनभावन व्यक्तित्व वाली थी या फिर दोनों ही थी।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 2:9 (#3)

"युवती"

इसका अर्थ एस्तेर है। आप को सुनिश्चित करना होगा कि आप के अनुवाद में यह स्पष्ट हो।

एस्तेर 2:9 (#4)

"दृष्टि में"

यहाँ **वह** का संदर्भ हेगे से है। आपको अपने अनुवाद में सुनिश्चित करना होगा कि यह स्पष्ट हो

एस्तेर 2:9 (#5)

"अच्छी" - "तब"

यहाँ **सम्मुख** मनुष्य की उपस्थिति के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। यह कहना कि "वह उससे प्रसन्न हुआ" इब्रानी भाषा की एक दुर्लभ अभिव्यक्ति है, जिसका यथार्थ अर्थ निश्चित ज्ञात् नहीं है। इस प्रकरण में, इसका अर्थ यह भी निकलता है कि एस्तेर और हेगे मित्र हो गए थे। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने उसका दिल जीत लिया"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 2:9 (#6)

"तब"

यहाँ **उसकी** का अर्थ हेगे से है। आपको सुनिश्चित करना होगा कि आपके अनुवाद में यह स्पष्ट हो।

एस्तेर 2:9 (#7)

"शुद्ध करने की वस्तुएँ"

वैकल्पिक अनुवाद: "उसके सौन्दर्य प्रसाधन" जैसा 2:3 में मिलता है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:9 (#8)

"भोजन"

प्रकरण के अनुसार इसका संभावित अर्थ हो सकता है कि हेगे ने सुनिश्चित किया कि एस्तेर को उत्तम भोजन दिया जाए जिससे उसका स्वास्थ्य अच्छा हो।

एस्तेर 2:9 (#9)

"राजभवन" - "लिये चुनी हुई सात सहेलियाँ"

इसका अर्थ है कि हेगे ने राजा के महल से सात स्त्रियों को चुना और उनको एस्तेर की देख रेख के लिए नियुक्त कर दिया था।

एस्तेर 2:9 (#10)

"और उसकी सहेलियों" - "स्थान दिया"

उसको अर्थात एस्तेर को, तथा "उसकी सहेलियों" को अर्थात हेगे द्वारा नियुक्त महिला परिचारिकाएँ।

एस्तेर 2:10 (#1)

"एस्तेर न अपनी जाति बताई अपना कुल"

इसका अर्थ है कि एस्तेर ने अपने बारे में यह जानकारी किसी को नहीं दी थी।

एस्तेर 2:10 (#2)

"अपनी जाति" - "अपना कुल"

"इन दो लघु वाक्यांशों का अर्थ लगभग एक ही है। उनके संयोजित उपयोग का उद्देश्य है कि एस्तेर द्वारा मौर्दकै के निर्देशों का अचूक पालन करने पर बल दिया जाए। आप इन्हें यूएसटी के सदृश्य संयोजित कर सकते हैं और इस प्रकार कह सकते हैं,""वह किस जाति की थी।" वैकल्पिक अनुवाद: "एस्तेर ने किसी को नहीं बताया था कि वह यहूदी थी, और न ही उसने किसी को अपने परिजनों के बारे में बताया था"

देखें: युग्म

एस्तेर 2:10 (#3)

"क्योंकि मोर्दकै उसको आज्ञा दी"

यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है, जिससे कारण प्रकट होता है कि एस्तेर ने अपने परिवार और अपनी नागरिकता के बारे में किसी को क्यों नहीं बताया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसको पद में पहले स्थान पर रख सकते हैं।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 2:10 (#4)

"उसको आज्ञा दी"

इसका अर्थ है कि मौर्दकै ने उससे प्रतिज्ञा करवाई थी कि वह ऐसा न करे।

एस्तेर 2:11 (#1)

"प्रतिदिन"

वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक दिन"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:11 (#2)

"मोर्दकै" - "टहलता"

मनुष्य जिस काम को बार-बार करता है, उसका वर्णन अपनी भाषा के अनुसार करें, उदाहरण के लिए, "मौर्दकै टहलता रहता था।"

एस्तेर 2:11 (#3)

""आँगन"

यहाँ **सामने** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ किसी स्थान के सामने के ओर से है। अतः आप कह सकते हैं, "आँगन के सामने की ओर"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 2:11 (#4)

"रनवास"

"कुंवारियों का रनवास"

एस्तेर 2:11 (#5)

"जाने एस्तेर कैसी है और क्या हो रहा"

यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है कि मौर्दकै आँगन के सामने की ओर क्यों टहलता था। इसका कारण था कि वह आँगन से आने वालों और आँगन में जाने वालों से एस्तेर का हाल-चाल पूछ सके। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको पद में पहले स्थान में रख सकते हैं, क्योंकि इसके द्वारा अगले वर्णन की व्याख्या होती है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 2:11 (#6)

"एस्तेर कैसी है"

"एस्तेर का हाल-चाल" या "एस्तेर के कल्याण के बारे में"

एस्तेर 2:11 (#7)

"एस्तेर कैसी है" - "क्या हो रहा"

इन दोनों उक्तियों का अर्थ एक ही है। वृतांत में इसको दोहराने का अर्थ है कि एस्तेर के प्रति मौर्दकै की चिन्ता पर बल दिया जाए। आप इनको संयोजित करके कह सकते हैं, "एस्तेर कैसी है" या "एस्तेर ठीक है क्या?"

देखें: समांतरता

एस्तेर 2:12 (#1)

"आई"

पद 12 से 14 में पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है कि राजा के लिए लाई गई कुंवारियां कैसे उसकी रखैल बनीं। ये पद निश्चित रूप में एस्तेर के लिए नहीं हैं। वे सामान्यतः स्त्रियों के लिए हैं। अपनी भाषा शैली में किसी संयोजक उपवाक्य का प्रयोग करके अपने पाठकों को समझाएं कि यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है, जैसे "इस प्रकार कुंवारियां राजा के लिए रखैल बनीं"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 2:12 (#2)

"एक-एक कन्या"

वैकल्पिक अनुवाद: "युवतियों में से प्रत्येक"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:12 (#3)

"बारी आई" - "क्षयर्ष राजा पास जाए"

इन युवतियों में से हर एक राजा के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाएंगी जिसके परिणाम स्वरूप वह वैधानिक रूप से उसकी रखैलियों में से एक हो जाएगी अर्थात उसकी अतिरिक्त पत्नी। जैसा वृतांत में वर्णन किया जा चुका है कि वह तब उनमें से एक को चुनेगा कि उसकी रानी एवं प्रमुख पत्नी हो। परन्तु राजा प्रत्येक रखैल के लिए आजीवन पालन-पोषण का प्रबंध करेगा। वे किसी और से विवाह करने के लिए स्वतंत्र नहीं होंगी। यह एक ऐसी बात है, जिसको वृतांत के मूल पाठकों ने सविस्तार समझ लिया होगा। यदि आपके पाठकों को वृतांत समझने के लिए आवश्यक हो तो आप भी इसका विस्तारपूर्वक वर्णन कर सकते हैं: रनवास की प्रत्येक युवती शारीरिक सम्बन्ध बनाने के लिए राजा क्षयर्ष के पास एक-एक करके जाती थी कि उसकी रखैलियों में से एक बने" या "उसकी अतिरिक्त पत्नियों में से एक बने"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:12 (#4)

"स्त्रियों" - "ठहराए हुए नियम के अनुसार"

यहाँ **नियम** अर्थ संभवतः यह नहीं है कि वह वैधानिक आदेश था वरन एक नियत रीति थी जिसका विकास किया गया था।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:12 (#5)

"अर्थात् दिन बीत गए कि" - "लगाया जाता"

इस उपवाक्य से संकेत मिलता है कि वृत्तांत में अब पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी दी जाएगी कि ऐसे उपचार कसे किए जाते हैं। इसका अर्थ है, राजा के पास जाने के लिए ये स्त्रियाँ इस प्रकार तैयारियाँ करने में अपना समय लगाती थीं"

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 2:12 (#6)

"माह गन्धरस तेल" - "छः"

इसका अर्थ है कि स्त्रियों की परिचारिकाएँ छः महीनों तक लोबान मिश्रित जैतून के तेल से उन स्त्रियों के शरीरों की प्रतिदिन मालिश करती थीं। यदि आपके पाठकों को वृतांत समझने के लिए अधिक जानकारी की आवश्यकता हो तो आप इसे अधिक विस्तार से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:12 (#7)

"गन्धरस तेल"

"इसका संभावित अर्थ "लोबान के साथ मिलाया हुआ जैतून का तेल"" से है।"

एस्तेर 2:12 (#8)

"स्त्रियों शुद्ध करने"

इसका अर्थ स्त्रियों के लिए बनाए गए लेप से है। 2:3 और 2:9 में प्रक्रिया का यह विशिष्ट भाग लाक्षणिक रूप में व्यक्त किया गया है जिसका अर्थ ये सब द्रव्य से है। अतः उन पदों अनुवाद "सौन्दर्य उपचार" किया जा सकता है। परन्तु यहाँ इसका अनुवाद निश्चित शब्द या उक्ति द्वारा किया जाना है जैसे, "स्त्रियों के लेप" या "स्त्री सम्बन्धी रोगन" क्योंकि इसका नाम उन तेलों तथा सुगंधद्रव्यों के साथ लिया गया है, जो उपचार के एक ही अवयवभूत अंश हैं।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:13 (#1)

"इस"

"स्त्री के सौन्दर्य उपचार का एक वर्ष पूरा हो जाने के बाद"

एस्तेर 2:13 (#2)

"कन्या राजा" - "पास जाती"

इसका अर्थ है कि एक युवती राजा के पास जाएगी और उसके साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाएगी और इस प्रकार उसकी रखैलियों में से एक हो जाएगी। यदि आपके पाठकों को वृत्तांत समझने के लिए इस जानकारी की आवश्यकता है तो आप यहाँ इसका वर्णन कर सकते हैं, यदि आपने पद 12 में इसका वर्णन नहीं किया है।

एस्तेर 2:13 (#3)

"जो कुछ चाहती" - "उसको दिया"

"जो कुछ" का सन्दर्भ संभवतः वस्त्रों और आभूषणों से है। इस वाक्यांश का अर्थ संभवतः यह है कि राजा के पास जाते समय युवती कुंवारियों के रनवास से जो कुछ भी धारण करना चाहती थी वह सब ले सकती थी। आप इसका वर्णन विस्तार सहित कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "युवती जब राजा के पास जाती थी तब वह धारण करने के लिए वस्त्र और आभूषण जो कुछ भी चाहती थी, कुंवारियों के रनवास से लेकर पहन सकती थी।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:13 (#4)

"जो कुछ चाहती" - "उसको दिया"

आप इसको कर्ता प्रधान रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो चाहती थी ले सकती थी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:13 (#5)

"राजभवन"

वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के कक्ष" या "राजा के भवन" या "राजा के महल"

एस्तेर 2:14 (#1)

"वह जाती"

वह स्वयं वहाँ नहीं जा सकती थी। राजा के सेवक आकर उसको राजा के निजी कक्ष में ले जाते थे जैसे उनको पद 1:11 में आज्ञा दी गयी थी कि रानी वशती को भोज में ले आएँ। यदि आपके पाठकों को वृत्तांत समझने में सहायता मिले तो आप इसका वर्णन विस्तारपूर्वक कर सकते हैं।

एस्तेर 2:14 (#2)

"सवेरे लौटकर" - "वह"

यह अन्तर्निहित है कि समय अगली सुबह का है। यह जानकारी स्पष्ट की जा सकती है। एक बार फिर से अभिप्राय वही है कि वह स्वयं नहीं जा सकती थी। वैकल्पिक अनुवाद: "अगले दिन सुबह राजा के सेवक उसको वहाँ लेकर आयेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:14 (#3)

"रनवास दूसरे"

वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्रियों के दूसरे आवास में" या "रखैलियों के रनवास में"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 2:14 (#4)

"रखेलों प्रबन्धक" - "खोजे शाशगज अधिकार में" - "राजा"

जहाँ राजा का सेवक, शाशगज रखैलियों का प्रभारी था। वह उसकी सुध रखेगा।

एस्तेर 2:14 (#5)

"रखेलों प्रबन्धक" - "खोजे शाशगज अधिकार में" - "राजा"

यहाँ **अधिकार** एक रूपक है, जिसका अर्थ सामर्थ्य, नियंत्रण, या अधिकार से है। ठीक वैसे ही जैसे हेगे कुंवारियों का प्रभारी था, शाशगज रखैलियों का प्रभारी था, अतः जब तक एस्तेर रखैलियों के रनवास में थी तब तक वही एस्तेर का उत्तरदायी था। वैकल्पिक अनुवाद: "शाशगज की निगरानी में"

देखें: रूपक

एस्तेर 2:14 (#6)

"शाशगज"

यह एक पुरुष का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:14 (#7)

"खोजे" - **"राजा"**

"देखें कि आपने 1:10 में इस शब्द, ""खोजे" का अनुवाद कैसे किया है। आप "राजा के" की अपेक्षा "राजसी" शब्द का उपयोग कर सकती हैं।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:14 (#8)

"रखेलों प्रबन्धक"

इसका अर्थ है कि शाशगज "रखैलियों की सुध रखने का उत्तरदायी अधिकारी था" या वह "रखैलियों का उत्तरदायी था।"

एस्तेर 2:14 (#9)

"रखेलों"

रखैल होने के कारण युवती राजा की अतिरिक्त पत्नी थी। वह आजीवन उस रनवास में ही रहेगी। वह अपने घर लौट जाने या किसी और से विवाह करने के लिए स्वतंत्र नहीं थी। यदि आपने 2:12 और 2:13 में वर्णन नहीं किया है तो आप इसका या इसके कुछ अंश का वर्णन यहाँ कर सकते हैं, यदि इससे आपके पाठकों को समझने में सहायता मिलती है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:14 (#10)

"जाकर" - **"राजा"** - **"पास फिर नहीं"**

"वैकल्पिक अनुवाद: "वह फिर राजा की उपस्थिति में नहीं जाएगी।"" पद 12 में, टिप्पणी की गयी थी कि "राजा के पास जाए" का अर्थ है "राजा के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाए।" परन्तु इस अभिव्यक्ति के लिए अधिक सामान्य उक्ति काम में लेना अधिक उचित होगा, जैसे, "राजा के सम्मुख उपस्थित होना," क्योंकि उसकी अग्रिम भेंट के अन्य सामाजिक कारण भी हो सकते हैं। वह स्त्री अब अतिरिक्त पत्नी है और राजा उसको बुला सकता था यदि वह सोचे कि उसके साथ होना आनंददायक है।"

एस्तेर 2:14 (#11)

"उससे प्रसन्न"

इसका अर्थ है कि "उसके साथ रहकर वह प्रसन्न था" या "उसने राजा को अत्यधिक प्रसन्न किया है।"

एस्तेर 2:14 (#12)

"नाम बुलाई"

आप इसका अनुवाद कर्म प्रधान वाक्य में कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "और राजा ने उसका नाम लेकर बुलाया" या "उसको नाम से बुलवाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:15 (#1)

"एस्तेर" - **"बारी आई"** - **"राजा पास जाए"**

पद 12–14 में स्त्रियों के बारे में कि वे राजा की रखैल बनने के पश्चात क्या करती हैं, उसकी पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी देने के बाद अब वृत्तांत पुनः आरम्भ होता है। एक विषमता का परिदृश्य तैयार किया जा रहा है। युवती जो भी वस्त्र और आभूषण चाहती थी रनवास से ले सकती थी, परन्तु एस्तेर ने केवल वही माँगा जिसके लिए हेगे ने उसको कहा था। अतः इस घटना का समावेश करने के लिए उचित होगा कि "परन्तु" जैसा शब्द काम में; लिया जाए जिसके द्वारा विषमता प्रकट हो।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

एस्तेर 2:15 (#2)

"मोर्दकै चाचा अबीहैल बेटी" - **"जिसको बेटी रखा था"** - **"उससे"**

यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी एस्तेर के साथ मौर्दकै के सम्बन्ध का वर्णन करते हुए पाठक को स्मरण कराएगी कि एस्तेर कौन है। आप इसको एक अलग वाक्य में लिख सकते हैं और पद के अग्रिम भाग में रख सकते हैं परन्तु पहले वाक्य का प्रवाह न टूटे जिसमें वर्णन किया गया है कि एस्तेर ने क्या किया।

देखें:

एस्तेर 2:15 (#3)

"अबीहैल"

यह पुरुष एस्तेर का पिता था और मौर्दकै का चाचा था।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:15 (#4)

"कि" - "जो कुछ" - "हेगे" - "अधिक उसने और कुछ न माँगा"

आप इसे सकारात्मक रूप प्रदान कर सकते हैं: "उसने केवल वही माँगा" वैकल्पिक अनुवाद: "...को छोड़ और कुछ नहीं माँगा"

देखें: दोहरे नकारात्मक

एस्तेर 2:15 (#5)

"जो कुछ" - "हेगे" - "उसने"

"जिसके लिए हेगे ने कहा था" या "हेगे ने जिसका सुझाव दिया था"

एस्तेर 2:15 (#6)

"जो कुछ" - "हेगे" - "उसने"

राजा का निजी सेवक होने के कारण हेगे जानता होगा कि क्षयर्ष को किसी स्त्री पर कैसे वस्त्र और कैसे आभूषण अच्छे लगते हैं। उसके परामर्श को मान कर एस्तेर ने सिद्ध कर दिया था कि वह हेगे पर भरोसा रखती थी। यह अन्तर्निहित जानकारी है, जिसका आप विस्तारपूर्वक वर्णन कर सकते हैं, यदि पाठक को इससे वृत्तांत की समझ में सहायता मिले। उदाहरणार्थ आप कह सकते हैं, "हेगे को राजा की पसंद की समझ थी, क्योंकि वह उसका निजी सेवक था। एस्तेर हेगे पर भरोसा करने लगी थी इसलिए उसने हेगे के सुझाव को माना।" यह पद के अंत में रखा जा सकता है या पादटिप्पणी में रखा जा सकता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:15 (#7)

"स्त्रियों प्रबन्धक राजा खोजे"

यहाँ कहा जा रहा है कि हेगे राजसी अधिकारी था जो कुंवारियों के रनवास का उत्तरदायी था। यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है, जो हेगे के उत्तरदायित्वों का वर्णन करके पाठक को स्मरण कराती है कि हेगे कौन था। आप इसको भी पद के अंत में रख सकते हैं और कोष्ठक लगा सकते हैं।

देखें:

एस्तेर 2:15 (#8)

"राजा खोजे"

देखें कि आपने 1:10 में "खोजे" शब्द का अनुवाद कैसे करने का निर्णय लिया था। "राजा के" इस उक्ति का अनुवाद आप "राजसी" शब्द के द्वारा कर सकते हैं।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:15 (#9)

"उसके" - "को देखा सब प्रसन्न"

यह इब्रानी में एक दुर्लभ अभिव्यक्ति है, और इसका यथार्थ अर्थ अनिश्चित है। इस प्रकरण में इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि राजा से भेंट करने के लिए जिन वस्त्रों को धारण करना था उनको जब एस्तेर ने पहना तो हर एक जन, जिसने उसको देखा, वह उसके रूप-रंग से अत्यधिक प्रभावित हुआ था। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने उसको देखा, उन सबको वह भा गई"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:15 (#10)

"को"

यहाँ **देखा** देखने का लक्षणालन्कार है और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना या आंकने के लिए एक रूपक है। इस प्रकरण में, इस वाक्यांश का संभावित अर्थ है कि हर एक जन जिसने एस्तेर को देखा यही सोचा कि वह या तो एक आकर्षक स्त्री है या एक मनभावनी व्यक्तित्व है या फिर दोनों है। वैकल्पिक अनुवाद: "के मूल्यांकन में" (दखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])

देखें: रूपक

एस्तेर 2:15 (#11)

"देखा सब"

इसका अर्थ हो सकता है, प्रत्येक पुरुष या प्रत्येक जन जिसने उसको देखा। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक पुरुष जिसने उसको देखा"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

एस्तेर 2:16 (#1)

"एस्तेर" - "पहुँचाई"

"आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान वाक्य में कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "राजा के सेवक एस्तेर को लेकर आए।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:16 (#2)

"राजभवन" - "पास"

इस भाववाचक संज्ञा, **राजसी** का अनुवाद आप विशेषण द्वारा भी कर सकते हैं। उदाहरणार्थ, "उसके राज भवन में"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 2:16 (#3)

"दसवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "दसवें महीने में"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 2:16 (#4)

"तेबेत नामक" - "महीने"

तेबेत इब्रानी कैलेंडर के दसवें महीने का नाम है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तेबेत का महीना है।"

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 2:16 (#5)

"तेबेत" - "महीने"

यह वृत्तांत फारसी राज दरबार के परिप्रेक्ष्य में लिखा गया था। परन्तु इसके अभिप्रेत पाठकों के लाभ के निमित्त इस महीने का नाम इब्रानी में दिया गया है।

एस्तेर 2:16 (#6)

"तेबेत" - "महीने"

आप इन इब्रानी दिनों और महीनों को अपने कैलेंडर के तुल्य बदल सकते हैं। परन्तु इब्रानी चाँद के आधार पर दिन गिनते थे, अतः यदि आप सूर्य के आधार पर दिन गिनेंगे तो प्रतिवर्ष दिनों में अंतर आ जाएगा और अनुवाद सर्वथा सटीक नहीं होगा। अतः इब्रानी दिन और महीने देना ही उचित होगा।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:16 (#7)

"राज्य सातवें वर्ष"

वैकल्पिक अनुवाद: "फारस के राजा क्षयर्ष के शासन के सातवें वर्ष में"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 2:17 (#1)

"राजा एस्तेर और सब स्त्रियों अधिक प्यार किया सब कुँवारियों अनुग्रह कृपा दृष्टि"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ लगभग एक ही है। लेशमात्र अंतर के साथ एक ही जानकारी दो बार दी गई है कि एस्तेर को रानी बनाने के क्षयर्ष के पूर्ण आश्वासन पर बल दिया जाए। "अन्य सब कुंवारियों से अधिक" मूल रूप से अन्य सब "अन्य सब स्त्रियों से अधिक" के अर्थ की ही समानार्थक उक्ति है। यदि आपकी भाषा में इन समानार्थक उक्तियों से उलझन उत्पन्न हो तो आवश्यक नहीं कि आप इन दोनों का उपयोग करें। इसकी अपेक्षा आप कह सकते हैं, "उन सबसे अधिक" या दूसरी उक्ति को काम में ले सकते हैं। (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/figs-समांतरता]])

देखें: समांतरता

एस्तेर 2:17 (#2)

"सब स्त्रियों"

इसका अर्थ है कि अन्य सब स्त्रियाँ जिनको राजा के पास लाया गया था और वे सब उसकी रखैल बनीं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:17 (#3)

"अधिक" - **"अनुग्रह कृपा दृष्टि"**

यह अभिव्यक्ति इब्रानी भाषा में दुर्लभ है और इसका निश्चित अर्थ भी अज्ञात् है। देखें कि आपने इसी वाक्यांश का अनुवाद 2:9 और 2:15 में कैसे किया है। यदि सहायता मिले तो व्याख्या का पुनरावलोकन भी करें। इस प्रकरण में, अर्थ यह हो सकता है कि राजा क्षयर्ष एस्तेर के रूप-रंग और व्यक्तित्व से अत्यधिक प्रभावित हुआ था।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:17 (#4)

"अधिक" - **"अनुग्रह कृपा दृष्टि"**

अनुग्रह और **कृपा** का अर्थ एक ही है और संयोजित उपयोग का उद्देश्य है कि एक ही विचार को बल दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उससे अत्यधिक प्रसन्न हुआ।"

देखें: युग्म

एस्तेर 2:17 (#5)

"दृष्टि"

यहाँ **दृष्टि** लाक्षणिक उपयोग है, जिसका अभिप्राय मनुष्य की उपस्थिति से है।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 2:17 (#6)

"उसने सिर राजमुकुट"

क्षयर्ष ने यह सब इसलिए किया कि सब पर प्रकट हो कि वह एस्तेर को अपनी रानी बना रहा था। ([[rc://hi/ta/man/translate/translate-symaction]])

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 2:17 (#7)

"राजमुकुट"

"भाववाचक संज्ञा शब्द ""राजसी"" के अनुवाद में आप विशेषण शब्द काम में ले सकते हैं। उदाहरणार्थ, "राजसी मुकुट।"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 2:18 (#1)

"राजा" - **"बड़ा भोज दिया"**

"राजा ने एस्तेर के रानी बन जाने का हर्ष मनाने के लिए ऐसा किया था। आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "तब राजा ने उसके रानी बन जाने के उपलक्ष में एक विशाल भोज का आयोजन किया।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:18 (#2)

"एस्तेर भोज"

आप अपने पाठकों के लिए स्पष्ट कर सकते हैं कि भोज को यह नाम क्षयर्ष ने दिया था, उदाहरण के लिए, "उसने इसको एस्तेर का भोज कहा"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:18 (#3)

"प्रान्तों में छुट्टी दिलाई"

यह संभवतः "कर अवकाश" था, अर्थात, कर की छूट। कुछ समय के लिए, प्रान्तों को राज कोष में अनिवार्य कर पहुँचाने की आवश्यकता नहीं थी। आप कुछ ऐसा कह सकते हैं, उसने अपने साम्राज्य के सब प्रान्तों के लिए अस्थायी रूप से कर विराम की घोषणा की।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:18 (#4)

"अपनी उदारता"

हाथ एक लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ करने या देने की क्रिया से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष ने भोज में आए हुए अतिथियों को दिल खोल कर दान दिए। आप इस प्रकार कुछ कह सकते हैं, "राजसी उदारता से" या "देने की बड़ी स्वैच्छा से" या "ऐसी उदारता से जिससे राजा ही दे सकता है।"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 2:19 (#1)

"कुँवारियाँ दूसरी इकट्ठी"

"क्योंकि यह घटना एस्तेर के भोज के कुछ समय बाद की है, आप यहाँ संयोजक उक्ति काम में ले सकते हैं जैसे, "कुछ समय पश्चात।""

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय संबंध

एस्तेर 2:19 (#2)

"कुँवारियाँ दूसरी इकट्ठी"

"इसकी अति संभावित व्याख्या है कि क्षयर्ष ने निर्णय लिया कि वह और अधिक रखैलियों को रखना चाहता है। यदि आपके पाठकों को वृत्तांत समझने में सहायता मिले तो आप इसका वर्णन विस्तार में कर सकते हैं। संभवतः उसके विचार में ज्यादा रखैलियों को रखना भी एक बात थी जो उसकी महानता का प्रदर्शन करेगी। ऐसा करने के लिए आप यहाँ जोड़ सकते है, "क्योंकि क्षयर्ष ने निर्णय लिया कि वह और अधिक रखैलियों को रखना चाहता है।"" (देखें [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:19 (#3)

"कुँवारियाँ दूसरी इकट्ठी"

आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान वाक्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं, उदाहरणार्थ, "उस समय जब राजा के अधिकारी दूसरी बार कुंवारियों को एकत्र कर रहे थे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:19 (#4)

"कुँवारियाँ दूसरी इकट्ठी मोर्दकै"

इससे संकेत मिलता है कि मौर्दकै के बारे में जानकारी वर्णन करती है कि वह इसी समय क्या कर रहा था। आप ऐसी उक्ति काम में ले सकते है जैसे, "इसी समय" ताकि इसका संकेत मिले।

देखें: जोड़ें — समकालिक समय संबंध

एस्तेर 2:19 (#5)

"मोर्दकै राजभवन फाटक बैठा"

संभावित अर्थ हैं: (1) \n**राजभवन के फाटक में** एक वाक्य पद्धति है जिसका अर्थ है कि मौर्दकै किसी न किसी क्षमता में राजा के लिए कार्य करता था और उसको फाटक पर नियुक्त किया गया था।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:19 (#6)

"राजभवन फाटक"

""राजभवन का फाटक" या ""राजा के महल का फाटक""

एस्तेर 2:20 (#1)

"जाति और कुल"

इन दो लघु वाक्यांशों का अर्थ लगभग एक ही है। इन दोंनों का उपयोग इसलिए किया गया है कि एस्तेर द्वारा मौर्दकै के निर्देशों का यथावत पालन करने पर बल दिया जाए। यूएसटी के सदृश्य आप भी इन्हें संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके परिजन कौन थे या कि वह यहूदी थी"

देखें: युग्म

एस्तेर 2:20 (#2)

"मोर्दकै ऐसी आज्ञा" - **"मानती"**

वैकल्पिक अनुवाद: "ठीक वैसे ही जैसे मौर्दकै ने उसको निर्देश दिया था" या "जैसी मौर्दकै ने उससे प्रतिज्ञा करवाई थी।" वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मौर्दकै ने उसको चेतावनी दी थी कि किसी से न कहे"

एस्तेर 2:21 (#1)

"उन्हीं दिनों में"

पद 20 में पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी देने के बाद अब वृत्तांत पुनः आरम्भ होता है। अपनी भाषा में भी उसी प्रकार प्रस्तुत करें जिस प्रकार पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी देने के बाद आप अपने वृत्तांत का पुनः आरम्भ करते हैं, कोई संयोजक उपवाक्य काम में लेने के द्वारा, जैसे, "उस समय"

एस्तेर 2:21 (#2)

"मोर्दकै राजा फाटक बैठा"

वृत्तांत में अन्तर्निहित है कि वे दो पुरुष जिनके नाम आगे दिए गए हैं, परस्पर बातें कर रहे थे। यदि आपके पाठकों को वृत्तांत के इस भाग को समझने में सहायता मिले तो आप इसको विस्तारपूर्वक व्यक्त कर सकते हैं, ऐसा करने के लिए आपको जोड़ना होगा: "उसने दो पुरुषों को बातें करते सुना।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 2:21 (#3)

"राजा फाटक बैठा"

जैसा पद 19 में मिलता है, यह संभवतः बोलने का ढंग है, जिसका अर्थ है कि मौर्दकै राजा के लिए किसी न किसी क्षमता में कार्यरत था और उसकी नियुक्ति फाटक पर थी जहाँ अधिकारी महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए एकत्र होते थे।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:21 (#4)

"बिगताना तेरेश"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 2:21 (#5)

"राजा खोजे" - **"दो"**

"देखें कि आपने 1:10 में **राजा के लिए** कैसा अनुवाद किया है, आप कह सकते है, "राजसी।""

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:21 (#6)

"द्वारपाल"

"इस परिदृश्य में पुरुष किसी एक रनवास के संतरी नहीं हैं अपितु वे राजा के निजी कक्षों के संतरी हैं। आप कह सकते है कि वे "राजा के निजी कक्षों पर द्वारपाल थे" या "राजा के निजी कक्षों के द्वारों की सुरक्षा करते थे।""""

एस्तेर 2:21 (#7)

"जो"

यहाँ **युक्ति** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ कुछ करने के सक्रिय प्रयास से है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे षड्यंत्र रच रहे थे" या "वे किसी उपाय की खोज में थे"

देखें: रूपक

एस्तेर 2:21 (#8)

"करता" - **"हाथ चलाने"**

यहाँ "हाथ चलाने" का अर्थ हत्या करने के अभिप्राय से किसी की शारीरिक हानि करना पहुँचाने से है। आप कह सकते हैं कि "वे उसकी हत्या करने का षड्यंत्र रच रहे थे"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:22 (#1)

"यह बात मोर्दकै मालूम"

आप इसका अनुवाद कर्म प्रधान रूप में भी कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, "मौर्दकै को भनक लग गई कि वे क्या योजना बना रहे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:22 (#2)

"एस्तेर रानी बताई"

इसका अर्थ है कि उसने किसी प्रकार रानी एस्तेर को इसकी जानकारी दे दी।

एस्तेर 2:22 (#3)

"मोर्दकै नाम"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि एस्तेर ने मौर्दकै की ओर से राजा क्षयर्ष तक यह जानकारी पहुँचा दी या उसने राजा को सूचित किया कि यह जानकारी मौर्दकै से प्राप्त हुई है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:23 (#1)

"जाँच पड़ताल यह बात सच निकली दोनों वृक्ष पर लटका"

इस पद में वर्णन किया गया है कि एस्तेर द्वारा राजा को दी गई जानकारी का परिणाम क्या हुआ। इसका संकेत देने के लिए आप "तब" जैसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय संबंध

एस्तेर 2:23 (#2)

"जाँच पड़ताल यह बात सच निकली"

"आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान रूप में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं,उदाहरणार्थ, "तदोपरांत राजा के कर्मचारियों ने मौर्दकै द्वारा दी गई जानकारी की छान-बीन की और पाया कि वह सच है।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:23 (#3)

"दोनों वृक्ष पर लटका"

आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान वाक्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि वे उन दोनों पुरुषों को लकड़ी के खम्भों पर सूली चढ़ा दें" या "राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि उन दोनों पुरुषों को फांसी के फंदों में लटका दें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:23 (#4)

"वृक्ष पर"

यहाँ **वृक्ष** का अर्थ एक जीवन्त वृक्ष या वृक्ष से बनाई गई कोई भी वस्तु अर्थात लकड़ियों से बना हुआ किसी भी प्रकार का खंभा या लकड़ी की रचना हो सकती है, जो किसी को भूमि से ऊपर लटकाने के काम में आए। यह मनुष्य को मारने या मृतक मनुष्य के शव को अवलोकन के लिए लटकाने हेतु एक साधन था। इसका अर्थ हो सकता है: (1) उनके गले में रस्सी डालकर लटकाने के द्वारा, \nया (2) उनको उस पर सूली स्वरूप लटकाने के द्वारा अर्थात खम्भे के एक नुकीले सिरे को उनकी देहों में छेद कर। अतः आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं, "लकड़ी का खंभा" या "फांसी का फंदा।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 2:23 (#5)

"लिख लिया"

"आप इसको कर्ता प्रधान वाक्य में अनुवाद कर सकते है और कह सकते हैं कि काम किसने किया, उदाहरणार्थ, "राजा के लिपिकों ने इसका ब्योरा लिख लिया।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 2:23 (#6)

"वृत्तान्त राजा के सामने इतिहास की पुस्तक में"

यह एक मुहावरा है जो किसी राजा के राज में नियमित लेखे का बोध कराती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अभिलेख की पुस्तक में"।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 2:23 (#7)

"राजा सामने"

"**सामने** एक लाक्षणिक उपयोग है, जिसका अर्थ मनुष्य की उपस्थिति से है। इस वाक्यांश का अर्थ यह है कि लिपिकों ने यह ब्योरा तब लिखा था जब राजा क्षयर्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित था। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा देख रहा था कि लिपिक उसको लिख रहा है।""

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर - अध्याय 3 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

हामान यहूदियों के विरुद्ध षड्यंत्र रचता है

मोर्दकै को हामान के सामने दण्डवत करने के लिए कहा गया था। इसे आराधना माना जाता था। परन्तु एक यहूदी के लिए, यहोवा के अलावा किसी और की आराधना करना अनुचित था। इस कारण, उसने ऐसा करने से मना कर दिया। इससे हामान क्रोधित हो गया, इसलिए उसने फारसी साम्राज्य में सभी यहूदियों को मारने का निर्णय लिया। हामान अगाग का वंशज था, जो अमालेकी लोगों का राजा था। अमालेकी निर्गमन के समय से यहूदियों के शत्रु थे (निर्ग 17:8–16)। मूसा ने लोगों से कहा कि उन्हें उन लोगों को नाश करना होगा (व्य.वि. 25:17–19), और बाद में परमेश्वर ने शाऊल को उन्हें

नष्ट करने का आदेश दिया (1 शमू 15:2–3)। शमूएल ने राजा अगाग को मार डाला (1 शमू 15:33), परन्तु अमालेकी कभी पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए (1 शमू 30:17)। मोर्दकै और हामान दोनों शायद इस बात से भली-भांति परिचित थे कि उनके लोग शत्रु थे।

एस्तेर 3:1 (#1)

"इन बातों बाद"

अब वृत्तांत में एक नई घटना का समावेश किया जा रहा है। आपकी भाषा में एक नई घटना के समावेश के लिए जो संयोजक उक्ति है उसका यहाँ प्रयोग करें।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 3:1 (#2)

"इन बातों बाद"

यह घटना एस्तेर के रानी बन जाने के कुछ समय बाद की है। इसको स्पष्ट करने के लिए आप एक संयोजक वाक्यांश काम में ले सकते है जैसे, "कुछ समय बाद।"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय संबंध

एस्तेर 3:1 (#3)

"हामान"

यह एक पुरुष का नाम है। इस वृत्तांत में यह नाम कई बार आता है। इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय रखने हेतु ध्यान रखें। (देखें [[rc://hi/ta/man/translate/translate-names]])

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 3:1 (#4)

"अगागी हम्मदाता पुत्र"

ये सब हामान के पिता और उसकी जाति के हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 3:1 (#5)

"क्षयर्ष" - "हामान को उच्च"

इसका अर्थ है कि क्षयर्ष ने हामान को ऊपर उठाया था। वृत्तांत में यह तो स्पष्ट निहित है कि हामान पहले से ही क्षयर्ष का एक अधिकारी था परंतु अब उसकी पदोन्नत्ति हो गई थी। आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:1 (#6)

"और महत्व लिये" - "हाकिमों" - "सिंहासन ठहराया"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक ही है। इनके संयोजित उपयोग का तात्पर्य है कि राजा द्वारा हामान के उन्नत अधिकार पर बल दिया जाए। आप इन दोनों को संयोजित करके ऐसा कुछ कह सकते हैं, "राजा ने हामान को अत्यधिक ऊँचा पद प्रदान किया जो उसके सब अधिकारियों के ऊपर था।"

देखें: युग्म

एस्तेर 3:1 (#7)

"महत्व"

यहाँ **उच्च पद दिया** एक रूपक है जिसका अर्थ मनुष्य को उसके वर्तमान पद से "उन्नति" प्रदान करके या "ऊपर" उठा कर ऊँचा, अधिक महत्व का स्थान देना है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने उसको अधिक महत्व का पद दिया"

देखें: बाइबिल की चित्रण — Human Behavior

एस्तेर 3:1 (#8)

"सिंहासन"

यहाँ **ऊँचा सिंहासन** का अर्थ फारसी सत्ता में हामान की प्रतिष्ठा से है। (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/figs-मुहावरा]])

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:1 (#9)

"सिंहासन"

आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, "महत्व" का अनुवाद एक मूर्त संज्ञा शब्द से कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "उसका पद"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 3:1 (#10)

"लिये उसके हाकिमों से"

उसको का सन्दर्भ राजा से है। आप कह सकते हैं कि "राजा ने उसको सबसे उंचा पद प्रदान किया" या "उसको अन्य सब अधिकारियों से अधिक अधिकार प्रदान किया" या "हामान उसके अन्य सब अधिकारियों से अधिक महत्वपूर्ण हो गया।"

एस्तेर 3:2 (#1)

"राजा के सब कर्मचारी जो राजभवन"

यह शायद उन खास अधिकारियों के समूह का उल्लेख है जो फाटक पर तैनात थे, जैसे मोर्दकै थे। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी शाही अधिकारी जो महल के फाटक पर तैनात थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

एस्तेर 3:2 (#2)

"राजा सब कर्मचारी" - "हामान झुककर दण्डवत्"

उन सेवकों कि लिए अनिवार्य था कि जब-जब हामान वहाँ से निकले तब-तब वे उसके सम्मान में ऐसा करें। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका अनुवाद विस्तार से कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:2 (#3)

"झुककर दण्डवत्"

इसका अर्थ है कि अन्य अधिकारी दीनतापूर्वक हामान के सामने साष्टांग प्रणाम करते थे। ऐसी भावभंगिमा हामान को फारसी सरकार में दिए गए सर्वोच्च पद की मान्यता एवं सम्मान का प्रतीक थी।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 3:2 (#4)

"झुककर दण्डवत्"

"इन दोनों वाक्यांशों का मूल अर्थ एक ही है। इन दोनों को एक के बाद एक रखने का उद्देश्य है कि इस तथ्य पर बल दिया जाए कि राजा की आज्ञा मानकर हामान का इस प्रकार सम्मान करना कैसा महत्वपूर्ण था। आप इनको यूएसटी के सदृश्य संयोजित कर सकते हैं और इस प्रकार कह सकते हैं, झुक कर धरती पर लेट जाते थे।"" वैकल्पिक अनुवाद: "झुक कर और धरती पर लेट कर"

देखें: युग्म

एस्तेर 3:2 (#5)

"दण्डवत्"

इसका अर्थ है कि पूरा का पूरा धरती पर लेट जाना।

एस्तेर 3:2 (#6)

""क्योंकि" - "ही"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इस जानकारी को पद में पहले रख सकते हैं, क्योंकि इसमें कारण दिया गया है कि सब अधिकारी हामान को दंडवत क्यों कर रहे थे। देखें यूएसटी।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 3:2 (#7)

""क्योंकि" - "ही"

"राजा ने हामान के नए पद के लिए ऐसा किया था। आप इसका उल्लेख यहाँ कर सकते हैं या एक नए वाक्य में कर सकते है, जैसा यूएसटी में मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने ऐसा करने कि आज्ञा दी कि उसके द्वारा हामान को ऐसा ऊँचा पद प्रदान करने का प्रकटीकरण हो।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:2 (#8)

"मोर्दकै न झुकता न" - "दण्डवत्"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल रूप में अर्थ एक ही है। इनका दोहराया जाना इस बात पर बल देता है कि राजा की आज्ञा का उल्लंघन कैसा गंभीर अपराध था और मौर्दकै को अटल रहने में कैसा दृढ़ संकल्प बनाए रखना था। यूएसटी के सदृश्य आप भी इन वाक्यांशों को संयोजित कर सकते हैं और कह सकते हैं, "परन्तु मौर्दकै ने हामान को दंडवत करना स्वीकार नहीं किया।" वैकक्लिपक अनुवाद: "मौर्दकै न तो झुका और न ही उसने साष्टांग प्रणाम किया।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 3:2 (#9)

"मोर्दकै न झुकता न" - "दण्डवत्"

ऐसा प्रतीत होता है कि यहूदी होने के कारण मौर्दकै यहोवा को छोड़ किसी और को दंडवत करना अनुचित मानता था। इस कारण हामान के सम्मान में उसको साष्टांग प्रणाम करने का अर्थ उसके लिए था, हामान की उपासना करना। अतः धर्म के आधार पर उसने साष्टांग प्रणाम करने से इनकार कर दिया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद विस्तारपूर्वक कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:3 (#1)

"राजा कर्मचारी जो राजभवन फाटक"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद पद 2 के आरम्भ में कैसे किया है।

एस्तेर 3:3 (#2)

"मोर्दकै पूछा"

"उन्होंने मौर्दकै से पूछा क्योंकि उन्होंने देखा था कि वह झुकता नहीं है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप संविस्तार वर्णन कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "अन्य अधिकारियों ने यह देखा तो मौर्दकै से पूछा।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:3 (#3)

"तू राजा आज्ञा का क्यों उल्लंघन"

"तू राजा की आज्ञा का उल्लंघन क्यों करता है?" या "तू राजा की आज्ञा का पालन क्यों नहीं करता है?"

एस्तेर 3:4 (#1)

"कहते और"

इसका अर्थ है कि उन्होंने उसके द्वारा दंडवत न किए जाने के बारे में उससे पूछा। विशेष करके उन्होंने उसको चेतावनी दी कि यदि वह उसके सर्वोच्च अधिकारी का सम्मान नहीं करेगा और राजा की आज्ञा की अवज्ञा करता रहेगा तो कठोर दंड पाएगा। आप इसको विस्तार सहित कह सकते हैं, यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:4 (#2)

"प्रतिदिन"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रतिदिन"" से है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:4 (#3)

"ऐसा ही कहते और एक न मानी" - "दिया"

उसने उनकी एक न मानी अर्थात "उसने उनकी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया" या "उसने उनके कहने के अनुसार नहीं किया।" मौर्दकै सुनता तो था परन्तु उनके सुझाव को नहीं मानता था। इसका अर्थ है कि, यद्यपि अन्य अधिकारी उससे प्रश्न करते थे और संभवतः चेतावनी भी देते थे, उसने फिर भी दंडवत करना स्वीकार नहीं किया।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:4 (#4)

"देखने मोर्दकै यह बात चलेगी" - "हामान" - "बता दिया"

इस प्रकरण में, **चलेगी** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ चुनौती का सामना करना और "बात" का अर्थ मौर्दकै द्वारा अपने कृत्यों का कारण बताना से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि अन्य अधिकारियों ने "इस बात की चर्चा हामान से की कि देखें वह सहन करेगा या नहीं।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:4 (#5)

"कि" - "को" - "उनको बता" - "कि यहूदी"

"यह मौर्दकै का उत्तर है जो उसने अन्य अधिकारियों को दिया था जब उन्होंने उससे पूछा कि वह हामान को साष्टांग प्रणाम क्यों नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको पद में पहले रख सकते हैं, क्योंकि इसके द्वारा पहले से ही घटनाओं का वर्णन होता है। "मौर्दकै ने उनसे कह दिया था कि वह यहूदी है और यहूदी केवल परमेश्वर को ही दंडवत करते हैं।""

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 3:4 (#6)

"कि" - "को" - "उनको बता" - "कि यहूदी"

मौर्दकै के स्पष्टीकरण में यह तथ्य समाहित होगा कि यहूदी केवल यहोवा की उपासना करते हैं। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:5 (#1)

"हामान देखा कि"

यहाँ **देखा** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ होता ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना, या आंकना से है। इस शब्द का अर्थ है कि हामान को समझ में आ गया।

देखें: रूपक

एस्तेर 3:5 (#2)

"मोर्दकै नहीं झुकता" - "न दण्डवत्"

"इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूल रूप से एक ही है। इन दोनों के संयुक्त उपयोग का उद्देश्य यह दर्शाना है कि यह कैसा गंभीर अपराध था। आप इन दोनों को संयोजित कर सकते है, जैसा यूएसटी में है और कह सकते हैं, "मौर्दकै उसके सामने झुकने से इनकार करता था।"" वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै झुकेगा नहीं या साष्टांग प्रणाम नहीं करेगा।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 3:5 (#3)

"हामान क्रोधित"

यहाँ हामान के क्रोध को इस प्रकार व्यक्त किया गया है कि जैसे वह उसमें भर गया था। आप कह सकते हैं कि वह"आग बबूला हो गया" या "अत्याधिक क्रोधित हो गया।"

देखें: रूपक

एस्तेर 3:6 (#1)

"पर" - "मर्यादा से कम"

आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान वाक्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान ने सोचा कि इतना ही पर्याप्त नहीं है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:6 (#2)

"पर" - "मर्यादा से कम"

संभव है कि अत्याधिक क्रोध के कारण हामान ने इस सीमा तक जाने का निर्णय लिया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:6 (#3)

"मर्यादा से कम"

मर्यादा से काम इस प्रकरण में इसका अर्थ घृणा नहीं, "हीन समझना" या यह "मानना है कि कोई बात बहुत छोटी है। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि हामान ने निर्णय लिया कि केवल मौर्दकै की हत्या करना ही पर्याप्त नहीं है।

एस्तेर 3:6 (#4)

"पर"

आँखों का अभिप्राय "देखने" से है और इस स्थिति में "देखने" के अलंकृत उपयोग का अर्थ निर्णय लेने से है। इस वाक्यांश का अर्थ "हामान के निर्णय में" में पाया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने जो समझा।"

देखें: रूपक

एस्तेर 3:6 (#5)

"केवल मोर्दकै" - "हाथ उठाना"

वैकल्पिक अनुवाद: "उसने केवल मौर्दकै की हत्या करने का विचार त्याग दिया" या "उसने मौर्दकै से भी अधिक नरसंहार का निर्णय लिया" या "उसने निर्णय लिया कि केवल मौर्दकै से मुक्ति पाना ही पर्याप्त नहीं है।"

एस्तेर 3:6 (#6)

"हाथ उठाना"

जैसा 2:21 में अभिव्यक्ति मिलती है, "हाथ चलाने" अर्थात किसी की हत्या करने की मंशा से शारीरिक हानि पहुँचाना है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:6 (#7)

"क्योंकि को बता दिया मोर्दकै" - **"जाति"**

उन्होंने अर्थात् अन्य राजसी अधिकारी। **उसने** अर्थात हामान। "मौर्दकै की जाति" अर्थात यहूदी। मौर्दकै ने इन अधिकारियों से कह दिया था कि वह हामान के सामने नहीं झुकेगा क्योंकि यहूदी केवल एक ही परमेश्वर की उपासना करते हैं। इसका अर्थ है कि अन्य अधिकारियों ने हामान से कहा कि मौर्दकै उसके सामने नहीं झुकेगा क्योंकि वह एक यहूदी है।

एस्तेर 3:6 (#8)

"हामान" - **"जानकर विनाश"**

यहाँ **युक्ति निकाली** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ कुछ करने का प्रयास करने से है। इस प्रकरण में, इसका अर्थ "हामान ने निर्णय लिया" से है ताकि वह सब यहूदियों को मार डालने का प्रयास करे।

देखें: रूपक

एस्तेर 3:6 (#9)

"क्षयर्ष साम्राज्य में"

इसका अर्थ है कि क्षयर्ष के सम्पूर्ण साम्राज्य में जिस पर वह शासन करता था।

एस्तेर 3:6 (#10)

"यहूदियों" - **"मोर्दकै जाति"**

ये दोनों वाक्यांश एक ही जाति के सन्दर्भ में हैं। इन दोनों का एक साथ उपयोग दर्शाता है कि उनके सम्पूर्ण अस्तित्व को कैसा ख़तरा था। आप इन दोनों को यूएसटी के सदृश्य संयोजित कर सकते हैं और कुछ इस प्रकार कह सकते हैं, "सब यहूदी।" वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै के लोग, सब यहूदी"

देखें: युग्म

एस्तेर 3:7 (#1)

"पहले"

"पहले महीने में"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 3:7 (#2)

"नीसान नामक" - **"महीने"**

"नीसान" इब्रानी कैलेंडर का पहला महीना था।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 3:7 (#3)

"नीसान" - **"महीने"**

जैसा कि 2:16 में मिलता है, आप अपनी संस्कृति के कैलेंडर के अनुसार इस इब्रानी महीने को बदल सकते हैं। तथापि, यहूदी चाँद के अनुसार दिन गिनते थे और आप सूर्य के अनुसार दिन गिनेंगे तो तिथियों में प्रति वर्ष अंतर आएगा और अनुवाद सटीक नहीं होगा। अतः उचित होगा कि आप इब्रानी महीने को ही रखें।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 3:7 (#4)

"राजा क्षयर्ष बारहवें वर्ष"

वैकल्पिक अनुवाद: "फारस के राजा क्षयर्ष के शासन के बारहवें वर्ष में" या "जब राजा क्षयर्ष बारह वर्ष राज कर चुका"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 3:7 (#5)

"पूर अर्थात् चिट्ठी" - **"डलवाई"**

वृत्तांतकार इब्रानी और फारसी नाम दोनों दे रहा है, क्योंकि यह पूरीम के पर्व के पीछे कहानी मिलती है। इस पर्व का नाम ही "पूर" से निकला है। अतः यह बल देने हेतु दुहराव नहीं है। आप फारसी नाम दे सकते हैं और अपनी भाषा में "चिट्ठी" का नाम भी दे सकते हैं, इसे ही प्रकट करने को कि वृतान्तकार ऐसा कर रहा है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 3:7 (#6)

"चिट्ठी"

"चिट्ठी" वास्तव में एक वस्तु थी जिसके हर एक ओर चिन्ह होते थे, अति संभव है कि उसको धरती पर डाला जाता था कि किसी काम को करने के लिए निश्चित समय ज्ञात् किया जाए। उनका मानना था कि परमेश्वर या देवता उसके गिरने को नियंत्रित करते थे कि चयन प्रक्रिया में अगुवाई करें और कार्य का पक्ष लें, यदि वह काम चयनित समय पर किया जाए।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 3:7 (#7)

"पूर" - **"डलवाई"**

आप इसको कर्ता प्रधान वाक्य में रख सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं, उदाहरणार्थ, "हामान ने अपने सेवकों से पूर डलवाई"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:7 (#8)

"पूर" - **"डलवाई"**

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इस जानकारी को पहले दे सकते हैं, क्योंकि अब इस पद में आगे क्या होगा उसका इसमें वर्णन किया गया है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 3:7 (#9)

"हामान" - **"सामने"**

यहाँ **सामने** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ मनुष्य की उपस्थिति से है। इस प्रकरण में, इसका अर्थ यह है कि जब चिट्ठी डाली गयी थी तब हामान व्यक्तिगत रूप से उपस्थित था। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान के देखते हुए"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 3:7 (#10)

"महीने तक दिन" - **"लिये"**

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि महीने के निश्चित दिन और वर्ष के निश्चित महीने को चुनने के लिए।

एस्तेर 3:7 (#11)

"महीने तक दिन" - **"लिये"**

"हामान चिट्ठी डाल रहा था कि यहूदियों के संहार का सर्वोत्तम दिन और सर्वोत्तम महीना ज्ञात किया जाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों के संहार का सर्वोत्तम दिन और सर्वोत्तम महीना ज्ञात् करने के लिए।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:7 (#12)

"अदार नामक बारहवें" - **"महीने के"**

"अदार" इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अंतिम महीना था। इस वृत्तांत में यह नाम अनेक बार आता है। इसका अपरिवर्तनीय अनुवाद करने की सावधानी रखें।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 3:7 (#13)

"अदार नामक बारहवें" - **"महीने के"**

देखें कि आपने 2:16 और इस पद के प्रथम भाग में उन तिथियों का अनुवाद करने के लिए क्या निर्णय लिया है जो एस्तेर की पुस्तक में वर्णित हैं।

एस्तेर 3:7 (#14)

"अदार नामक बारहवें" - **"महीने के"**

"इसका अर्थ है कि चिट्ठी उस वर्ष के बारहवें महीने की निकली कि हामान अपनी योजना को साकार करे। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। (जो दिन निकला उसका उल्लेख पद 13 में किया गया है।) वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों के संहार का सर्वोत्तम महीना चिट्ठी में बारहवाँ महीना, अदार का महीना निकला।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:7 (#15)

"बारहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "बारहवाँ महीना" या "महीना बारहवाँ"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 3:8 (#1)

"हामान राजा क्षयर्ष कहा"

कहने का अभिप्राय है कि हामान तब राजा के पास गया कि उससे विचार-विमर्श करे। आप विस्तार के साथ इसका वर्णन कर सकते हैं। अपने पाठकों को ऐसा संकेत न दें कि जब हामान चिट्ठी डाल रहा था तब राजा वहाँ हामान के साथ उपस्थित था।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:8 (#2)

"लोगों" - "एक" - "है"

शब्द **वह** राजा के सन्दर्भ में है, और **एक जाति** सम्पूर्ण यहूदी समुदाय के लिए है। अतः इसका अर्थ "एक जाति है" या "एक समुदाय है"

देखें: संख्या

एस्तेर 3:8 (#3)

"तितर-बितर छिटकी"

इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है। हामान एक ही बात को दो बार कह कर इस बात पर बल देना चाहता है कि यहूदी सम्पूर्ण साम्राज्य में फैले हुए हैं और उनका प्रभाव, उसके विचार में बुरा है, जिसका कुप्रभाव हर एक जन पर पड़ेगा। आप यूएसटी जैसे इन्हें संयोजित कर सकते हैं।

देखें: युग्म

एस्तेर 3:8 (#4)

"राज्य सब प्रान्तों" - "मध्य" - "जाति"

हामान कह रहा है कि यहूदी सब लोगों में मिलजुल गए हैं और हर एक प्रान्त में रहते हैं।

एस्तेर 3:8 (#5)

"नियम सब लोगों भिन्न और" - "कानून नहीं चलते" - "राजा"

हामान कहा रहा है कि यहूदियों की अपनी ही नियमावली है और वह उन पर दोष लगाता है कि उसके प्रणाम स्वरूप वे राजा की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं।

एस्तेर 3:8 (#6)

"नियम" - "राजा"

"हामान राजा को अन्य व्यक्ति में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। आप इसका अनुवाद कर सकते है, "तेरे नियमों का।"" या आप इस सम्मान को दोहरे रूप में व्यक्त कर सकते हैं कि हामान कहा रहा हो, "हे महामहिन्।""

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 3:8 (#7)

"राजा" - "रहने देना" - "लाभदायक नहीं"

"हामान कह रहा है कि, "उन्हें आपके राज्य में रहने देना उचित नहीं है।"" इसका अनुवाद नकारात्मक वाक्य में भी किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आवश्यक है कि राजा उनको समाप्त कर दे" या "तू उनका सफाया कर दे।""

एस्तेर 3:8 (#8)

"राजा"

"हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। आप इसी अर्थ को द्वितीय पुरुष में व्यक्त कर सकते हैं: "तेरे लिए अच्छा नहीं होगा।""

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 3:9 (#1)

"यदि राजा को स्वीकार"

हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है।

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 3:9 (#2)

"यदि राजा को स्वीकार"

"देखें कि आपने इस वाक्य पद्धति का अनुवाद 1:19 में कैसे करने का निर्णय लिया था। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप को

यह विचार उचित लगता है, तो ऐसा करे, ""हे महाराजाधिराज" या "यदि राजा उचित समझे तो" या "यदि इस सुझाव से राजा प्रसन्न हो तो।"" (देखें [[rc://hi/ta/man/translate/figs-मुहावरा]])"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:9 (#3)

"लिखी"

"आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान वाक्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं, उदाहरणार्थ, "राजा आदेश लिख दे" या "तू आदेश दे सकता है।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:9 (#4)

"नष्ट"

इसका अर्थ है कि आदेश में होगा कि सब यहूदियों को मारा डाला जाना चाहिए।

एस्तेर 3:9 (#5)

""हाथ में"

"इसका अर्थ इन दो में से एक संभावना होना आवश्यक है: (1) हामान के कहने का अर्थ है कि राजा के कर्मियों को यहूदियों की लूट से बहुत पैसा मिल सकता है। इसका बल इस बात के कहने में है, "मैं विश्वास दिलाता हूँ कि यह काम से काम इतना होगा।"" यह तर्क 3:13 के साथ सहमत होगा क्योंकि राजा के पत्र में स्पष्ट किया गया था कि यहूदियों को घात करने वाले उनको लूट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें इतनी लूट मिल जायेगी कि जिन अधिकारियों को तू भेजेगा वे इतना ला पाएंगे" \n(यूएसटी भी देखें)\n(2) "के हाथ में" यह एक वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ हामान स्वयं योजना को साकार करने वाले अधिकारियों को भुगतान करेगा से है। हामान ऐसा स्वयं ऐसा नहीं करेगा, वरन इसका अर्थ है कि वह उत्तरदायित्व लेता है कि वह उन्हें अपने संसाधनों में से भुगतान करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "इस काम के करने वालों को मैं अपने संसाधनों में से भुगतान करूँगा।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:9 (#6)

""

इसकी कीमत आज 2020 में वर्तमान भाव में तीस करोड़ डालर से भी अधिक होगी। क्योंकि कीमतें समय के साथ बदलती रहती हैं इसलिए यदि आप आज के आंकलन में मान निर्धारित करते हैं तो आपका बाइबल अनुवाद पुराना और अनुचित हो जाएगा। अतः आप प्राचीन मान के अनुसार ही मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं अर्थात किक्कार में और टिप्पणी में कह सकते हैं कि एक किक्कार लगभग 30 किलोग्राम के तुल्य था। विकल्प में आप लेख में चांदी के भार को स्पष्ट कर सकते हैं जैसा यूएसटी में मीट्रिक प्रणाली में टन होता है।

देखें: बाइबिल की मुद्रा

एस्तेर 3:9 (#7)

"हजार किक्कार चाँदी"

किक्कार मुद्रा की सबसे बड़ी इकाई होती थी और **दस हज़ार** उस समय की गणना की सबसे बड़ी सँख्या थी। हो सकता है कि हामान इन शब्दों द्वारा निश्चित धन राशि तो नहीं, तथापि बहुत अधिक धन राशि का उल्लेख कर रहा होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "चांदी की बड़ी मात्रा" या "चांदी की असाधारण मात्रा।"\n

देखें: अतिशयोक्ति

एस्तेर 3:9 (#8)

"पहुँचाने लिये"

इसके अर्थ हो सकते हैं (1) राजा के साधारण कर्मी (व्यवस्थापक) या (2) अधिक स्पष्ट कहें तो वे अधिकारी जिनको क्षयर्ष अपने साम्राज्य में सर्वत्र भेजेगा ताकि यहूदियों के सर्वनाश की व्यवस्था करें।

एस्तेर 3:9 (#9)

"राजभण्डार"

हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। आप इसके उद्गारों को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं, "तेरे राजसी कोषागारों"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 3:10 (#1)

"राजा मुहर वाली अंगूठी हाथ उतारकर" - **"हामान को"** - **"दे दी"**

"यहाँ अभिप्रेत अर्थ है की क्षयर्ष के विचार में हामान का सुझाव एक अच्छा प्रस्ताव था और वह उससें सहमत हो गया। आप इसको सविस्तार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने स्वीकार किया कि यह एक अच्छा विचार था।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:10 (#2)

"राजा मुहर वाली अंगूठी हाथ उतारकर" - **"हामान को"** - **"दे दी"**

"हामान को अंगूठी देने का अर्थ था कि हामान राजा के अधिकार से काम कर सकता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसकी विस्तार सहित व्याख्या कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने हामान को अधिकार दिया कि वह अपनी योजना को पूरा करने में राजा के अधिकार के साथ काम करे। यह दिखाने के लिए, उसने हामान को अपनी अंगूठी दे दी जिस पर उसकी अधिकृत मोहर थी।""

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 3:10 (#3)

"मुहर वाली अंगूठी"

"यह एक विशेष अंगूठी होती थी जो किसी कानून या आदेश पर राजा की अधिकृत मोहर को लगाने के लिए काम में ली जाती थी। उस अंगूठी पर राजा का नाम या उसका चिन्ह होता था। जब वह महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर लाख लगाता था तब वह उस पर अपना चिन्ह छाप देता था। जब किसी दस्तावेज़ पर ऐसे चिन्ह की मोहर होती थी तो लोग मान लेते थे कि दस्तावेज़ में जो लिखा है वह राजा के अधिकार से लिखा गया है और उसका पालन करना अनिवार्य है। आप इसका वर्णन इस प्रकार कर सकते हैं, "जो अंगूठी उसने पहनी हुई थे उस पर उसकी अधिकृत मोहर थी।""

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 3:10 (#4)

"अगागी हम्मदाता पुत्र"

हामान की पहचान की यह जानकारी दोहराई गई है कि राजा द्वारा उसको मोहर की अंगूठी देना एक अधिकृत एवं वैध कार्य था जिसके माध्यम से वह अधिकार संपन्न हो गया था। (इसी प्रकार, आज भी वैधानिक दस्तावेजों पर व्यक्ति का पूरा नाम और पहचान की अन्य जानकारियाँ निहित होती है।) यदि आप अपने अनुवाद में इस जानकारी को दोहराते हैं तो आपके पाठकों इसका महत्व को ग्रहण करना ही होगा।

एस्तेर 3:10 (#5)

"यहूदियों बैरी"

यह वाक्यांश हामान के बारे में विशुद्ध जानकारी देता है। इसका अर्थ है कि वह "यहूदियों का जानी दुश्मान हो गया था।"

देखें:

एस्तेर 3:11 (#1)

"चाँदी दी गई" - **"तेरा"**

"आप इसका अनुवाद कर्ता प्रधान वाक्य में कर सकते हैं। इसका अर्थ निम्नलिखित में से एक हो सकता है: (1) "तू यहूदियों को लूटकर उनकी धन-संपदा स्वयं रख सकता है। या (2) "मैं तुझे अनुमति देता हूँ कि यहूदियों से धन-संपदा छीन कर उन पुरुषों को दे देना जिनका तूने अभी-अभी उल्लेख किया है" \n(3) "तेरे लिए आवश्यक नहीं है कि इस योजना के व्यय का वहन स्वयं करे।"" (4) राजा के द्वारा यह अभिकथन प्रतिज्ञात धन राशि के प्रति आभार व्यक्त करने की एक औपचारिक और सांस्कृतिक शैली भी हो सकती है, जिसमें हामान द्वारा कोषागार में धन राशि लाने में छूट नहीं है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:11 (#2)

"लोग तू" - **"जी चाहे व्यवहार"**

आँखें एक लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ देखना से है, और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देना, और आंकना के लिए रूपक है। राजा हामान से कह रहा है कि वह जैसा चाहे वैसा यहूदियों के साथ कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू यहूदियों के साथ जो चाहे सो कर।"

देखें: रूपक

एस्तेर 3:12 (#1)

"राजा लेखक बुलाए गए"

"आप इसे कर्तृवाच्य वाक्य में भी व्यक्त कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। अत्यधिक संभावना है कि यह हामान था, क्योंकि राजा ने उसे अपनी ओर से कार्य करने का अधिकार दिया था। अतः आप कह सकते हैं, ""हामान ने राजकीय लिपिकों को बुलाया।"" वैकल्पिक अनुवाद: ""राजा ने अपने लिपिकों को बुलाया।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:12 (#2)

"पहले महीने तेरहवें दिन"

"वैकल्पिक अनुवाद: "पहले महीने के तेरहवें दिन।"" आप यह भी कह सकते हैं, ""उसी वर्ष" कि प्रकट हो कि क्षयर्ष से उसकी योजना की सहमति प्राप्त करते ही हामान ने यह काम किया।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 3:12 (#3)

"पहले महीने तेरहवें दिन"

आप इस जानकारी को पहले रख सकते हैं, क्योंकि यह इस घटना को वृत्तांत के कालक्रम में समाहित करती है।

एस्तेर 3:12 (#4)

"हामान आज्ञा" - "सब" - "चिट्ठियाँ"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं और कह सकते हैं कि किसने काम किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और हामान ने उनसे एक पत्र लिखवाया" या "उन्होंने हामान की आज्ञा के अनुसार एक आदेश पत्र लिखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:12 (#5)

"राजा" - "अधिपतियों"

इसका संभावित अर्थ है कि राजधानी में सेवारत राजा के अधिकारी क्योंकि उनको प्रान्तों के प्रधानों और जनजातियों के हाकिमों से अलग दर्शाया गया है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 3:12 (#6)

"प्रान्तों" - "देश"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ है "प्रत्येक प्रांत"" से है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:22 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:12 (#7)

"प्रधानों" - "लोगों के" - "लोगों"

"लोगों के समूहों के हाकिमों"

एस्तेर 3:12 (#8)

"लोगों के" - "लोगों"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक जनजाति" से है। देखें: कि आपने इसका अनुवाद 1:22 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:12 (#9)

"प्रान्त के अक्षरों देश"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:22 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक प्रांत केलिए उसी के अक्षरों में" या "उसी कि लिपि में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:12 (#10)

"प्रान्त के अक्षरों देश"

कहने का अर्थ है कि लिपिकों ने प्रत्येक प्रान्त की भाषा में उस पत्र का अनुवाद करके उनको भेज दिया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका वर्णन विस्तारपूर्वक कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:12 (#11)

"भाषा"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:22 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “हर एक जाति को उसी की भाषा में।“

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:12 (#12)

"भाषा"

यहाँ **जीभ** का लाक्षणिक प्रयोग मिलता है, जिसका अर्थ किसी मनुष्य या किसी समुदाय द्वारा बोली जाने वाली भाषा से है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी अपनी भाषा में”

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 3:12 (#13)

"राजा क्षयर्ष नाम लिखी"

"(1) यहाँ **नाम** का अर्थ राजा के अधिकार से हो सकता है। कहने का अर्थ है कि हामान के पत्र में वही अधिकार निहित था जो राजा के पत्र में होता यदि राजा वह पत्र भेजता। वैकल्पिक अनुवाद: “हामान ने राजा के अपने अधिकार में वह पत्र भेजा था।"" (2) तथापि इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि हामान ने वास्तव में, लिपिकों से राजा के हस्ताक्षर करवाए थे। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने पत्र के अंत में राजा के हस्ताक्षर कर दिए।""

देखें: रूपक

एस्तेर 3:12 (#14)

"लिखी राजा मुहर छाप"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह दिखाने को कि वह राजा के अपने अधिकार में इस पत्र को भेज रहा है, हामान ने पत्र की प्रत्येक प्रतिलिपि पर राजा की मोहर वाली अंगूठी से छाप लगा दी” या “लिपिकों ने पत्र के अंत में राजा के हस्ताक्षर कर दिए तदोपरांत उन्होंने पत्रों पर लाख लगा कर उस पर राजा की अंगूठी की मोहर लगा दी”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:13 (#1)

"चिट्ठियाँ" - **"भेजी"**

'**भेजी**' निष्क्रिय क्रिया रूप है। अगर आपकी भाषा में उस रूप का इस्तेमाल नहीं होता, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी दूसरे तरीके से बता सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान ने चिट्ठियाँ भेजीं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:13 (#2)

"डाकियों"

"यहाँ **हाथ** के दो अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं। (1) इसका अर्थ ज्यों का त्यों “हाथ” हो सकता है, जिसका अर्थ होगा कि पत्र वाहक अपने हाथों में पत्र लेकर गए थे। वैकल्पिक अनुवाद: “पत्र वाहकों ने हाथ से ले जाकर पत्र दिए।"" (2) “हाथ” का लाक्षणिक उपयोग में अर्थ होगा, सामर्थ्य, नियंत्रण, या अधिकार, जिसका अभिप्राय है कि पत्र वाहक ही थे, जिन्होंने सम्पूर्ण साम्राज्य के विभिन्न प्रान्तों में उन पत्रों का वितरण किया। वैकल्पिक अनुवाद: “पत्र वाहकों ने अपने हाथों से पत्र दिए”

देखें: रूपक

एस्तेर 3:13 (#3)

"राज्य सब प्रान्तों में"

हामान ने प्रान्तों (भौगोलिक क्षेत्रों) को पत्र नहीं भेजे अपितु उसने साम्राज्य के प्रत्येक प्रांत के अधिकारियों को पत्र भेजे थे। वृत्तांत में शब्द “प्रान्त” काम में लिया गया है, जो लाक्षणिक रूप में वहाँ के अधिकारियों के सन्दर्भ में है, \nउनसे सम्बंधित किसी बात के द्वारा अर्थात उनके शासनाधीन क्षेत्रों के द्वारा। आपके अनुवाद में स्पष्ट होना चाहिए कि पत्र किसी स्थान को नहीं, मनुष्य को भेजे गए थे।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 3:13 (#4)

"घात नाश"

इन शब्दों का अर्थ एक ही है। उनके संयोजित उपयोग के द्वारा कल्पना किए गए विनाश की पूर्णता पर बल दिया गया है। आप यूएसटी के सदृश्य उनको संयोजित कर सकते है और कुछ इस प्रकार कह सकते हैं, “सर्वनाश कर देना।” (युग्मक में दो से अधिक शब्दों का प्रयोग किया जा सकता है। देखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-युग्म]])

देखें: युग्म

एस्तेर 3:13 (#5)

"में" - **"जवान बूढ़ा"**

यह एक उपमा है, जो दो पराकाष्ठाओं के प्रयोग से उनमें जो कुछ भी समाहित है, उनका वर्णन करती है। आप यूएसटी के सदृश्य इसके अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं और इस प्रकार कह सकते है, "उनमें से हर एक।" वैकल्पिक अनुवाद: "यु□□□ा और वृद्ध सब को"

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 3:13 (#6)

"स्त्री बालक"

"बच्चों और स्त्रियों को भी"

एस्तेर 3:13 (#7)

"एक ही" - **"दिन को"**

वैकल्पिक अनुवाद: "एक ही दिन में"

देखें: संख्या

एस्तेर 3:13 (#8)

"तेरहवें"

"इसका निहितार्थ ""इसे वर्ष के बारहवें महीने के तेरहवें दिन" से है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका वर्णन विस्तारपूर्वक कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:13 (#9)

"तेरहवें"

"तेरहवें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 3:13 (#10)

"बारहवें"

"बारहवें महीने"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 3:13 (#11)

"अदार नामक" - **"महीने"**

या इब्रानी कैलेंडर के बारहवें महीने का नाम है। देखें कि आपने 2:16 और 3:7 में वृत्तांत में वर्णित इब्रानी कैलेंडर की तिथियों को कैसे दर्शाया है।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 3:13 (#12)

"धन सम्पत्ति लूट ली"

इसका अर्थ है कि उस पत्र में यह भी लिखा था कि यहूदियों की हत्या करने वाले उनका सब कुछ लूट सकते हैं।

एस्तेर 3:14 (#1)

"आज्ञा के लेख" - **"सब प्रान्तों में भेजी"**

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "प्रत्येक प्रांत के अधिकारियों ने उस पत्र की प्रतिलिपि को नियम स्वरूप प्रस्तुत किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:14 (#2)

"सब प्रान्तों में"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक प्रांत"" से है। देखें कि आपने 1:1 में "प्रांत" का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 3:14 (#3)

"के लेख" - **"सब लोग"**

"आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पत्र में अधिकारियों के लिए निर्देश था कि उसके प्रतिलिपियों को ऐसे स्थानों में लगाया जाए जहाँ सब लोग उनको देख पाएँ" या "राजा ने अधिकारियों को आज्ञा दी थी कि उन पत्रों की प्रतिलिपियों को ऐसे स्थानों में लगाएं जहाँ सब लोग उनको देख सकें।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:14 (#4)

"उस दिन तैयार हो जाएँ"

वैकल्पिक अनुवाद: “जिससे कि लोग उस दिन राजा के पत्र में लिखी गई कार्यवाही को पूरा कर पाएँ” या “जिससे कि वे उस दिन के आने पर पत्र में कही गई बातों को करने के लिए तैयार रहें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:15 (#1)

"आज्ञा" - **"डाकिए राजा"** - **"तुरन्त निकल"**

इसका अर्थ है कि राजा ने पत्र वाहकों को आज्ञा दी थी कि पत्र शीघ्रातिशीघ्र वितरित किए जाएं।

एस्तेर 3:15 (#2)

"आज्ञा" - **"डाकिए राजा"** - **"तुरन्त निकल"**

"आप विस्तारपूर्वक कह सकते हैं कि पत्र वाहक पत्रों को लेकर कहाँ गए। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसी राजा ने आज्ञा दी थी, पत्र वाहकों ने तुरंत ही पत्रों को साम्राज्य के हर एक प्रान्त में पहुँचा दिया,” या “तब राजा की आज्ञा के अनुसार घुड़सवारों ने उन पत्रों को शीघ्रता से साम्राज्य के हर एक प्रांत में पहुँचा दिया।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:15 (#3)

"दी गई" - **"आज्ञा"**

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं, उदाहरणार्थ, “लोगों ने उन पत्रों को ऊँचे स्वर में पढ़ा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 3:15 (#4)

"शूशन गढ़"

"यहाँ इसका संभावित अर्थ “राजधानी शूशन में"" से है।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 3:15 (#5)

"पीने बैठ गए"

इसका शायद अर्थ है कि क्षयर्ष और हामान ने एक पूरी दावत मनाई, जिसके बारे में यहाँ उसके एक हिस्से, यानी **पीने** के बारे में बताया जा रहा है। '**बैठ गए**' शब्द का अर्थ बस यह बताना होगा कि कैसे पुरुष खाने-पीने के लिए एक मेज पर बैठते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक साथ जश्न मनाया"

देखें: उपलक्षण

एस्तेर 3:15 (#6)

"घबराहट"

कहने का अभिप्राय यह है कि शूशन के निवासी इस भावी घटना के बारे में बहुत अधिक परेशान थे। वे समझ नहीं पा रहे थे कि इसके बारे में क्या करें। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका वर्णन विस्तारपूर्वक कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 3:15 (#7)

"परन्तु ... नगर में"

लेखक चाहता है कि हम राजा और हामान के आराम से बैठकर दाखमधु पीने के विरोधाभास को देखें, जबकि नगर के लोग राजा और हामान द्वारा घोषित की गई बातों पर उत्तेजित और उथल-पुथल की स्थिति में हैं। इस विरोधाभास को दिखाने के लिए अपनी भाषा में एक संयोजक शब्द या अन्य तरीके का उपयोग करें।

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

एस्तेर 3:15 (#8)

"शूशन नगर में"

इसका अर्थ मात्र नगर नहीं, नगरवासी से है। यह एक अलंकार है, जिसमें किसी को उसके नाम से नहीं, निकट सम्बंधित वस्तु से संबोधित किया जाता है। अतः इसका अर्थ "शूशन में रहने वाले सब लोग” या “शूशन का हर एक निवासी” से है

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 3:15 (#9)

"घबराहट"

भाववाचक संज्ञा शब्द, "घबराहट" का अनुवाद क्रियार्थक वाक्यांश जैसे, "बड़ी उलझन में थे" द्वारा किया जा सकता है।

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर - अध्याय 4 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

मोर्दकै एस्तेर को कार्य करने के लिए सचेत करते हैं

मोर्दकै एस्तेर से कहते हैं कि उन्हें यहूदियों के जीवन के लिए राजा से विनती करनी चाहिए, भले ही उन्हें अपने प्राण का जोखिम उठाना पड़े।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

अप्रत्यक्ष जानकारी

अनुवादक अप्रत्यक्ष जानकारी को समझ नहीं सकते हैं। वाक्य, "क्या जाने तुझे ऐसे ही कठिन समय के लिये राजपद मिल गया हो?" का अर्थ है "शायद परमेश्वर ने तुझे रानी बनाया ताकि तू यहूदियों को बचा सके।" (देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी)

एस्तेर 4:1 (#1)

"मोर्दकै जान लिया"

यहाँ वृतांत में मौर्दकै को मुख्य नायक रूप में लाया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मौर्दकै को ज्ञात हुआ"

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

एस्तेर 4:1 (#2)

"जब" - "किया गया"

"यहूदियों के सर्वनाश की हामान की योजना के बारे में" या "उन पत्रों के बारे में"

एस्तेर 4:1 (#3)

"मोर्दकै वस्त्र फाड़ टाट पहन राख" - "और"

ऐसा करना असहनीय वेदना का प्रदर्शन है।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:1 (#4)

"मोर्दकै वस्त्र फाड़ टाट पहन राख" - "और"

आप मौर्दकै के इस व्यवहार की व्याख्या कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इतना अधिक दुखी हुआ कि उसने अपने कपडे फाड़े और टाट पहन कर अपने ऊपर राख डाल ली"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:1 (#5)

"नगर के मध्य जाकर"

"अगले पद में कहा गया है कि मौर्दकै राजा के महल की ओर अग्रसर है। आप इसका वर्णन विस्तारपूर्वक कर सकते हैं। हो सकता है कि मौर्दकै यहूदियों पर मंडराने वाले इस संकट की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए उस सार्वजनिक स्थान में जा रहा है, जहाँ लोग उसको देखने के अभ्यस्त थे। या उसने एस्तेर से संपर्क बनाने की अपेक्षा की होगी कि उससे कहे कि इस परेशानी में सहायता करे। या फिर दोनों बातें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह राजा के महल की ओर चौक के लिए चल पड़ा।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:1 (#6)

"ऊँचे" - "दुःख चिल्लाने"

ऊंचे और **दुःख भरे** ये दो शब्द एक ही बात का सन्दर्भ देते हैं और एक साथ ही काम में लिए जाते हैं। इनसे संकेत मिलता है कि मौर्दकै की चीत्कार ऊँचे स्वर में थी क्योंकि वह अत्यधिक दुखी था। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक दुःख से चीत्कार मारने लगा"

देखें: युग्म

एस्तेर 4:2 (#1)

"पहुँचा"

"**वह** अर्थात मौर्दकै। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै आया।""""

एस्तेर 4:2 (#2)

"राजभवन फाटक सामने" - "परन्तु"

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक उपयोग किसी वस्तु के सामने के अर्थ क देता है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि मौर्दकै राजा के महल के फाटक में प्रवेश नहीं कर पाया। उसको फाटक के बाहर ही रुकना पड़ा।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 4:2 (#3)

"राजभवन फाटक"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 2:19 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के महल के फाटक"

एस्तेर 4:2 (#4)

"टाट पहने राजभवन फाटक भीतर किसी जाने"

वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु टाट पहना हुआ कोई भी व्यक्ति महल के फाटक में नहीं जा सकता था।" यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस जानकारी को पद में पहले रख सकते हैं, क्योंकि इससे प्रकट होता है कि मौर्दकै को बाहर क्यों रुकना पड़ा। देखें यूएसटी।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 4:3 (#1)

"प्रान्त" - "आज्ञा" - "वहाँ"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक प्रांत में"" से है। देखें कि आपने इस शब्द, "प्रांत" का अनुवाद 1:1 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक प्रांत में" या "साम्राज्य के प्रत्येक प्रांत में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 4:3 (#2)

"में जहाँ राजा" - "नियम पहुँचा"

"यहूदियों के विनाश की आज्ञा का पत्र जहाँ-जहाँ पहुँचा वहाँ-वहाँ उसकी सार्वजनिक घोषणा की गई।"

एस्तेर 4:3 (#3)

"राजा" - "नियम"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात के सन्दर्भ में हैं अर्थात पत्र में दी गई जानकारी के सन्दर्भ में। दोहराने का उद्देश्य है कि इस परिस्थिति की गंभीरता पर बल दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद : "राजा का पत्र" या "वह नियम जिसमें यहूदियों के विनाश का प्रावधान था"

देखें: युग्म

एस्तेर 4:3 (#4)

"यहूदी बड़ा विलाप"

"यहूदियों ने बड़ा विलाप किया" या "जब यहूदियों ने सुना तो उन्होंने बड़ा विलाप किया"

एस्तेर 4:3 (#5)

"उपवास"

उपवास विलाप का चिन्ह है। यदि आपके पाठक इसको समझ न पाएँ तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने भोजन-पानी त्याग दिया क्योंकि वे बहुत दुखी थे"\n

एस्तेर 4:3 (#6)

"रोने पीटने"

इन दोनों शब्दों का मूल अर्थ एक ही है। इनको दुहराए जाने का उद्देश्य है कि यहूदियों की घोर निराशा पर बल दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "चिल्ला-चिल्ला कर रोए"

देखें: युग्म

एस्तेर 4:3 (#7)

"बहुत टाट राख पड़े"

ऐसा व्यवहार गहरे दुःख का प्रदर्शन था। "उनमें से अनेक भूमि पर लेट गए, टाट पहन कर राख में बैठे रहे" \n

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:4 (#1)

"एस्तेर" - "सहेलियों"

“एस्तेर की दासियाँ” या “एस्तेर की परिचारिकाएँ”

एस्तेर 4:4 (#2)

"खोजों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके परिचारक” या “उसके अन्य अधिकारी”

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 4:4 (#3)

"बता दिया" - "कहलाया"

अर्थात उन्होंने एस्तेर से कहा दिया कि मौर्दकै फाटक के बाहर टाट पहन कर बैठा है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:4 (#4)

"रानी" - "शोक"

रानी अर्थात एस्तेर। आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एस्तेर स्वयं ही बहुत डर गई” या “रानी इससे बहुत परेशान हो गई”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 4:4 (#5)

"रानी" - "शोक"

कहने का अभिप्राय है कि ऐसा तब हुआ जब उसने सुना कि मौर्दकै क्या कर रहा है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके बारे में सुनकर एस्तेर स्वयं ही बहुत डर गई”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:4 (#6)

""मोर्दकै वस्त्र भेजकर"

वह अर्थात एस्तेर। यह मौर्दकै को प्रोत्साहित करने के लिए था कि वह आशा बांधे रहे और प्रकट में ऐसा व्यवहार करे कि वह जिस किसी परिस्थिति से परेशान था वह पूर्णतः निराशाजनक नहीं थी। वैकल्पिक अनुवाद: “उसने सेवकों के हाथों मौर्दकै के लिए कुछ अच्छे वस्त्र भेजे कि वह पहन ले”

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:4 (#7)

"न लिया"

"वैकल्पिक अनुवाद: “उसने उनको पहनने से इनकार कर दिया।"" यह मौर्दकै का उत्तर था कि परिस्थिति वास्तव में बहुत निराशाजनक थी।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:5 (#1)

"एस्तेर खोजों हताक" - "राजा" - "बुलवाकर"

“तब एस्तेर ने राजा के खोजों में से हताक को बुलाया”

एस्तेर 4:5 (#2)

"हताक"

यह एक पुरुष का नाम है। इस अध्याय में यह नाम बार-बार आता है। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय हो।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 4:5 (#3)

"खोजों" - "जिसे राजा पास रहने ठहराया"

वैकल्पिक अनुवाद: “जो राजा के राजकीय संरक्षकों में से था और राजा द्वारा एस्तेर की निजी सेवा में नियुक्त किया गया था। आप इस जानकारी को पहले रख सकते हैं, क्योंकि यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 4:5 (#4)

"खोजों"

देखें कि आपने इस शब्द, **खोजे** का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 4:5 (#5)

"पास रहने"

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति के अर्थ को देता है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि अंगरक्षक एस्तेर की निजी सेवा में थे।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 4:5 (#6)

"जाकर क्या और इसका क्या कारण"

इन दोनों वाक्यांशों का एक ही अर्थ है। दोनों स्थितियों में "इसका" अर्थ मौर्दकै के व्यवहार के सन्दर्भ में है। दोहराए जाने का अर्थ है कि एस्तेर को अब समझ में आ गया था कि मौर्दकै द्वारा सार्वजानिक स्थान में टाट पहन कर आने का कारण अवश्य ही गंभीर होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "यह जानने के लिए कि वह ऐसे निराशा में क्यों है कि सार्वजानिक स्थान में टाट पहन कर बैठा है"

देखें: समांतरता

एस्तेर 4:6 (#1)

"हताक" - "मोर्दकै पास निकल गया"

हताक विशेष करके मौर्दकै से बात करने और उसकी परेशानी के बारे में पूछने के लिए बाहर गया था क्योंकि एस्तेर ने उसे भेजा था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हताक मौर्दकै से भेंट करने के लिए बाहर गया था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:6 (#2)

"नगर के" - "चौक में"

"चौक"

एस्तेर 4:6 (#3)

"सामने"

यहाँ **सामने** का लाक्षणिक प्रयोग किसी वस्तु के सामने के अर्थ को देने के लिए किया गया है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि चौक महल के फाटक के सामने था।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 4:6 (#4)

"राजभवन" - "फाटक"

"वैकल्पिक अनुवाद: "राजगढ़ के फाटक।"" राजगढ़ का वर्णन उससे संबंधित किसी बात के द्वारा किया गया है अर्थात उस फाटक के द्वारा जो उसमें खुलता है।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 4:7 (#1)

"सब कुछ" - "कि" - "बिता है"

यहाँ **उसको** मौर्दकै के सम्बन्ध में है, परन्तु मौर्दकै लाक्षणिक रूप में सम्पूर्ण समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका वह सदस्य है।\nवैकल्पिक अनुवाद: "वह हर एक बात जो हामान यहूदियों के विरुद्ध करने की योजना बना रहा था।" \n

देखें: संकेतन

एस्तेर 4:7 (#2)

""ऊपर" - "हामान" - "नाश करने की राजभण्डार में कितनी चाँदी भर देने का"

इसका अर्थ इन दो सम्भावनाओं में से एक हो सकता है: (1) \nचांदी की वह मात्रा जिसके लिए हामान ने कहा था कि यहूदियों को नष्ट करने वालों की लूट से राजा को उसके कोषागार में मिलेगी। या (2) चांदी की वह मात्रा जिसके लिए हामान ने कहा था कि वह यहूदियों के सर्वनाश की इस योजना में आने वाले व्यय के निमित्त देगा। \nआप वैकल्पिक अनुवाद में इनमें से किसी एक को काम में ले सकते हैं परन्तु इसको 3:9 में की गई आपके अनुवाद से सुसंगत होना आवश्यक है।

एस्तेर 4:8 (#1)

"आज्ञा" - "नकल"

"हामान ने जो पत्र भेजा उसकी एक प्रतिलिपि" या "राजाज्ञा की प्रतिलिपि"

एस्तेर 4:8 (#2)

"जो आज्ञा शूशन दी गई"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह नियम जिसके घोषणा उद्घोषकों ने शूशन में की थी" या "आदेश जिसको राजा के सेवकों ने शूशन में प्रकाशित किया था।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 4:8 (#3)

"विनाश"

"जिसमें था कि सब यहूदी मार डाले जाएँ"

एस्तेर 4:8 (#4)

"एस्तेर दिखाने और उसे हाल बताने"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक सा ही है। इनको दोहराने का उद्देश्य था कि मौर्दकै की समझ में एस्तेर के लिए हामान की योजना से अवगत हो जाना कैसा महत्वपूर्ण था, इस बात पर बल दिया जाए। "जिससे कि एस्तेर देख पाए कि उसमें क्या लिखा है।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 4:8 (#5)

"आज्ञा"

"और उससे आग्रह करने के लिए"

एस्तेर 4:8 (#6)

"गिड़गिड़ाकर विनती"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक सा ही है। इन दोनों को साथ-साथ काम में लेने का उद्देश्य उस प्रबल कार्यवाही पर बल देना है, जो मौर्दकै की समझ में अति आवश्यक थी। वैकल्पिक अनुवाद: "उससे याचना करने की"

देखें: युग्म

एस्तेर 4:8 (#7)

"को"

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति को दर्शाता है। इस प्रकरण में, इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर के लिए राजा की उपस्थिति में जाकर उसके हस्तक्षेप के लिए व्यक्तिगत याचना करना अनिवार्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं राजा के पास जाए"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 4:8 (#8)

"भीतर" - **"लोगों"**

"कि उसके लोगों के प्रति दया दर्शाए"

एस्तेर 4:10 (#1)

"एस्तेर हताक मोर्दकै से कहने आज्ञा"

"एस्तेर ने हताक से कहा कि मौर्दकै के पास पुनः जाकर उससे यह कहे:"

एस्तेर 4:11 (#1)

"राजा सब कर्मचारियों राजा प्रान्तों" - **"लोगों"** - **"मालूम"**

""राजा के सब कर्मचारियों" का सन्दर्भ महल के राजकीय अधकारियों से है। "प्रान्तों के सब लोगों" का सन्दर्भ साम्राज्य में रहने वाली लोगों से है। अतः इस वाक्यांश का अर्थ कुछ इस प्रकार है, "दूर और पास के सब लोग।" एस्तेर अलंकार के उपयोग द्वारा दो पराकाष्ठाओं के मध्य किसी का सन्दर्भ दे रही है कि उनके बीच का सब कुछ समाहित हो जाए। \nयदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशों को संयोजित करके कुछ इस प्रकार कह सकते हैं, "सम्पूर्ण साम्राज्य में हर एक जन जानता है।" वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के सब कर्मचारी और साम्राज्य के सब लोग इस नियम को जानते हैं।""

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 4:11 (#2)

"राजा सब कर्मचारियों राजा प्रान्तों" - **"लोगों"** - **"मालूम"**

एस्तेर ऐसा इसलिए कहती है इस नियम में कैसी भी अनिश्चितता प्रकट न हो। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस जानकारी को नियम ही की व्याख्या के बाद में रख सकते हैं जिससे कि अभी वर्णन किए गए नियम की अटलता पर बल प्रकट हो।

एस्तेर 4:11 (#3)

"सब" - "पुरुष स्त्री" - "जो"

यहाँ एस्तेर एक बार फिर अलंकार के उपयोग द्वारा दो पराकाष्ठाओं द्वारा एक समूह का सन्दर्भ देती है। उसके कहने का अर्थ है, वे सब लोग जिन पर क्षयर्ष राज करता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशों को संयोजित कर के कह सकते है, हर एक जन।"

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 4:11 (#4)

""भीतरी आँगन में राजा पास"

जैसा 5:1 से स्पष्ट होता है, इसका सन्दर्भ क्षयर्ष के सिंहासन के कक्ष के ठीक बाहर के आँगन से है। वह उस कक्ष के प्रवेश द्वार से बाहर आँगन में देख सकता था और जान सकता था कि वहाँ कोई आया है और खड़ा है। जो कोई भी ऐसा करता है वह राजा से याचना हेतु आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो महल के भीतरी आँगन में आता है जहाँ राजा उसको देख सकता है"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:11 (#5)

"न हो"

यदि आपके पाठकों को समझने में सहायता मिले तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि राजा ने उसको नहीं बुलाया है" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 4:11 (#6)

"आज्ञा" - "जिसकी"

"वैकल्पिक अनुवाद: "यह नियम साम्राज्य में हर एक जन पर लागू होता है।"" यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको नियम की व्याख्या के बाद रख सकते हैं।"

एस्तेर 4:11 (#7)

"मार डालने की"

"वह मनुष्य मार डाला जाए" या "संतरी उस मनुष्य को मार डालेंगे"

एस्तेर 4:11 (#8)

"को" - "केवल" - "राजा सोने राजदण्ड बढ़ाए वही"

यदि राजा उस मनुष्य की ओर अपनी राजदंड बढ़ा दे तो इसका अर्थ है कि राजा ने उसे स्वीकार कर लिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक कि राजा उसकी ओर अपना राजदंड न बढ़ाए" \n

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:11 (#9)

"सोने राजदण्ड"

राजदंड एक विभूषित डंडा या छड़ी था जो शासक अपने अधिकार के प्रतीक स्वरूप ले कर चलते थे या हाथ में रखते थे। इसी प्रकार राजा क्षयर्ष का राजदंड सोने का था। वैकल्पिक अनुवाद: "सोने का राजदंड"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 4:11 (#10)

"बचता"

इसका अर्थ था कि संतरी उसकी हत्या नहीं करेंगे और वह राजा से बात करने को आगे बढ़ सकता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब संतरी उसकी हत्या नहीं करेंगे और वह राजा से बात कर सकता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:11 (#11)

"मैं तीस दिन से राजा पास नहीं बुलाई गई"

एस्तेर के कहने का अभिप्राय है कि वह मौर्दकै के आदेशानुसार राजा से याचना नहीं कर सकती है, क्योंकि राजा उसे बुला नहीं रहा है कि उसे याचना करने का अवसर मिले और यदि वह बिना बुलाए जाती है तो वह मार डाली जाएगी। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं, जैसा कि यूएसटी में मिलता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:11 (#12)

"मैं"

इस अभिव्यक्ति द्वारा एस्तेर की वर्तमान स्थिति में और उसके द्वारा इस समय वर्णन की गई स्थिति में विषमता दर्शाई गई है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

एस्तेर 4:11 (#13)

"तीस दिन से"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि एस्तेर राजा की उपस्थिति में लगभग 30 दिनों से बुलाई नहीं गई है। आप अपनी भाषा में एक समानांतर अभिव्यक्ति के उपयोग द्वारा संकेत दे सकते हैं कि यह पर्याप्त लंबा समय है, जिसके कारण एस्तेर को विश्वास होने लगा है कि राजा अब उसमें रुचि नहीं रखता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लगभग एक महीने से अधिक"

एस्तेर 4:11 (#14)

"तीस दिन से"

"तीस दिन"

देखें: संख्या

एस्तेर 4:12 (#1)

"मोर्दकै" - "सुनाई गईं"

इससे आगे लेखक केवल मौर्दकै और एस्तेर पर ही ध्यान केंद्रित करता है और स्पष्ट नहीं करता है कि संदेशवाहक कौन है। आप एक सामान्य उपवाक्य रच सकते है जैसे, "उन्होंने मौर्दकै से कहा" या "मौर्दकै से कहा गया" या "संदेशवाहक ने मौर्दकै से कहा।" यदि यह उलझन उत्पन्न करे तो आप स्पष्ट कर सकते है कि वह संदेशवाहक हताक था जैसा प्राचीन यूनानी संस्करण में है। देखें यूएसटी।

एस्तेर 4:13 (#1)

"मोर्दकै एस्तेर पास यह कहला"

"तब मौर्दकै ने एस्तेर के पास यह कहला भेजा"

एस्तेर 4:14 (#1)

"किसी उपाय यहूदियों का छुटकारा उद्धार हो"

"छुटकारा" और "उद्धार" को इस प्रकार व्यक्त किया गया है कि जैसे वे जीवधारी हैं जो उठ कर खड़े हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी अन्य स्थान से कोई और उठेगा और यहूदियों को बचा लेगा"

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 4:14 (#2)

"छुटकारा उद्धार"

यहाँ "छुटकारा" और "उद्धार" का अर्थ बहुत कुछ एक सा ही है। इनका संयोजित उपयोग इस महान बुरे से मुक्ति की पृष्ठभूमि में निहित भावना पर बल देता है। यदि आपकी भाषा में अधिक सर्वोत्तम रीति से स्पष्ट होता है तो आप दो के स्थान में एक ही शब्द काम में ले सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें:

एस्तेर 4:14 (#3)

""

वैकल्पिक अनुवाद: "तू और तेरे परिजन भी मार डाले जाएंगे।" कहने का अर्थ है कि यहूदी तो उस स्थान से आरम्भ करके बचा लिए जाएंगे परन्तु शूशन में रहने वाले तो संकट में ही होंगे क्योंकि उनकी सहायता करने वाले (जैसे एस्तेर) ने कुछ नहीं किया।

एस्तेर 4:14 (#4)

"और" - "क्या जाने ऐसे ही समय राजपद मिल गया"

"यह एक गंभीर वक्तव्य है और यह ठीक उसी समय की घटना के बारे में है। मौर्दकै प्रश्न रूप में व्यक्त करता है कि एस्तेर इस परिस्थिति में अपनी भूमिका के बारे में गंभीरता से विचार करे। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन जानता है कि हो सकता है कि इसी परिस्थिति में हस्तक्षेप करने के लिए ही तू रानी बनी है।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

एस्तेर 4:16 (#1)

"शूशन के सब यहूदियों को"

आप इसको कर्तृवाच्य में भी अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ शूशन में रहने वाले सब यहूदी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 4:16 (#2)

"उपवास करो"

यहाँ आज्ञार्थक क्रिया '**उपवास करो**' बहुवचन में है, जो मोर्दकै और सभी यहूदियों के लिए है। उपवास (यानी, बिना खाए रहना) एक प्रतीकात्मक कार्य था जो यहूदी तब करते थे जब वे गहन प्रार्थना कर रहे होते थे। क्योंकि एस्तेर के लेखक ने पुस्तक में परमेश्वर या प्रार्थना का उल्लेख न करने का ध्यान रखा था, इसलिए पाठ में कोई स्पष्टीकरण जोड़ने के बजाय, आप एक फ़ुटनोट में उपवास का महत्व समझा सकते हैं। फ़ुटनोट का उदहारण: "यहूदियों के लिए, उपवास का मकसद यह था कि वे और ज़्यादा गहन प्रार्थना कर सकें"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:16 (#3)

"निमित्त" - "तीन दिन-रात न खाओ और न पीओ"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि एस्तेर शूशन के यहूदियों से कह रही थी कि वे तीन दिन तक दिन या रात न तो कुछ खाएँ और न ही कुछ पीएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे कह कि वे तीन दिन और तीन रात, न तो कुछ खाएँ और न ही कुछ पीएँ।""

देखें: संख्या

एस्तेर 4:16 (#4)

"मैं भी सहेलियों उपवास ऐसी"

"मैं और मेरी परिचारिकाएँ भी उपवास रखेंगी"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 4:16 (#5)

"ही"

"जब हम सबने ऐसा कर लिया और उपवास ही में"

एस्तेर 4:16 (#6)

"नियम विरुद्ध"

"यद्यपि नियम के अनुसार बिना बुलाए"

एस्तेर 4:16 (#7)

"नाश हो गई हो गई"

"यदि वे मुझे मार डालें तो मार डालें"

एस्तेर 4:17 (#1)

"मोर्दकै चला गया"

कहने का अभिप्राय है कि जब हताक एस्तेर का सन्देश लेकर लौटा तो उसके बाद मौर्दकै ने ऐसा ही किया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हताक ने मौर्दकै से यह कहा तो वह वह चला गया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 4:17 (#2)

"और एस्तेर" - "उसने सब कुछ"

"वह सब जो एस्तेर ने उससे करने के लिए कहा था"

एस्तेर - अध्याय 5 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय हामान के पतन के बारे में एक खण्ड की शुरुआत करता है (अध्याय 5–7)।

इस अध्याय में प्रमुख अवधारणाएँ

एस्तेर का आदर

एस्तेर ने राजा के पास अत्यधिक आदर के साथ संपर्क किया। ऐसा करने से, उनका चरित्र राजा के द्वारा सम्मानित किया गया। (देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी)

एस्तेर 5:1 (#1)

"तीसरे दिन" - "था"

यहाँ वृत्तांत में एक नई घटना का आरंभ होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तीन दिन के बाद" या "जब एस्तेर तीन दिन तक उपवास कर रही थी"

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 5:1 (#2)

"एस्तेर राजकीय पहनकर"

आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, राजकीय" के अनुवाद में विशेषण और संज्ञा शब्द काम में ले सकते हैं, जैसा कि यूएसटी में मिलता है, या आप एक वाक्यांश में कह सकते हैं कि वे क्या थे। वैकल्पिक अनुवाद: "एस्तेर रानी के वस्त्र पहने कि उसका रानी होना प्रकट हो"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 5:1 (#3)

"एस्तेर राजकीय पहनकर"

वृत्तांत में स्पष्ट है कि राजा के समक्ष उपस्थित होने से पहले, एस्तेर ने भोज तैयार कर लिया था कि वह राजा और हामान को तत्काल ही आमंत्रित कर पाए। यदि इसको छोड़ देना उलझन उत्पन्न करे तो आप इसका वर्णन यहाँ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जोड़ें: "एस्तेर ने भव्य भोज तैयार किया और अपने राजसी वस्त्र धारण किए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:1 (#4)

"राजभवन भीतरी आँगन"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 4:11 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "महल के भीतरी आँगन में"

एस्तेर 5:1 (#5)

"राजभवन के सामने"

"जहाँ राजा था उस कक्ष के सामने"

एस्तेर 5:1 (#6)

"राजा राजभवन राजगद्दी पर" - "विराजमान"

"**राजकीय** एक भाववाचक संज्ञा शब्द है, जो उन वस्तुओं का सन्दर्भ देता है, जो केवल राजा की हैं। आप इस विचार का अनुवाद क्रिया शब्द से भी कर सकते हैं, "जिस सिंहासन पर बैठकर वह शासन करता था" या विशेषण शब्द से, "उसके राजसी सिंहासन" और "उसके राजमहल।"" वैकल्पिक अनुवाद: "उसके महल के सिंहासन कक्ष में, राजा के सिंहासन पर विराजमान"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 5:1 (#7)

"भवन द्वार सामने"

"""कक्ष के प्रवेश द्वार के समक्ष""

एस्तेर 5:2 (#1)

"जब"

इस अभिव्यक्ति द्वारा अग्रिम घटना का समावेश होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब" या "और"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय संबंध

एस्तेर 5:2 (#2)

"देखा"

"जब...देखा"

एस्तेर 5:2 (#3)

"तब प्रसन्न" - "उसके"

देखें कि आपने ऐसी ही अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:9, 2:15, और 2:17 में कैसे किया है। यदि सहायक सिद्ध हो तो उस व्याख्या का पुनरावलोकन करें। इस प्रकरण में, इसका संभावित अर्थ है कि राजा क्षयर्स ने देखा कि आँगन में खड़ी

एस्तेर बहुत ही आकर्षक है। इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि राजा क्षयर्ष उसको देख कर अत्यधिक प्रसन्न हुआ। या फिर दोनों। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उसको देख कर अत्यधिक प्रसन्न हुआ" या "उसने उसका अनुमोदन किया"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 5:2 (#4)

"तब प्रसन्न" - "उसके"

आँखों के लाक्षणिक उपयोग का अर्थ देखना से है और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देने या आंकने के लिए एक रूपक है। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष ने निर्णय लिया कि बिना बुलाए भीतरी आंगन में प्रवेश करने के कारण एस्तेर को मृत्यु दंड नहीं दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उसको देख कर अत्यधिक प्रसन्न हुआ"

देखें: रूपक

एस्तेर 5:2 (#5)

"को" - "सोने राजदण्ड जो" - "हाथ में बढ़ाया"

"राजा क्षयर्ष ने ऐसा इसलिए किया कि वह उस नियम को लागू नहीं करेगा जिसके अंतर्गत एस्तेर को बिना अनुमति भीतरी आँगन में प्रवेश करने पर मृत्यु दंड मिलना था। देखें कि आपने इसका अनुवाद 4:11 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने सोने का राजदंड उसकी ओर बढ़ा दिया।""

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 5:2 (#6)

"को" - "सोने राजदण्ड जो" - "हाथ में बढ़ाया"

"राजा क्षयर्ष ने ऐसा इसलिए किया कि प्रकट हो कि वह एस्तेर पर मृत्यु दंड का नियम लागू नहीं करेगा। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने सोने का राजदंड उसके ओर बढ़ा दिया, संकेत के रूप में कि वह उससे बात करने में प्रसन्न है।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:2 (#7)

"निकट"

"अतः...निकट जाकर" या "अतः... सिंहासन के पास आकर"

एस्तेर 5:2 (#8)

"राजदण्ड नोक छुई"

संभवतः फारसी राजसभा में ऐसा करना प्रजा के लिए प्रथागत था, जब राजा राजदंड को उनकी ओर बढाता था।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 5:2 (#9)

"राजदण्ड नोक छुई"

"एस्तेर का यह कृत्य दर्शाता है कि वह राजा क्षयर्ष के अधिकार का सम्मान करती थी और उसके प्रति उसकी दया के लिए आभारी थी। यदि आपके पाठकों सहायता मिले तो आप इस जानकारी को यहाँ प्रस्तुत कर सकते हैं जैसे: "...यह दिखाने के लिए कि वह उसके अधिकार का सम्मान करती थी।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:2 (#10)

"राजदण्ड नोक"

यहाँ **नोक** लक्ष्णालंकार है, जिसका अर्थ किसी वस्तु या स्थान का ऊपरी सिरा (सर्वोच्च भाग।) है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर ने राजा के बढ़ाए हुए राजदंड के सिरे का स्पर्श किया। वैकल्पिक अनुवाद: "राजदंड का ऊपरी सिरा" या "राजदंड का ऊपरी भाग"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 5:3 (#1)

"एस्तेर रानी क्या"

"हे एस्तेर रानी, तुझे क्या चाहिए?"

एस्तेर 5:3 (#2)

""एस्तेर रानी क्या"

इन दोनों वाक्यांशों के अर्थ लगभग एक से ही हैं। क्षयर्ष एक ही बात को दो बार कहता है, परन्तु यह दिखाने के लिए लेशमात्र भिन्न रूपों में कि वह एस्तेर के आगमन के कारण को सुनने में अत्यधिक रुचि रखता है। आवश्यक नहीं कि

आप इन दोनों वाक्याशों को अपने अनुवाद में रखें यदि आपकी भाषा में इनको संयोजित करना स्वाभाविक शैली में हो। वैकल्पिक अनुवाद: “हे रानी एस्तेर, तुझे क्या चाहिए?”

देखें: समांतरता

एस्तेर 5:3 (#3)

"आधा राज्य तक दिया"

"संभवतः फारसी राजसभा में यह एक औपचारिक एवं प्रथागत अभिव्यक्ति थी, जिसके द्वारा राजा से याचना करने वाले को सम्मानित किया जाता था और राजा द्वारा उसके निवेदन को पूरा करने में राजा की अत्यधिक उदारता की इच्छा का संकेतक था। राजा क्षयर्ष निश्चय ही एस्तेर को आधा राज्य नहीं देगा जैसा वह कहता है। यदि आपके पाठकों के लिए स्पष्ट हो सके तो आप इसका अर्थ स्पष्ट कर सकते हैं: “तू जो भी मांगे मैं तुझे दूँगा, चाहे तू मुझ से मेरा आधा राज्य ही क्यों न मांग ले!” वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुझे वही दूँगा जो तू चाहती हो, चाहे तू मुझे अपना आधा राज्य ही क्यों न देने के लिए कहे!""

देखें: अतिशयोक्ति

एस्तेर 5:3 (#4)

"दिया"

आप इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में कर सकते हैं, और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तू जो भी मांगेगी, मैं तुझे दूँगा” या “तेरी जो इच्छा है उसे मैं पूरी करूँगा”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 5:4 (#1)

"यदि राजा को स्वीकार"

यह वाक्य पद्धति है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:19 और 3:9 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “हे राजा, यदि तुझे यह प्रस्ताव उचित लगे”

देखें: मुहावरा

एस्तेर 5:4 (#2)

"यदि राजा को स्वीकार"

एस्तेर राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: “हे राजा, यदि तुझे यह प्रस्ताव उचित जान पड़े”

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 5:4 (#3)

"हामान" - "आए राजा"

एस्तेर राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: “हे राजा, हामान के साथ आना” या “तू और हामान आना”

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 5:4 (#4)

""उस भोज" - "लिये"

एस्तेर राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने तेरे लिए भोज तैयार किया है”

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 5:4 (#5)

""उस भोज" - "लिये"

"यदि आप इसका अनुवाद इस प्रकार करना चाहते हैं, “जो भोज मैंने तेरे लिए तैयार किया है,” तो ""तू"" शब्द एकवचन में हो, क्योंकि इसका सन्दर्भ केवल राजा से है।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

एस्तेर 5:5 (#1)

"राजा"

राजा ने एस्तेर से नहीं, अपने सेवकों से कहा होगा। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसके अनुवाद में सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजा ने अपने सेवकों से कहा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:5 (#2)

"आज्ञा दी हामान को तुरन्त" - "एस्तेर" - "और"

एस्तेर के वचन अर्थात भोज के लिए उसका निमंत्रण। वैकल्पिक अनुवाद: "जाकर हामान को एस्तेर के आयोजित भोज में जाने के लिए अति शीघ्रता ले आओ"

एस्तेर 5:5 (#3)

"किए हुए"

"उनके लिए तैयार किया था"

एस्तेर 5:6 (#1)

"तेरा क्या निवेदन पूरा किया क्या माँगती आधा राज्य तक दिया जाएगा"

प्रश्न-और-वक्तव्य की इस जोड़ी का अर्थ लगभग एक ही है। क्षयर्ष एक ही बात को दो बार कहता है, परंतु लेशमात्र भिन्न रूपों में, यह दर्शाने के लिए कि वह एस्तेर की इच्छा को पूरी करने के लिए तत्पर है। यदि आपकी भाषा में इससे उलझन हो तो आवश्यक नहीं कि आप इन दोनों वाक्यांशों का प्रयोग करें। आप इनको संयोजित कर सकते हैं या इनके अर्थ के वाक्य से इनका प्रतिस्थापन कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब मुझे बता कि तुझे वास्तव में क्या चाहिए, मैं तेरे लिए उसे पूरा करूँगा।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 5:6 (#2)

"तेरा क्या निवेदन पूरा किया क्या माँगती आधा राज्य तक दिया जाएगा"

"क्षयर्ष ने जब सिंहासन कक्ष में एस्तेर से पूछा कि उसे क्या चाहिए, तो उसने कहा कि वह चाहती है कि वह हामान के साथ उसके तैयार किए हुए भोज में आए। परन्तु जब राजा उससे भोज के समय एक बार और पूछता है कि उसको क्या चाहिए तो इससे स्पष्ट होता है कि यह उसका वास्तविक निवेदन नहीं था। वह जानता था कि एस्तेर पहले अतिथि सत्कार करना चाहती थी जो उसके सम्मान और उनके सम्बन्ध का एक विन्यास था। आप इस प्रकार अनुवाद करके इसका संकेत दे सकते हैं, अब मुझे बता कि तुझे वास्तव में क्या चाहिए।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:6 (#3)

"निवेदन" - "किया" - "माँगती"

ये दो भाववाचक संज्ञा शब्द, "निवेदन" और "मांगना" एक ही वाक्यांश में, क्रिया शब्द, "मांगने' के द्वारा व्यक्त किए जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे वास्तव में क्या चाहिए"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 5:6 (#4)

"पूरा" - "दिया जाएगा"

"आप इन समानांतर कर्मवाच्य वाक्यों को एक ही कर्तृवाच्य वाक्य में रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तू माँगेगी, मैं तुझे दूँगा।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 5:6 (#5)

"आधा राज्य तक"

"देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 5:3 में कैसे किया है। यदि सहायक सिद्ध हो तो उसका अवलोकन करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तू मांगेगी वह मैं तुझे दूंगा चाहे वह कितनी भी बड़ी बात क्यों न हो।""""

एस्तेर 5:7 (#1)

"उत्तर दिया"

यहाँ एक ही विचार को संयोजक शब्द "और" द्वारा जोड़ कर दो शब्दों से व्यक्त किया जा रहा है। एक साथ इन दोनों शब्दों का अर्थ है कि एस्तेर ने राजा के प्रश्न का उत्तर दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "उत्तर दिया" या "प्रत्युत्तर में कहा"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 5:7 (#2)

"निवेदन माँगती"

"निवेदन" और "मांगने" के अर्थ एक ही हैं। एस्तेर ने इन शब्दों के प्रयोग द्वारा औपचारिकता और राजा के सम्मान का प्रदर्शन किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो चाहती हूँ वह यह है"

देखें: युग्म

एस्तेर 5:7 (#3)

"निवेदन माँगती"

"निवेदन" और "मांगना," इन दोनों भाववाचक शब्दों को क्रिया शब्द, "चाहना" द्वारा एक ही वाक्य में प्रस्तुत किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो माँगती हूँ वह यह है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 5:8 (#1)

"यदि राजा पर प्रसन्न है"

"प्रसन्न" का अर्थ किसी से अनुमोदन प्राप्त करना या स्वीकरण पाने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू मुझ से प्रसन्न है"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 5:8 (#2)

"यदि राजा पर प्रसन्न है"

लाक्षणिक उपयोग में **आँखों** का अर्थ देखने से है और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देने या आंकने के लिए रूपक है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि राजा क्षयर्ष एस्तेर से प्रसन्न होकर उसके निवेदन को स्वीकार करे। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि राजा मेरा मूल्याकंन करे और स्वीकृत करे" या "यदि राजा मुझसे प्रसन्न हो"

देखें: रूपक

एस्तेर 5:8 (#3)

"यदि राजा पर प्रसन्न है"

एस्तेर राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा मूल्याकंन करे और स्वीकृत करे" या "यदि तू मुझ से प्रसन्न है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 5:8 (#4)

"और" - "राजा स्वीकार"

यह वाक्य पद्धति है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:19, 3:9 और 5:4 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे राजा, यदि तुझे यह विचार उचित प्रतीत हो"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 5:8 (#5)

"निवेदन सुनना और वरदान देना" - "और"

"निवेदन सुनना" और "वरदान देना" इन दोनों उक्तियों का अर्थ एक ही है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो चाहती हूँ वह करने के लिए"

देखें: युग्म

एस्तेर 5:8 (#6)

"राजा" - "हामान भोज में आएँ जिसे उनके लिये करूँगी"

एस्तेर राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृप्या हामान को लेकर एक और भोज में आ जो मैं तेरे लिए तैयार करूँगी"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 5:8 (#7)

"राजा" - "हामान भोज में आएँ जिसे उनके लिये करूँगी"

यदि आप इसके अनुवाद को इस प्रकार करने का निर्णय लेते हैं, "मैंने जो भोज तेरे लिए तैयार किया है," तो "तू" शब्द को द्विवचन में रखें, यदि आपकी भाषा में वह है यह राजा और हामान को संबोधित करता है, अन्यथा बहुवाचन काम में लें।

देखें: 'आप' के रूप — द्विवचन/बहुवचन

एस्तेर 5:8 (#8)

"कल राजा वचन करूँगी"

राजा का वचन अर्थात राजा ने पूछा कि एस्तेर क्या चाहती है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तेरे प्रश्न का उत्तर तब दूंगी"

एस्तेर 5:8 (#9)

"राजा वचन"

एस्तेर राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करती है जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे वचन के अनुसार"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 5:9 (#1)

"बाहर"

"और...भोज से चला गया"

एस्तेर 5:9 (#2)

"आनन्दित मन प्रसन्न"

"आनंदित" और "मन में प्रसन्न," इन दोनों का अर्थ एक ही है। इनका संयोजित उपयोग दर्शाता है कि हामान राजा क्षयर्ष के साथ एस्तेर के भोज में आकर अत्यधिक प्रसन्न था। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत अछा लग रहा था"

देखें: युग्म

एस्तेर 5:9 (#3)

"मन प्रसन्न"

यहाँ **मन** के लाक्षणिक प्रयोग का अर्थ सोचने और अनुभव करने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि हामान बहुत आनंदित था।

देखें: रूपक

एस्तेर 5:9 (#4)

"न खड़ा हुआ"

सामान्यतः अधिकारियों से अपेक्षा की जाती थी कि हामान के सम्मान में भूमि पर झुकें।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:9 (#5)

"सामने न तो खड़ा हुआ, और न हटा,"

इस वाक्यांश का अर्थ है कि मोर्दकै हामान से नहीं डरता था और न ही इस बात से डरता था कि हामान उसके साथ क्या कर सकता है यदि वह राजा के आदेश के अनुसार हामान को सम्मान दिखाने से इंकार कर दे। वैकल्पिक अनुवाद: "न ही कोई डर दिखाया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

एस्तेर 5:9 (#6)

"वह मोर्दकै विरुद्ध क्रोध भर गया"

यहाँ हामान के क्रोध को इस प्रकार व्यक्त किया गया है कि जैसे वह कोई वस्तु है जो उसे भर देती है। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति को 3:5 में कैसे व्यक्त किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै के कारण हामान आग बबूला हो गया"

देखें: रूपक

एस्तेर 5:10 (#1)

""वह"

इस वाक्य और पिछले वाक्य में विषमता है। हामान करना तो कुछ चाहता था परन्तु उसने निर्णय लिया कि कुछ और करना अधिक उत्तम होगा। यह विषमता एक ऐसी उक्ति द्वारा व्यक्त की जा सकती है जैसे, "परन्तु यद्यपि।" वैकल्पिक अनुवाद: "यद्यपि हामान आग बबूला तो हो गया परन्तु उसने क्रोध करने से अपने आप को रोका" या "हामान ने प्रकट करना नहीं चाहा कि वह बहुत क्रोधित है"

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

एस्तेर 5:10 (#2)

"जेरेश"

यह एक स्त्री का नाम है, जो इस अध्याय में और अगले अध्याय में बार-बार आएगा। सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद अपरिवर्तनीय रहे।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 5:11 (#1)

"उनसे" - **"वर्णन किया"**

"तब...उनको लम्बी कहानी सुनाई"

एस्तेर 5:11 (#2)

""धन"

"वैभव" और "धन," ये दोनों शब्द भाववाचक संज्ञा हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान ने उनको बताया कि उसकी धन-संपदा कैसी महान है" या "हामान उनको अपने स्वामित्व की विपुलता के बारे में बताया"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 5:11 (#3)

"बाल-बच्चों बढ़ती"

संभवतः अनेक पुत्र फारसी संस्कृति में प्रतिष्ठा का प्रतीक माने जाते थे। इस वाक्यांश का अर्थ संभवतः यह है कि हामान अपने पुत्रों के कारण फारसी समाज में अपने प्रतिष्ठा पर गर्व कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके पास कितने पुत्र थे"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 5:11 (#4)

"बाल-बच्चों"

इब्रानी भाषा में इस शब्द को कभी-कभी लड़का और लड़की दोनों के लिए काम में लिया जाता था। तथापि यहाँ यह शब्द स्पष्ट रूप में लड़कों के लिए काम में लिया गया है, अतः आप इसका अनुवाद इसी प्रकार करें।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

एस्तेर 5:11 (#5)

"बढ़ाया"

"राजा कैसे उसको अधिकाधिक अधिकार देता रहा" या "राजा ने कैसे उसको अधिक महत्वपूर्ण कार्य दे-देकर अनेक बार सम्मानित किया"

एस्तेर 5:11 (#6)

"से ऊँचा पद दिया था"

यहाँ **उँचा** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ मनुष्य की वर्तमान स्थिति से अधिक ऊँचे और महत्वपूर्ण स्थान में "प्रगति" या "पदोन्नति" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसको अधिक महत्वपूर्ण पद दिया"

देखें: रूपक

एस्तेर 5:11 (#7)

"राजा" - **"हाकिमों"** - **"कर्मचारियों"**

इसका अर्थ अन्य सब से है, जैसा कि 3:1 में स्पष्ट किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके अन्य सब अधिकारियों और व्यवस्थापकों"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:11 (#8)

"राजा ने ... सब हाकिमों और अपने सब कर्मचारियों"

हाकिमों शब्द का अर्थ ऊंचे पद पर बैठे अधिकारी हैं और **कर्मचारियों** शब्द का अर्थ आम तौर पर राजा की सेवा करने वाले सभी लोगों से है। वैकल्पिक अनुवाद: [राजा के अधिकारी और अन्य सहायक]

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

एस्तेर 5:12 (#1)

"छोड़"

वैकल्पिक अनुवाद: "और यही सब कुछ नहीं है!" आप इसका अनुवाद विस्मयादिबोधक वाक्य में कर सकते हैं, क्योंकि हामान के विचार में उसने भविष्य के लिए पूर्ण व्यवस्था कर ली है और अब वह अपने नवीन महत्वपूर्ण सम्मान की चर्चा करने जा रहा है।

देखें: विस्मयादिबोधक

एस्तेर 5:12 (#2)

"एस्तेर रानी" - **"राजा"** - **"आने न"** - **"लिये"** - **"मुझी को"**

"इसको सकारात्मक वाक्य में भी रखा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एकमात्र मैं ही था जिसे रानी एस्तेर ने राजा के साथ आमंत्रित किया था" या "रानी एस्तेर ने केवल हम दो राजा और मुझे ही नेवता दिया था।""

देखें: दोहरे नकारात्मक

एस्तेर 5:12 (#3)

"अपने किए हुए"

"उसने तैयार किया था"

एस्तेर 5:12 (#4)

"मुझे" - **"कल"** - **"भी राजा संग"** - **"नेवता दिया"**

"आप इसको कर्तृवाच्य में भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसने मुझे राजा के साथ कल भी भोज में आमंत्रित किया है।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 5:13 (#1)

"भी मुझे वह" - "दिखाई पड़ता" - "तब-तब सब मेरी दृष्टि में व्यर्थ लगता"

यह बोलने का लाक्षणिक तरीका है। यह ऐसा है जैसे कि हामान तराजू के एक पलड़े में अपने सुख को रख रहा है और दूसरे में अपने दुःख को। हामान कह रहा है कि उसको जितना भी सम्मान मिला है वह उस दुःख से बढकर नहीं है, जो मौर्दकै को देख कर उसे होता है जब वह उसका सम्मान नहीं करता है, अतः तराजू में तौलें तो उसका दुःख अधिक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक मैं उसे देखता रहूँगा तब तक मैं सुख से नहीं रह पाऊँगा" या "यह सब मुझे सुख नहीं देता है" या "...मुझे संतोष नहीं होता है"

देखें: रूपक

एस्तेर 5:13 (#2)

"भी" - "सब"

हामान का आख्यान चल ही रहा है। आप इसको दर्शाने के लिए ऐसा कह कर सकते हैं, "तब हामान ने कहा"

एस्तेर 5:13 (#3)

"यहूदी"

इस वाक्यांश में मौर्दकै के बारे में स्पष्टीकरण जानकारी दी गई है।

देखें:

एस्तेर 5:13 (#4)

"राजभवन फाटक बैठा हुआ"

संभव है कि हामान मौर्दकै द्वारा उसके सम्मान में खड़े न होने के सन्दर्भ में कह रहा है। या सामान्य रूप से उसके व्यवहार के सन्दर्भ में कह रहा हो कि उसने कभी भी उसका सम्मान (झुक कर या खड़े होकर) नहीं किया, जब से वह राजा की सेवा में फाटक पर नियुक्त किया गया है। \nस्थिति जो भी रही हो, अपने अपमान को स्मरण करके हामान दुखी रहता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजगढ़ के फाटक में बैठ कर मेरा सम्मान करने से इनकार करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:13 (#5)

"राजभवन फाटक"

"राजगढ़ के फाटक"

एस्तेर 5:14 (#1)

"पत्नी जेरेश सब मित्रों उससे कहा"

यहाँ क्रिया शब्द स्त्रीलिंग है, इसलिए बात करने वाली जेरेश है। मित्रों का उल्लेख करने का अर्थ है कि वे उसकी बात से सहमत हैं। यदि यह स्पष्ट हो सके तो आप कह सकते हैं: "तब हामान की पत्नी जेरेश ने कहा और उसके मित्रों ने सहमति जताई:

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:14 (#2)

"सब मित्रों"

इसका अर्थ है कि उस दिन हामान ने अपने जिन मित्रों को बुलाया था। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके मित्र जो वहाँ थे"

एस्तेर 5:14 (#3)

"बनाया"

आप कह सकते हैं कि काम कौन करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सेवकों से खड़ा करवा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:14 (#4)

"खम्भा"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 2:3 में कैसे किया है। सहायक सिद्ध हो तो टिप्पणी का अवलोकन करें। सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद अग्रिम अध्यायों में अपरिवर्तनीय हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लकड़ी का खंभा" या "फांसी का फंदा"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 5:14 (#5)

"पचास हाथ ऊँचा"

आप इसको आधुनिक माप में बदल सकते हैं, यदि आप अनुवाद में उन्हें उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पचहत्तर फुट ऊँचा" या "पच्चीस मीटर ऊँचा"

देखें: बाइबिल की दूरी

एस्तेर 5:14 (#6)

"को राजा कहना पर मोर्दकै लटका दिया जाए"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि हामान राजा से क्या कहेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के साथ गोष्ठी करके कह कि तू मौर्दकै को इस खम्भे पर लटकाना चाहता है।"" या "राजा से कह कि तू मौर्दकै को इस पर लटकाना चाहता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:14 (#7)

"को" - "पर मोर्दकै लटका दिया जाए"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप सविस्तार व्यक्त कर सकते हैं कि काम का करने वाला कौन है। सपष्ट है कि हामान के सेवक यह काम करेंगे। क्योंकि यह काम हामान के आदेश और पर्यवेक्षण में होगा इसलिए आप उसी के लिए कह सकते हैं कि वह इस काम को करेगा परन्तु आपकी भाषा में इसको स्पष्ट होना है। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने सेवकों के द्वारा मौर्दकै को उस पर लटकवा दे" या "मौर्दकै को उस पर लटका दे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 5:14 (#8)

"आनन्द" - "भोज में जाना"

तब समय के क्रम से परे का संकेत देता है। जेरेश और मित्र परिणाम का उल्लेख कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके मरणोपरांत तू अच्छी मनोदशा में भोज के लिए जा सकेगा"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 5:14 (#9)

"से" - "इस बात से प्रसन्न होकर हामान"

बात अर्थात जेरेश और मित्रों का सुझाव। लाक्षणिक अर्थ में **मुख** हामान ही का सन्दर्भ देता है क्योंकि वह हामान से सम्बंधित है और प्रकट करता है कि वह क्या सोच रहा है और उसको कैसी अनुभूति हो रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान ने निर्णय लिया कि यह विचार अच्छा है" या "हामान इस सुझाव से प्रसन्न हुआ"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 5:14 (#10)

"खम्भा बनवाया"

अति संभव है कि हामान ने यह काम स्वयं नहीं किया। उसने इसकी आज्ञा दी। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि एक खंभा खड़ा करें" या "उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि फांसी का फंदा तैयार करें"

एस्तेर 5:14 (#11)

"खम्भा"

"आपको इसका अनुवाद वैसा ही करना होगा जैसा आपने इस पद के आरम्भ में किया था, ""खंभा" या "फांसी का फंदा।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर - अध्याय 6 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय हामान के पतन की कथा को आगे बढ़ाता है।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

राजा के पास जाना

किसी व्यक्ति के लिए राजा तक आसानी से पहुँचना सम्भव नहीं था। सामान्यतः, राजा के पास तक पहुँच बहुत सीमित होती थी। इस अध्याय में कई घटनाएँ हैं जो राजा के चारों ओर सुरक्षा की परतों को दर्शाती हैं।

एस्तेर 6:1 (#1)

"उस रात"

यहाँ वृत्तांत में एक नई घटना का समावेश किया गया है। आपकी भाषा में नई घटना के समावेश की व्यावहारिक शैली का प्रयोग करें।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 6:1 (#2)

"राजा नींद नहीं आई"

यहाँ **नींद** को ऐसे कहा गया है कि जैसे वह जीवधारी है और उड़ सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा सो नहीं पाया"

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 6:1 (#3)

"आज्ञा" - "लाई गई"

वह अर्थात राजा। अभिप्रेत अर्थ यह है कि उसने अपने सेवक से कहा कि यह काम करे। पद 3 और 5 इसका संकेत देते हैं। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अतः उसने अपने सेवक को आज्ञा दी कि लेकर आए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:1 (#4)

"इतिहास पुस्तक"

यह वही पुस्तक है जिसका उल्लेख 2:3 में किया गया है: "इतिहास की पुस्तक।" देखें कि आपने इसका अनुवाद वहाँ कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: राजकीय इतिहास की पुस्तक" या "वह सम्पूर्ण समय जब वह राजा रहा है तब की घटनाओं का अभिलेख।"

एस्तेर 6:1 (#5)

"सुनाई"

इसका अर्थ है कि इतिहास पढ़ कर सुनाया गया। आप इसको कर्तृवाच्य में भी व्यक्त कर सके हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह युवक इतिहास कि पुस्तक लाया और ऊंचे स्वर में पढ कर सुनाने लगा"

एस्तेर 6:1 (#6)

"राजा को"

लाक्षणिक प्रयोग में **मुख** का अर्थ मनुष्य की उपस्थिति से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि पुस्तक राजा की उपस्थिति में पढ़ी जा रही थी। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के लिए"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 6:2 (#1)

"लिखा हुआ मिला"

मिला और **लिखा हुआ** इन दोनों को कर्तृवाच्य में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने वहाँ पाया कि लेखकों ने लिखा हुआ था" या "उन्होंने वह भाग पढ़ा जहाँ लेखकों ने लिखा था"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 6:2 (#2)

"मोर्दकै प्रगट किया"

"कहने का अर्थ है कि मौर्दकै ने षड्यंत्र का पता लगा कर उसकी सूचना दे दी, इस प्रकार उसने राजा की जान बचाई। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै ने राजा के विरुद्ध रचे गए षड्यंत्र का भेद लेकर राजा पर प्रकट करके उसकी जान बचाई थी।"" (देखे: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:2 (#3)

"मोर्दकै प्रगट किया"

घटनाओं को कालक्रम में रखने के लिए आप इसको पद के अंत में रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मौर्दकै ने राजा की जान बचाई थी, उसने षड्यंत्र का भेद लेकर राजा पर प्रकट कर दिया था।"

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 6:2 (#4)

"बिगताना तेरेश"

ये वे दो पुरुष हैं, जिनका नाम 2:21 में दिया गया है। वहाँ पहले पुरुष का नाम "बिकतान" लिखा है। इनके नामों में परिवर्तन न करें जिससे कि आपके पाठकों को ध्यान रहे कि वे वही पुरुष हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 6:2 (#5)

"राजा" - "हाकिम" - "दो"

देखें कि आपने 1:10 में "खोजे" का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजकीय अंगरक्षकों में से दो" (देखें [[rc://hi/ta/man/translate/translate-unknown]])

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 6:2 (#6)

"द्वारपाल"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:23 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो राजा के निजी कक्ष के प्रवेश द्वार की सुरक्षा में थी"

एस्तेर 6:2 (#7)

"युक्ति की थी"

यहाँ **खोज में** का अर्थ किसी काम के प्रयास में क्रियाशील होने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने योजना बनाई" या "उन्होंने प्रयास किया"(देखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])

देखें: रूपक

एस्तेर 6:2 (#8)

"हाथ चलाने"

जैसा 2:21 में मिलता है, यहाँ भी "हाथ उठाने" का अर्थ वही है कि हत्या करने की मंशा से किसी को शारीरिक हानि पहुँचाना। "वैकल्पिक अनुवाद: "घात करना" या "हत्या करना"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:3 (#1)

"मोर्दकै क्या प्रतिष्ठा बड़ाई की गई"

प्रतिष्ठा और **बड़ाई** के अर्थ एक ही हैं और इनके संयोजित उपयोग का अर्थ है कि राजा की जान बचाने के बदले में मौर्दकै को निश्चय ही महान सम्मान देने पर बल देना। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों को संयोजित करके इस प्रकार कह सकते हैं, "मौर्दकै के महान सम्मान के लिए क्या किया गया था?" वैकल्पिक अनुवाद: "हमने मौर्दकै को पारितोषक देने के लिए या उसके काम की सराहना करने के लिए क्या किया था?"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 6:3 (#2)

"की गई"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने क्या किया" या "हमने क्या किया" देखें:

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 6:3 (#4)

"उसके लिये कुछ नहीं किया गया"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं। परन्तु ऐसा प्रकट न हो कि सेवकों द्वारा राजा पर दोष लगाया जा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने भी उसके लिए कुछ नहीं किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 6:3 (#3)

"इसके बदले"

"मेरी जान बचाने के लिए"

एस्तेर 6:4 (#1)

"आँगन कौन"

इसका अर्थ इन में से एक हो सकता है: (1) राजा को भान हुआ कि आँगन में कोई है, संभवतः क्योंकि उसने वहाँ किसी की पदचाप सुन ली थी और वह जानना चाहता था कि वहाँ कौन है। (1) क्योंकि महल में लोगों का आना जाना लगा रहता था इसलिए राजा ने अनुमान लगाया कि आँगन में कोई है। जो

भी हो, राजा जानना चाहता था कि वहाँ कौन है कि उसके साथ मौर्दकै का सम्मान करने के लिए विचार विमर्श करे। जैसा कि वृत्तांत में, 1:13 में दर्शाया जा चुका है कि राजा का अभ्यास था कि महत्वपूर्ण विषयों पर अपने परामर्शदाताओं से सुझाव ले। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। \nवैकल्पिक अनुवाद: "राजा किसी के साथ विचार विमर्श करना चाहता था कि मौर्दकै के सर्वोत्तम सम्मान में क्या करना चाहिए, इसलिए उसने पूछा, 'आँगन में कौन है?'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:4 (#2)

"आँगन कौन"

घटनाओं को तर्क एवं कालक्रम में रखने हेतु आप राजा के प्रश्न को पद के अंत में रख सकते हैं, परन्तु इसको आपकी भाषा में व्यावहारिक होना है। राजा ने जब यह प्रश्न पूछा तब हामान आँगन में पहुँच चुका था।

एस्तेर 6:4 (#3)

"हामान राजा भवन बाहरी आँगन इस आया था कि जो खम्भा उसने मोर्दकै लिये तैयार कराया पर लटका देने की चर्चा राजा"

इस वाक्य से संकेत मिलता है कि जब राजा क्षयर्ष ने यह प्रश्न पूछा तब हामान बाहरी आँगन में प्रवेश कर चुका था। आप ऐसे वाक्यांश द्वारा दे सकते हैं जैसे "उस पल" या "उसी समय" या "वे बात कर ही रहे थे कि"

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 6:4 (#4)

"राजा भवन बाहरी आँगन"

वैकल्पिक अनुवाद: "महल का बाहरी आंगन।" इस वाक्यांश से विदित होता है कि बाहर से महल में प्रवेश करते ही पहला स्थान यह आँगन था।

एस्तेर 6:4 (#5)

"उसने मोर्दकै" - "लटका देने की चर्चा राजा"

"राजा को सूचित करने के लिए कि वह मौर्दकै को फांसी देना चाहता है" या "राजा को बताने के लिए कि वह मौर्दकै को खम्भे पर लटकाना चाहता है"

एस्तेर 6:4 (#6)

"इस" - "कि जो खम्भा" - "लिये तैयार कराया"

"उस खम्भे पर जिसे उसने खड़ा करवाया था" या "मौर्दकै के लिए उसने जो फांसी का फंदा तैयार करवाया था"

एस्तेर 6:4 (#7)

"खम्भा"

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 2:23 और 5:14 में कैसे किया है। यदि सहायक सिद्ध हो तो 2:23 की टिप्पणी का अवलोकन करें। वैकल्पिक अनुवाद: "खंभा" या "फांसी का फंदा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:5 (#1)

"राजा सेवकों कहा"

अन्तर्निहित है कि सेवकों ने राजा को उत्तर देने से पहले जाकर देखा होगा, संभवतः खिड़की से या द्वार से, कि आँगन में कौन है। यदि आपकी भाषा में अनुवाद स्पष्ट हो तो आप यह कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे युवा सेवक जो राजा की सेवा में थे, उन्होंने देखा और पाया कि हामान आँगन में था। उन्होंने कहा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:5 (#2)

""

यह एक शब्द जिसका अभिप्राय है कि वक्ता की बात पर श्रोता का ध्यान आकर्षित कराया जाए। यदि आपकी भाषा में इस शब्द के अनुवाद की उत्तम शैली नहीं है, तो आप इसको छोड़ सकते हैं। राजा का ध्यान आकर्षित करने के लिए आप उन युवा सेवकों द्वारा सीधा संबोधन भी दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे राजा,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:5 (#3)

"बुलवा लाओ"

"वह भीतर आ सकता है"

एस्तेर 6:6 (#1)

""हामान"

"""जब हामान भीतर आया तब राजा ने कहा""

एस्तेर 6:6 (#2)

""जिस मनुष्य प्रतिष्ठा राजा चाहता"

यहाँ राजा स्वयं के लिए अन्य पुरुष में कहता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उस पुरुष के लिए क्या करूँ जिसका मैं वास्तव में सम्मान करना चाहता हूँ?"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:6 (#3)

""जिस" - "प्रतिष्ठा राजा चाहता"

किसी काम को करने में प्रसन्न होने का अर्थ है, उस काम को करने में हर्षित होना और उसको वास्तव में करने की मनोकामना करना। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसका सम्मान करने में मैं प्रसन्न हूँ" या "जिसका मैं सम्मान करना चाहता हूँ"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:6 (#4)

"हामान यह सोचकर कि"

यहाँ **मन** के दो भिन्न-भिन्न अर्थ हो सकते हैं। 1) लाक्षणिक उपयोग में "मन" का अर्थ सोचना या अनुभूति करना हो सकता है। इस स्थिति में इस वाक्यांश का अर्थ होगा, "तब हामान ने विचार किया।" 2) "मन" एक रूपक भी हो सकता है, जिसका अर्थ है, किसी वक्ता या वस्तु के "भीतर होना।" "तब हामान ने भीतर ही भीतर सोचा।" जैसा भी हो इस वाक्यांश का अर्थ है कि हामान उच्चारित शब्दों में नहीं कह रहा था अपितु मन ही मन सोच रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान ने अपने आप में सोचा"

देखें: रूपक

एस्तेर 6:6 (#5)

"उचित" - "मुझसे अधिक राजा प्रतिष्ठा करना चाहता होगा"

हामान वास्तव में स्वयं से कह रहा है न कि प्रश्न पूछ कर उसका उत्तर खोज रहा है। वह इस प्रश्न द्वारा इस बात पर बल देता है कि इस कथन को वह कितना सच्चा मानता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस प्रश्न को वक्तव्य में प्रस्तुत कर सकते हैं, "निश्चय ही मुझे छोड़ कर अन्य कोई नहीं है, जिसका सम्मान करने में राजा प्रसन्न हो!" \nवैकल्पिक अनुवाद: "मुझ से अधिक राजा किस का सम्मान करना चाहेगा?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

एस्तेर 6:7 (#1)

"जिस मनुष्य प्रतिष्ठा राजा करना चाहे"

किसी काम को करने में प्रसन्न होने का अर्थ है, उस काम को सहर्ष करना वरन् करने की मनोकामना करना। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस मनुष्य का सम्मान करने में राजा हर्ष का अनुभव करता है" या "जिस मनुष्य का राजा सम्मान करना चाहता है"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:7 (#2)

"जिस मनुष्य प्रतिष्ठा राजा करना चाहे"

हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान का सूचक है। आप इसे राजा के लिए द्वितीय पुरुष में संबोधन दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू किसी को वास्तव में सम्मानित करना चाहता है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:8 (#1)

"लाया जाए"

निहितार्थ यह है कि राजा के सेवक इसको करेंगे। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई लेकर आए" या "अपने सेवकों से लाने को कह"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:8 (#2)

"राजकीय वस्त्र" - "जो राजा पहनता है"

"शब्द **राजकीय** भाववाचक संज्ञा है, जिसका सन्दर्भ उन सब वस्तुओं से है, जो राजा की हैं। आप इस विचार को विशेषण द्वारा भी प्रस्तुत कर सकते हैं, "राजसी वस्त्र।"" वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे राजसी वस्त्रों में से एक जिसको तू पहन चुका है" या "तेरे उन वस्त्रों में से एक जिसको तू पहनता है कि मानो राजा दिखाई दे"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 6:8 (#3)

"जो राजा पहनता है"

हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। राजा के लिए इस संबोधन को द्वितीय पुरुष में दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे तो पहन चुका है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:8 (#4)

"एक घोड़ा जिस पर" - "सवार होता है" - "पर"

हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। आप राजा के लिए इस संबोधन को द्वितीय पुरुष में दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह घोड़ा जिस पर तू सवारी कर चुका है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:8 (#5)

"और सिर" - "जो राजकीय मुकुट धरा जाता है"

यह सम्पूर्ण वाक्यांश घोड़े के सन्दर्भ में है। आप इसको कर्तृवाच्य में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसके सिर पर राजसी मुकुट हो"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 6:8 (#6)

"और सिर" - "जो राजकीय मुकुट धरा जाता है"

कहने का तात्पर्य यह है कि ऐसा करने से प्रकट हो कि घोड़ा राजा का है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: और उसके सिर पर राजसी मुकुट हो कि सर्वविदित हो कि वह तेरा घोड़ा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:8 (#7)

"राजकीय मुकुट"

"शब्द **राजकीय** भाववाचक संज्ञा है, जिसका सन्दर्भ राजा द्वारा अभ्यास किए जाने वाली राजसी अधिकार से है। आप इस विचार को विशेषण शब्द "राजसी मुकुट"" से भी दर्शा सकते हैं।

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 6:9 (#1)

""वस्त्र"

"यहाँ **हाथ** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ सामर्थ्य, नियंत्रण, और अधिकार से है। ऐसा प्रतीत होता है कि राजा अपनी प्रजा के लिए स्वयं ऐसी सेवा नहीं करेगा, चाहे वह उस व्यक्ति का वास्तव में कितना भी सम्मान करना चाहता हो। अतः हामान कह रहा है कि राजा की ओर से, उसके अधिकार और सामर्थ्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, उसका सर्वोच्च अधिकारी उस व्यक्ति को वे वस्त्र और घोड़ा अर्पण करे। \nवैकल्पिक अनुवाद: "तब तेरी ओर से, तेरे सर्वोच्च अधिकारियों में से एक वे वस्त्र और घोड़ा उस मनुष्य को अर्पित करे।""

देखें: रूपक

एस्तेर 6:9 (#2)

"राजा" - "किसी बड़े हाकिम"

हामान राजा को अन्य पुरुष में सम्बोधित करता है, जो सम्मान का सूचक है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इस संबोधन को द्वितीय पुरुष में भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे सर्वोच्च अधिकारियों में से एक"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:9 (#3)

"पहनाया"

शब्द **उनको** बहुवचन में है, जो संभवतः राजा के सेवकों के सन्दर्भ में है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप

इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सेवकों के हाथों उसे वस्त्र पहना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:9 (#4)

"जिसकी प्रतिष्ठा राजा चाहता हो" - **"उसे"**

किसी काम को करने में प्रसन्न होने का अर्थ है, उस काम को करने में हर्ष का अनुभव करना या करने की मनोकामना करना। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस मनुष्य का तू वास्तव में सम्मान करना चाहता है"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:9 (#5)

"जिसकी प्रतिष्ठा राजा चाहता हो" - **"उसे"**

हामान राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप द्वितीय पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस मनुष्य का तू वास्तव में सम्मान करना चाहता है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:9 (#6)

"नगर के चौक में"

या नगर के किसी खुले वृहत स्थान के सन्दर्भ में है, या तो वह स्थान जो महल के सामने था (जैसा 4;6 में है), या नगर के फाटकों में से किसी एक के भीतर का स्थान। स्थिति जो भी हो यह सार्वजनिक स्थान था, जहाँ लोग एकत्र हो सकते थे, अतः यह वह स्थान था जहाँ बड़ी संख्या में लोगों ने देखा होगा कि राजा कैसा मौर्दकै का सम्मान कर रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: "नगर के सार्वजनिक चौक में होकर"

एस्तेर 6:9 (#7)

"प्रचार किया"

"और उस सर्वोच्च अधिकारी और सेवकों से कह कि घोषणा करें" या "उच्च स्वर में कहें"

एस्तेर 6:9 (#8)

"उसके आगे"

यहाँ शब्द **मुख** के आलंकारिक प्रयोग का अर्थ मनुष्य के सामने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि सेवकों को उस घुड़सवार के सामने चलते हुए पुकारना होगा, अर्थात, उन लोगों को सुनाने के लिए जो आगे बढ़ते हुए घोड़े के सामने हों। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके सामने जो कोई भी हो"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 6:9 (#9)

"जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता है उसके साथ ऐसा ही किया जाएगा"

किसी काम को करने में प्रसन्न होने का अर्थ है, किसी काम को करने में हर्ष का अनुभव करना या करने की मनोकामना करना। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ऐसा कर रहा है क्योंकि वह वास्तव में इस मनुष्य का सम्मान करना चाहता है!" या "राजा जब किसी का वास्तव में सम्मान करना चाहता है तब वह ऐसा ही करता है!"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:9 (#10)

"साथ ऐसा ही किया जाएगा"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह राजा कर रहा है" या "राजा ऐसा ही करता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 6:10 (#1)

"राजा" - **"कहा"**

इसका निहित अर्थ है कि राजा को हामान का सुझाव पसंद आ गया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा को यह विचार पसन्द आ गया, अतः उसने कहा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:10 (#2)

"कहने अनुसार" - **"वैसा ही कर"**

"तूने जो भी कहा है उस सब को कर दे" या "तूने जो सुझाव दिया है उसे ज्यों का त्यों कर दे"

एस्तेर 6:10 (#3)

""राजभवन फाटक"

जैसा 2:19 में है, संभवतः यह वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ है कि मौर्दकै राजा के लिए किसी न किसी रूप में कार्यरत था और उसकी नियुक्ति फाटक पर थी। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे सेवकों में से एक जो राजा के फाटक पर नियुक्त है"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:10 (#4)

""राजभवन फाटक"

यहाँ राजा स्वयं के लिए अन्य पुरुष का संबोधन काम में लेता है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद प्रथम पुरुष में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे सेवकों में से एक जो राजा के फाटक पर नियुक्त है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 6:10 (#5)

"कमी होने न पाए"

यहाँ **कमी** रूपक प्रयोग है, जिसका अर्थ छोड़ देना या अपूर्ण रखना से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि हामान को सब कुछ ठीक वैसा ही करना है, जैसा उसने कहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे सुझाव में कुछ भी कमी न रहने देना"

देखें: रूपक

एस्तेर 6:10 (#6)

"कमी होने न पाए"

इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सुनिश्चित कर कि तूने जो कहा है वह पूरा का पूरा वैसा ही हो"

देखें: दोहरे नकारात्मक

एस्तेर 6:11 (#1)

"चढ़ाकर नगर के चौक में"

देखें कि आपने पद 9 में इन अभिव्यक्तियों का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसको घोड़े पर बैठाया और तब घोड़े को नगर के चौक में लेकर चला"

एस्तेर 6:11 (#2)

"पर" - "पुकारता हुआ"

यहाँ शब्द **मुख** का अर्थ लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य के सामने के अर्थ को देने के लिए है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि हामान मौर्दकै के आगे-आगे चलते हुए उन मनुष्यों के सामने घोषणा करता गया जो घोड़े के मार्ग में थे। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके परिवेश में जितने भी लोग थे उनको पुकारता हुआ"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 6:11 (#3)

"जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता है"

किसी काम को करने में प्रसन्न होने का अर्थ किस काम को करने में हर्ष का अनुभव करना या किसी काम को करने की मनोकामना करने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ऐसा कर रहा है, क्योंकि वह इस मनुष्य का वास्तव में सम्मानित करना चाहता है!"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 6:12 (#1)

""शोक करता हुआ"

लोग प्रायः अपने सिरों को तब ढांकते हैं, जब वे दिखाना चाहते हैं कि वे बहुत ज्यादा दुखी हैं या लज्जित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना सिर ढांके हुए क्योंकि वह पूर्णतः अपमानित हो गया था"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 6:13 (#1)

"हामान" - "वर्णन किया"

इसका निहितार्थ है कि जिस प्रकार हामान ने 5:10 में अपने मित्रों को एकत्र किया था कि अपनी प्रतिष्ठा की डींग हांके उसी प्रकार उसने उनको इस बार भी एकत्र किया परन्तु इस बार हाल ही में हुई दु:खद घटना सुनाने के लिए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हामान ने अपने सब मित्रों को फिर से एकत्र किया। उसने कहा...”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:13 (#2)

"सब कुछ जो बीता"

कहने का अभिप्राय है कि उसने उनको वह सब बताया जो “उस दिन” उसके साथ हुआ था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका स्पष्ट वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:13 (#3)

"बुद्धिमान" - "जेरेश उससे कहा"

कहने का अर्थ है कि जिस प्रकार राजा क्षयर्ष के राजकीय परामर्शदाता थे, उसी प्रकार हामान के अपने परामर्शदाता थे। वे उसके “मित्रों” में सम्मिलित थे, जिन्हें उसने इस समय एकत्र किया था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके मित्रों में कुछ परामर्शदाता भी थे, उन्होंने और उसकी पत्नी जेरेश ने उससे कहा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 6:13 (#4)

"बुद्धिमान"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:13 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: “उसके परामर्शदाताओं ने”

एस्तेर 6:13 (#5)

"मोर्दकै जिसे नीचा दिखाना" - "तू"

इसका अर्थ इन दो संभावनाओं में से एक हो सकता है: (1) गिरने का सन्दर्भ झुकने से हो सकता है, जो कि एक रूपक है, जिसका अर्थ अपमानित और पराजित होने से है। हामान चाहता था कि मौर्दकै उसके सामने झुके परन्तु वृत्तांत में इसका विपरीत हो रहा है, अर्थात मौर्दकै के सामने हामान का झुकना (रूपक के भाव में) आरम्भ हो गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “मौर्दकै ने तुझे अपमानित करना आरम्भ कर दिया। यदि तू...” (2) “गिरना लाक्षणिक प्रयोग भी हो सकता है जिसका अर्थ है, “युद्ध में मारा जाना।” इस परिदृश्य में जेरेश हामान और मौर्दकै की तुलना दो सैनिकों से कर रही है, जो लड़ रहे हैं। वह कह रही है कि हामान का “गिरना आरम्भ” हो गया है अर्थात, वह युद्ध में हार रहा है और उसके मारे जाने की संभावना है। वैकल्पिक अनुवाद: “मौर्दकै ने तझे पराजित करना आरम्भ कर दिया है। क्योंकि वह...”

देखें: रूपक

एस्तेर 6:13 (#6)

""

यहाँ शब्द **मुख** के लाक्षणिक प्रयोग का अर्थ मनुष्य के सामने होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ इन दो में से एक है: (1) लाक्षणिक रूप में हामान का मौर्दकै के सामने गिरना (झुकना) आरम्भ हो गया है, या (2) लाक्षणिक अर्थ में हामान और मौर्दकै मल्लयुद्ध में आमने सामने हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसके सामने” या “जिसकी उपस्थिति में”

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 6:13 (#7)

"यहूदियों वंश में का है"

"यहाँ शब्द **वंश** एक रूपक है, जिसका अर्थ “संतान"" से है। यहाँ तुलना का विषय बीज है। जिस प्रकार वृक्ष के बीज और अधिक वृक्षों को उत्पन्न करते हैं, ठीक उसी प्रकार मनुष्य भी संतानोत्पत्ति करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहूदी जाति में से एक”

देखें: रूपक

एस्तेर 6:13 (#8)

""उस"

यहाँ हामान की पत्नी और उसके मित्र भी लाक्षणिक रूप में कह रहे हैं कि जैसे हामान मौर्दकै के साथ युद्ध में है। वैकल्पिक अनुवाद: “तो उससे जीत नहीं पाएगा” या “उससे बढकर तेरा सम्मान नहीं हो सकता है”

देखें: रूपक

एस्तेर 6:13 (#9)

"तो"

इस संयोजक द्वारा प्रबल होने (पिछले उपवाक्य में) और पराजित होने में विषमता प्रकट की गई है।

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

एस्तेर 6:13 (#10)

"पूरी रीति नीचा हो जाएगा"

यहाँ **नीचा होना** (1) या तो यह दर्शाता है कि सन्दर्भ एक बार फिर से दंडवत करने का है, जो अपमान और पराजय के लिए प्रयुक्त रूपक है, या (2) हामान की पत्नी और मित्र कह रहे हैं कि इस लाक्षणिक युद्ध का परिणाम हामान की पराजय होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "तू निश्चय ही उससे हार जाएगा"

देखें: रूपक

एस्तेर 6:13 (#11)

"उससे"

यहाँ शब्द **मुख** का अर्थ लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य के सामने होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि हामान मौर्दकै के साथ संघर्ष में पराजित हो जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके सामने" या "उसकी उपस्थिति में"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 6:14 (#1)

"उससे बातें कर ही रहे थे"

"इस वाक्यांश से संकेत मिलता है कि हामान और उसके मित्र जब उससे बातें कर ही रहे थे तब कोई घटना घटी थी। आपको इसका संकेत एक ऐसे वाक्यांश से देना होगा जैसे "जब।"" वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे आपस में बातें कर ही रहे थे तब राजा के खोजे आ गए।""

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 6:14 (#2)

"राजा खोजे"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है। राजा के सब खोजे एक साथ नहीं आए थे। इसका वर्णन सविस्तार किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के कुछ सेवक "

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 6:14 (#3)

""हामान को" - "फुर्ती से"

"वे हामान को अति शीघ्र ले जाना चाहते थे"

एस्तेर 6:14 (#4)

"एस्तेर के किए हुए"

एस्तेर की सेविकाओं ने भोज की तैयारी में अधिकाँश काम किया होगा। इसका वर्णन सविस्तार किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो एस्तेर और उसकी सेविकाओं ने तैयार किया था"

एस्तेर - अध्याय 7 परिचय

संरचना और स्वरूपण

इस अध्याय में हामान के पतन की कथा समाप्त होती है।

इस अध्याय में अन्य सम्भावित अनुवाद की कठिनाइयाँ

हामान का मुख ढकना

जब "सेवकों ने हामान का मुँह ढाँप दिया," तो वे दर्शा रहे थे कि उसे फांसी की सजा सुनाई गई थी। (देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी)

एस्तेर 7:1 (#1)

""राजा"

एस्तेर ने क्षयर्ष और हामान के अतिथि सत्कार में मात्र मदिरा पान से अधिक किया था। यह लक्षणालंकार है, जिसमें किसी बात के मात्र एक अंश का अभिप्राय उस सम्पूर्ण बात से होता है। यहाँ सम्पूर्ण भोज का वर्णन उसके मात्र एक अंश, मदिरा पान से किया जा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "अतः राजा और हामान एस्तेर द्वारा तैयार किए गए दूसरे भोज में गए"

देखें: संकेतन

एस्तेर 7:2 (#1)

"दूसरे दिन"

इसका सन्दर्भ 5:8 में दिए पहले भोज के अगले दिन से है। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरे भोज के समय" या "दूसरे दिन के भोज में"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 7:2 (#2)

"दाखमधु पीते-पीते"

"जब वे मदिरा पान कर रहे थे" या "जब सेवक मदिरा दाल कर उन्हें दे रहे थे"

एस्तेर 7:2 (#3)

"तेरा क्या निवेदन पूरा किया क्या माँगती आधा राज्य तक दिया जाएगा"

"इन दोनों कथनों का अर्थ लगभग एक ही है। क्षयर्ष एक ही बात को दो बार कहता है, परन्तु भिन्न-भिन्न रूपों में कि प्रकट हो कि वह वास्तव में एस्तेर की मांग को पूरा करने में दृढसंकल्प है। यदि आपके पाठकों के लिए यह उलझन उत्पन्न करे तो आवश्यक नहीं कि आप दोनों वाक्यांशों का अनुवाद करें। वैकल्पिक अनुवाद: "अब मुझ से कह कि तुझे क्या चाहिए। मुझ से कह और मैं तेरे लिए वह करूंगा।""

देखें: समांतरता

एस्तेर 7:2 (#4)

"क्या निवेदन"

क्षयर्ष ने अब एस्तेर को अनुमति दी कि वह दो बार भोज में उनका अतिथि सत्कार करे। परन्तु वह जानता था कि उसने उसके सम्मान में और उनके सम्बन्ध के निमित्त ऐसा किया है और यह एक संकेत है कि वह एक महत्वपूर्ण एवं आपातकालीन निवेदन करना चाहती है। आप इसको राजा के प्रश्न में दर्शा सकते हैं, "अब तू मुझसे कह कि तुझे वास्तव में क्या चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 7:2 (#5)

"पूरा किया" - "दिया जाएगा"

इन कर्मवाच्य समानान्तर कथनों को आप एक ही कर्तृवाच्य वाक्य में समाहित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू जो माँगती है वह मैं तुझे दूँगा" या "तू जो कहेगी वह मैं करूँगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 7:2 (#6)

"निवेदन" - "माँगती"

ये दो भाववाचक संज्ञा शब्द, "निवेदन" और "मांगना" एक ही वाक्यांश में क्रिया शब्द, "चाहना" के प्रयोग से व्यक्त किए जा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू वास्तव में जो चाहती है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 7:2 (#7)

"आधा राज्य तक"

देखें कि आपने 5:3 और 5:6 में इसका अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू जो भी मांगेगी मैं तुझे दूँगा, चाहे वह कितनी भी बड़ी बात हो।"

देखें: अतिशयोक्ति

एस्तेर 7:3 (#1)

"उत्तर दिया"

यहाँ एक ही विचार को संयोजक शब्द "और" से जोड़ कर दो शब्दों द्वारा व्यक्त किया जा रहा है। इन दोनों शब्दों का एक साथ अर्थ है कि एस्तेर ने राजा के प्रश्न का उत्तर दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "उत्तर दिया"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 7:3 (#2)

"यदि" - "प्रसन्न है" - "को"

शब्द **अनुग्रह** का अर्थ किसी मनुष्य का अनुमोदन या स्वीकार किया जाने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू मुझे जाँचे और मेरा अनुमोदन करे"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 7:3 (#3)

"यदि" - "प्रसन्न है" - "को"

यहाँ शब्द **आँखों** का लाक्षणिक प्रयोग देखने के अर्थ को देता है और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देने या आंकने के लिए एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू मुझे आँक कर मेरा अनुमोदन करे" या "तू मुझ से प्रसन्न हो"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 7:3 (#4)

"राजा"

इस परिदृश्य में एस्तेर क्षयर्ष को सीधा संबोधित कर रही है, "हे राजा," न कि सम्मान सूचक अन्य पुरुष में संबोधित कर रही है जैसा कि वह और अन्य लोग वृत्तांत में अन्य प्रसंगों में करते रहे हैं। इससे उसके कथन में निहित विशेष आपातकालीन अवस्था का संकेत मिलता है, अतः उचित होगा कि इसको आपके अनुवाद में रखा जाए या इस आपातकालीन अवस्था को किसी और शैली में प्रकट किया जाए।

एस्तेर 7:3 (#5)

"राजा" - "पर" - "और" - "स्वीकार"

यह वाक्य पद्धति है, जो 1:19, 3:9, 5:4 और 5:8 में भी प्रकट है। उन स्थानों में सुझावित अनुवाद था, "हे राजा, यदि यह योजना तुझे उचित जान पड़े तो।" वह वक्ताओं द्वारा प्रयुक्त वैशिष्ट निरूपण शैली के लिए उपयुक्त था। परन्तु यहाँ एस्तेर ने राजा को सीधा संबधित किया है, "हे राजा" और वह अपने लोगों की जीवन रक्षा के लिए आपातकालीन याचना कर रही है। अतः यहाँ अधिक उत्तम वैकल्पिक अनुवाद होगा, " मुझे पूरी आशा है कि तू मेरी मांग को पूरा करेगा।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 7:3 (#6)

"निवेदन माँगने लोगों प्राणदान मिले"

मेरे निवेदन से और मेरे मांगने से** इन दोनों उक्तियों का अर्थ एक ही है। इनके दोहरे प्रयोग के द्वारा निवेदन की आपातकालीन अवस्था पर बल दिया गया है। यदि आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो तो आप इन दोनों निवेदनों को संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मेरे जीवन की रक्षा कर और मेरे लोगों को बचा ले" या "मेरा निवेदन है कि मेरी और मेरे लोगों की जान बचा ले।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 7:3 (#7)

"प्राणदान मिले"

आप इसको कर्तृवाच्य में भी प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मेरे जीवन की रक्षा कर"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 7:3 (#8)

"माँगने"

"निवेदन" एक भाववाचक संज्ञा शब्द है, जिसका अनुवाद क्रिया शब्द, "मांगना" द्वारा भी किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यही तो मैं मांग रही हूँ" या "यही है जो मैं चाहती हूँ"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 7:3 (#9)

"लोगों"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट न हो सके तो आप पिछले उपवाक्य में छोड़े गए शब्दों को यहाँ दोहरा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे लोग मुझे दिए जाने दे" \n

देखें: विराम बिंदु

एस्तेर 7:3 (#10)

"निवेदन"

भाववाचक संज्ञा शब्द, "निवेदन" का अनुवाद क्रिया शब्द, "मांगना" द्वारा किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यही तो मैं मांग रही हूँ" या "यही है जो मैं चाहती हूँ"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 7:4 (#1)

"क्योंकि" - "बेच डाले"

"जैसा एस्तेर पद में आगे चलकर कहती है, यहूदियों को पैसे के लिए नहीं बेचा गया था। यहाँ **बेचना** एक लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ "सौंप दिए जाने"" से है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस अर्थ को इस प्रकार कुछ कह कर व्यक्त कर सकते हैं, "क्योंकि किसी हमें बैरियों के हाथों में कर दिया है" विकल्प में आप इसी लाक्षणिक प्रयोग के द्वारा तुलना को प्रकट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तो ऐसा है कि मैं और मेरे लोग मवेशी हैं जिन्हें वध होने के लिए बेचा जा चुका है।"

देखें: रूपक

एस्तेर 7:4 (#2)

"क्योंकि" - "बेच डाले"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि किसी ने हमको बेच दिया है" या "किसी ने हमको हमारे बैरियों के संकट में डाल दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 7:4 (#3)

"घात नाश"

जैसा 3:13 में मिलता है, इन शब्दों के अर्थ एक ही हैं और इनका संयोजित उपयोग विनाश की पूर्णता पर बल देता है। यदि आपकी भाषा में तीन शब्दों का संयुक्त उपयोग करना कठिन हो या उलझन उत्पन्न करे तो आप एक ही शब्द का उपयोग करें और संकेत दें कि विनाश चरम सीमा पर है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे हम में से हर एक जन को मार डालेंगे" ("युग्मक" में दो से अधिक शब्द भी हो सकते हैं)

देखें: युग्म

एस्तेर 7:4 (#4)

"घात और नाश किए जानेवाले हैं"

यदि आपकी भाषा में ऐसे भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उन्हें एक या अधिक क्रियाओं से बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे हम में से हर एक को घात करने वाले हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

एस्तेर 7:4 (#5)

"यदि दास-दासी बेच डाले जाते"

"यदि पुरुष वरन स्त्रियाँ भी दासत्व में बेच दिए गए होते"

एस्तेर 7:4 (#6)

"विरोधी राजा हानि भर न सकता"

"एस्तेर राजा को बताने के लिए बहुत ही अधिक शिष्टता और कुछ अतिशयोक्ति के साथ प्रभाव डालने के लिए बोल रही है कि यह उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है। उसके कहने का अर्थ वास्तव में यह है कि उसके लोगों का दासत्व में से उबारे जाने का महत्त्वपूर्ण काम होगा अपेक्षा इसके कि राजा उनकी ओर से हस्तक्षेप का कष्ट न उठाए। (5:13 में हामान इसी अर्थ को "व्यर्थ" शब्द द्वारा व्यक्त करता है।) वैकल्पिक अनुवाद: "वह तो तुझे कष्ट देने के लिए बहुत ही छोटी सी बात होती" या "तेरे जैसे राजा के लिए वह एक छोटी सी बात है परन्तु यह तो बहुत ही बुरा है।""

देखें: अतिशयोक्ति

एस्तेर 7:4 (#7)

"राजा"

एस्तेर राजा क्षयर्ष को अन्य पुरुष में संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 7:5 (#1)

"तब" - "पूछा"

इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रतिक्रया दिखाई"

देखें: युग्म

एस्तेर 7:5 (#2)

""से" - "वह कौन"

इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है। दोनों शब्दों में यहूदियों का विनाश करने का प्रयत्न करने वाले की पहचान पूछी गई है। राजा क्षयर्ष दोहरे प्रश्नों द्वारा अपने गुस्से पर बल देता है। यदि आपकी भाषा में उक्तियों का दोहरा उपयोग उलझन उत्पन्न करे तो आप इनको संयोजित उपयोग कर सकते हैं। तथापि दूसरे दृष्टिकोण से उस मनुष्य की पहचान और उसकी स्थिति का ज्ञान होना आवश्यक है कि उसके षड्यंत्र को विफल किया जा सके। अतः इस कारण से आपको इन दोनों उक्तियों को अनुवाद में रखना उचित होगा।

देखें: समांतरता

एस्तेर 7:5 (#3)

""से" - "वह कौन"

"यह किसने किया है"

एस्तेर 7:5 (#4)

""से" - "कहाँ जिस ऐसा करने"

यहाँ **पूर्ण मन** की संकल्पना तत्काल ही दो रूपकों का प्रयोग करती है। "मन" लाक्षणिक प्रयोग में विचारों और अनुभूति को दर्शाता है। और "मन" के "पूर्ण" होने का उपयोग इसके लाक्षणिक अर्थ को देता है कि मनुष्य किसी काम को करने की ठान चुका है, सामान्यतः वह काम जिसे करना उचित नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "कहाँ है वह पुरुष जिसने ऐसा करे की ठान ली है?"

देखें: रूपक

एस्तेर 7:6 (#1)

"वह" - "शत्रु"

इन शब्दों का अर्थ एक ही है। संयोजित उपयोग में वे यहूदियों के प्रति हामान की पूर्ण घृणा पर बल देते हैं। यदि आपकी भाषा में अधिक व्यावहारिक हो तो आप इनको संयोजित कर सकते हैं और बल देने के लिए भिन्न रूप से दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: वह जो हमारे लिए विनाश की देवी है"

देखें: युग्म

एस्तेर 7:6 (#2)

"भयभीत"

"बहुत ही भयभीत हो गया"

एस्तेर 7:6 (#3)

"सामने भयभीत"

यहाँ शब्द **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने के अर्थ को देता है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि अब हामान राजा क्षयर्ष और रानी एस्तेर की उपस्थिति में अत्यधिक भयभीत हो गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके कारण हामान राजा और रानी के उपस्थिति बहुत डर गया" (देखें; [[rc://hi/ta/man/translate/figs-प्रतिन्यास]])

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 7:7 (#1)

"राजा क्रोध दाखमधु पीने उठकर"

यहाँ "क्रोध से भरकर" वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ आग बबूला होने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा आग बबूला होकर उठ गया"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 7:7 (#2)

"राजभवन बारी में"

"कहने का अभिप्राय यह है कि क्षयर्ष बाहर चला गया क्योंकि वह सुनकर स्तब्ध था और उससे उभरना चाहता था, जिस व्यक्ति को उसने अपने साम्राज्य में सर्वोच्च पद प्रदान किया वही उसकी रानी और उसके लोगों को नष्ट करने का षड्यंत्र रच रहा है। क्षयर्ष के लिए आवश्यक था कि वह विरोधी स्वामिभक्ति का निवारण करे वरन निर्णय ले कि इस विषय में क्या करना है। यदि स्पष्ट हो सके तो आप विस्तारपूर्वक कह सकते है कि वह उठकर बाहर क्यों गया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह महल की वाटिका में बाहर निकल गया कि आगे की कार्यवाही पर निर्णय ले।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 7:7 (#3)

"प्राणदान माँगने को"

यहाँ शब्द **मांगने** का लाक्षणिक उपयोग किसी बात के लिए याचना या निवेदन करने के अर्थ को देने के लिए दिया गया है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि हामान एस्तेर से याचना कर रहा था कि वह राजा को मनाए कि उसको मृत्युदंड न दे। वैकल्पिक अनुवाद: "रानी एस्तेर से जीवन दान की भीख मांगने के लिए"

देखें: रूपक

एस्तेर 7:7 (#4)

"और" - "देखकर"

यहाँ शब्द **देखना** ज्ञान, अवलोकन ध्यान देने या आंकने के लिए रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे यह बोध हुआ" या "वह समझ गया"

देखें: रूपक

एस्तेर 7:7 (#5)

"राजा हानि" - "से"

आप इसे कर्तृवाच्य में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “राजा ने उसके विरुद्ध विनाश का निर्णय ले लिया था” या “राजा ने उसको नष्ट करने की ठान ली थी” या “राजा ने उसकी हत्या करने का संकल्प कर लिया था”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 7:7 (#6)

"राजा हानि" - **"से"**

"भाववाचक संज्ञा शब्द “बुरे"" का अर्थ “हानि” से है, परन्तु पिछले पद के सदृश्य अनैतिक बुराई नहीं है। इस प्रकरण में, इसका अनुवाद क्रिया शब्द, “मार डालना” हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “अति संभव है कि राजा उसको मृत्युदंड दे”

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 7:8 (#1)

"राजा" - **"लौट आया हामान"** - **"झुक रहा"**

निहितार्थ यह है कि जब राजा लौट कर कक्ष में आया तब उसने वह देखा जो पद में आगे वर्णन किया गया है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका वर्णन सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जब राजा लौट कर आया...उसने देखा कि हामान गिरा हुआ था...” (देखें [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 7:8 (#2)

"हामान चौकी पर जिस एस्तेर बैठी झुक रहा"

यहाँ अन्तर्निहित अर्थ यह है कि हामान का यह व्यवहार जीवन दान की याचना के निमित्त था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस जानकारी को इस वाक्यांश के अंत में जोड़ सकते हैं: “...क्योंकि वह एस्तेर से जीवन दान की भीख मांग रहा था”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 7:8 (#3)

"हामान चौकी पर जिस एस्तेर बैठी झुक रहा"

यदि आप घटनाओं को कालक्रम में रखना अधिक उचित समझते हैं तो आप इस जानकारी को पद में पहले रख सकते हैं। देखें यूएसटी।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 7:8 (#4)

"हामान चौकी पर जिस एस्तेर बैठी झुक रहा"

"**झुक रहा है** अर्थात जीवनदान मांगते हुए हामान सीधा खड़ा नहीं था वरन वह तख़्त पर बैठी हुए एस्तेर के अत्यधिक निकट आ गया था (जब राजा लौट कर आया तो उसकी समझ में जो आया उससे ऐसा प्रतीत होता है कि याचना करते समय हामान रानी के हाथों को या कन्धों को पकडे हुए होगा।) \nवैकल्पिक अनुवाद: जब एस्तेर भोज के तख़्त पर आधी लेटी हुई थी तब हामान उसके अत्यधिक निकट आ गया था” या “हामान ने स्वयं को उस तख़्त पर गिरा दिया था जिस पर एस्तेर आधी लेटी हुई थी।"" \n

देखें: मुहावरा

एस्तेर 7:8 (#5)

"चौकी" - **"जिस एस्तेर बैठी"**

उस संस्कृति में, विशेष करके ऐसे भोजों में, धनवान लोग खाते और पीते समय तख्तों पर आधे लेटते थे। वैकल्पिक अनुवाद: “एस्तेर का भोजन तख़्त”

एस्तेर 7:8 (#6)

"और" - **"घर ही"** - **"रानी से बरबस करना चाहता"**

हामान के इस व्यवहार को देख कर राजा के शब्द प्रश्नवाचक वाक्य [illegible]ें उभरे जो उसके विस्मय और क्रोध को प्रकट करते हैं। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको सकारात्मक वाक्य में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह तो रानी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास कर रहा है!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

एस्तेर 7:8 (#7)

"और" - **"रानी से बरबस करना चाहता"**

किसी परेशान करने वाली बात को वृत्तांत में मृदु अभिव्यक्ति में व्यक्त किया गया है। इस प्रकरण में, “बरबस” का अर्थ

"बलात्कार" करने से है। राजा ने सोचा कि हामान एस्तेर का बलात्कार करने का प्रयास कर रहा है, और संभव है कि उसने यही कहा होगा। यदि आप इसको स्पष्ट करना चाहते हैं, तो अपने अनुवाद में इसे प्रकट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रानी का बलात्कार करने का प्रयास"

देखें: शिष्टता

एस्तेर 7:8 (#8)

"घर ही"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक सा ही है। उनमें व्यक्त विचार पर बल देने के लिए ही उनको दो बार प्रस्तुत किया गया है । यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशों को संयोजित कर सकते हैं। तथापि, यदि हामान एस्तेर का बलात्कार करने का प्रयास कर रहा होता तो इन में से प्रत्येक वाक्यांश एक लेशमात्र भिन्न बात का संकेत देता है। यह राजा के भरोसे को तोड़ना था वरन अतिथि सत्कार में निहित विश्वास को भंग करना भी है। अतः आप इन दोनों वाक्यांशों को समाहित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी उपस्थिति में और मेरे ही घर में"

देखें: समांतरता

एस्तेर 7:8 (#9)

"राजा मुँह यह वचन निकला ही था"

यह अभिव्यक्ति मुख के उद्गारों के कार्यकारी प्रभाव को दर्शाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्यों ही राजा ने यह कहा"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 7:8 (#10)

"मेरे सामने ही" - **"यह वचन"** - **"हामान मुँह ढाँप दिया"**

राजा ने कहा और सेवकों ने तुरंत ही हामान का मुख ढाँक दिया। एक के बाद एक कार्य। तथापि यह कार्य इतने शीघ्रता से हुआ कि बीच में समय ही नहीं रहा। आप "ज्यों ही" के उपयोग द्वारा इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने यह कहा ही था कि उन्होंने हामान के मुख को ढाँक दिया"

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 7:8 (#11)

"मेरे सामने ही" - **"हामान मुँह ढाँप दिया"**

कहने का अर्थ है कि राजा के जो सेवक वहाँ थे, उन्होंने यह काम किया और उन्होंने ऐसा इसलिए किया कि वे समझ गए थे कि राजा हामान को मृत्युदंड देना चाहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके कुछ सेवकों ने हामान के मुख को ढाँक दिया क्योंकि उसको मृत्युदंड दिया जाना निश्चित था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 7:8 (#12)

"मेरे सामने ही" - **"हामान मुँह ढाँप दिया"**

इस संस्कृति में, जैसा कि अन्य अनेक संस्कृतियों में भी पाया जाता है, मुख को ढाँक देने का अर्थ है कि मनुष्य को मृत्युदंड दिया जा चुका है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके कुछ सेवकों ने हामान के मुख को इसलिए ढाँक दिया कि उसका मार डाला जाना स्पष्ट प्रकट हो"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 7:9 (#1)

"हर्बोना"

यह पुरुष का नाम है। देखें कि आपने 1:10 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 7:9 (#2)

"सामने खोजों में से" - **"एक राजा"**

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने के अर्थ को देता है। इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि हर्बोना उन खोजों में से एक था जो राजा की निजी सेवा में थे।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 7:9 (#3)

"सामने खोजों" - **"राजा"**

देखें कि आपने इस शब्द का और इस वाक्यांश का अनुवाद 1:10 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "अंगरक्षक जो राजा की निजी सेवा में थे"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 7:9 (#4)

""

देख यह एक ऐसा शब्द है, जो वक्ता की बात की ओर श्रोता का ध्यान आकर्षित करने के लिए काम में लिया जाता है। यदि आपकी भाषा में इस शब्द के अनुवाद की उचित शैली न हो तो इसको अनुवाद में रखने की आवश्यकता नहीं है। तथापि, अपनी भाषा में ऐसी शैली काम में लें जो राजा को सीधा संबोधित करने में स्वाभाविक हो, जैसे, "हे राजा!"

एस्तेर 7:9 (#5)

""हामान के"

"हामान ने अपने घर पर एक खंभा [या फांसी का फंदा] लगाया है क्योंकि वह मौर्दकै को उस पर लटकाना [फांसी देना] चाहता है"

एस्तेर 7:9 (#6)

"खम्भा"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 2:23, 5:14 और 6:4 में कैसे किया है। सहायक सिद्ध हो तो 2:23 पर टिप्पणी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "लकड़ी का खंभा" या "फांसी का फंदा"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 7:9 (#7)

"मोर्दकै" - "जिस ने राजा हित की बात कही"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि मौर्दकै ने कोई ऐसी बात कही जिससे राजा को लाभ हुआ। विशेष करके, मौर्दकै ने हत्या के षड्यंत्र का भेद लेकर राजा को सूचित किया था और इस प्रकार उसकी जान बचाई थी।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 7:9 (#8)

"राजा हित की बात कही"

हर्बोना राजा को अन्य पुरुष में संबोधित करता है, जो सम्मान सूचक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी जान बचाई थी"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 7:9 (#9)

"खड़ा है"

"खड़ा किया गया है"

एस्तेर 7:9 (#10)

"पचास हाथ ऊँचा"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको आधुनिक माप में बदल सकते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:14 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "पचहत्तर फुट ऊँचा" या "पच्चीस मीटर ऊँचा"

देखें: बाइबिल की दूरी

एस्तेर 7:9 (#11)

"उसको उसी पर लटका दो"

उसने अर्थात हामान ने। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पर हामान को फांसी दे दो [या लटका दो]"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 7:10 (#1)

"खम्भे"

जैसा पिछले पद में मिलता है, इसका सन्दर्भ लकड़ी के खम्भे या फांसी के फंदे से है। देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद वहाँ कैसे किया है।

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 7:10 (#2)

"राजा गुस्सा ठण्डा हो गया"

"यहाँ, वृत्तांत में राजा के क्रोध की तुलना जलप्रलय से की गई है, जो महा विनाश लाती है। "उतरना" अर्थात, पानी बह जाना और उसका स्तर गिर जाना। आप इस अर्थ को कुछ इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं, "तब राजा का क्रोध कम हुआ" या "तब राजा इतना क्रोधित नहीं था।"" या आप अपनी भाषा में

सार्थक एक भिन्न रूपक काम में ले सके है जैसे, "तब राजा ठंडा हुआ।"

देखें: रूपक

एस्तेर - अध्याय 8 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

परमेश्वर की रक्षा

इस अध्याय में यहोवा यहूदियों के सम्भावित विनाश को रोकने के लिए कार्य करते हैं। परमेश्वर अपने लोगों की रक्षा के लिए एस्तेर और मोर्दकै का उपयोग किया।

एस्तेर 8:1 (#1)

"उसी दिन"

"इसका अर्थ इन तीन बातों में से एक हो सकता है। (1) अब घटनाओं की एक नवीन श्रृंखला का वर्णन किया जा रहा है, परन्तु वृत्तांत में स्पष्ट करने का प्रयास है कि यह सब उसे दिन हुआ जब दूसरे भोज का आयोजन किया गया था। यह दोपहर बाद हुआ होगा, परन्तु विचार यह है कि जब हामान की जान और संपदा गई तब एस्तेर अपने बैरी के वंचित होने से संपन्न हुई: वैकल्पिक अनुवाद: "उसी दिन" (2) यह अभिव्यक्ति वाक्य पद्धति भी हो सकती है जिसका अर्थ "उस दिन"" से है। इसका सन्दर्भ हामान की संपदा का एस्तेर के नाम किए जाने की प्रभावी तिथि से भी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी दिन।" (3) ""दिन"" शब्द का उपयोग लाक्षणिक भी हो सकता है जिसका अर्थ होगा, उसे समय के लगभग।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 8:1 (#2)

"राजा क्षयर्ष" - "हामान का घरबार एस्तेर रानी को दे दिया"

यहाँ **घरबार** का लाक्षणिक प्रयोग हामान के कुटुम्ब और संपदा को देने के लिए गया है। वृत्तांत में मात्र एक भाग के उल्लेख से उसकी सम्पूर्ण संपदा का सन्दर्भ का सन्दर्भ दिया जा रहा है। या "घरबार" "संपदा का अर्थालंकार है, अर्थात, मनुष्य का सम्पूर्ण स्वामित्व जो उसके घर में है, वरन व्यापक परिप्रेक्ष्य में घर के बाहर का भी सब कुछ। \nवैकल्पिक अनुवाद: "राजा क्षयर्ष ने घोषणा कर दी कि हामान का सब कुछ अब रानी एस्तेर का होगा"

देखें: संकेतन

एस्तेर 8:1 (#3)

"विरोधी"

इस वाक्यांश में हामान के बारे में जानकारी दी गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों का बैरी"

देखें:

एस्तेर 8:1 (#4)

"मोर्दकै सामने आया" - "राजा"

निहितार्थ यह है कि जब राजा को ज्ञात् हुआ कि मोर्दकै एस्तेर से कैसे सम्बंधित है, तो उसने उसको अपनी उपस्थिति में बुलवाया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब राजा को इसका पता चला तो उसने मौर्दकै को अपनी उपस्थिति में बुलवाया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:1 (#5)

"सामने" - "राजा"

यहाँ शब्द **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि मौर्दकै को राजा की उपस्थिति में आने की अनुमति मिल गई थी। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी उपस्थिति में"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:1 (#6)

"एस्तेर" - "बताया था उससे उसका क्या नाता था"

वैकल्पिक अनुवाद: "एस्तेर ने राजा को बता दिया था कि मौर्दकै का सम्बन्ध उसके साथ कैसा है" आप राजा द्वारा मौर्दकै के बुलाए जाने से पहले इसका उल्लेख पहले कर सकते हैं, क्योंकि यह पहले हुआ है। देखें: यूएसटी।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 8:1 (#7)

"एस्तेर" - "बताया था उससे उसका क्या नाता था"

एस्तेर ने राजा को यह बताया। हो सकता है कि उसने केवल यही नहीं बताया होगा कि उसका और मौर्दकै का सम्बन्ध क्या है, वरन् यह भी बताया कि उसके माता-पिता के मरणोपरांत उसने उसका पालन-पोषण किया था। आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एस्तेर ने राजा को बताया कि मौर्दकै उसका चचेरा भाई है और उसके पिता स्वरुप भी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:2 (#1)

"तब राजा ने वह मुहर वाली अंगूठी" - "उसने" - "उतार कर मोर्दकै दे दी"

मौर्दकै को अंगूठी देने का अर्थ है कि अब मौर्दकै राजा ही के अधिकार से काम कर सकता है और इससे वह उस काम के योग्य भी ठहरा। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब राजा ने मौर्दकै को वह अंगूठी दे दी जिससे प्रकट था कि उसमें राजा के अधिकार में काम करने की क्षमता है।"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 8:2 (#2)

"वह मुहर वाली अंगूठी"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 3:10 में कैसे किया है। यदि सहायक सिद्ध हो तो वहाँ व्याख्या का अवलोकन भी करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अंगूठी जिस पर उसकी आधिकारिक मोहर थी"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 8:2 (#3)

"जो" - "हामान से"

इसका अर्थ है कि राजा ने हामान से अपने वह अंगूठी ले ली थी। उसने ऐसा तब किया होगा जब उसने हामान को मृत्युदंड दिया था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने हामान को उसकी आधिकारिक मोहर वाली अंगूठी दी थी। परन्तु जब उसने उसको मृत्युदंड दिया था तब वह अंगूठी वापस ले ली थी और वह उसको पहने हुए था।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:2 (#4)

"जो" - "हामान से"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस जानकारी को पद के आरम्भ में रख सकते हैं, क्योंकि यह सबसे पहले की घटना है।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 8:2 (#5)

"मोर्दकै दे दी"

अपनी मोहर वाली अंगूठी मौर्दकै को देकर राजा ने मौर्दकै को महत्वपूर्ण दस्तावेज़ लिखने का अधिकार दे दिया कि लोग उसका पालन करें। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। देखें यूएसटी।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:2 (#6)

"किसी को किसी पर अधिकारी ठहराने का लाक्षणिक उपयोग में अर्थ है, उसको प्रभारी नियुक्त करना।

देखें: रूपक

एस्तेर 8:2 (#7)

पद 1 में इस वाक्यांश की व्याख्या देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "सब कुछ जो हामान का था" या "हामान का घर-संसार"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:3 (#1)

यहाँ क्रियाओं की प्रगति का यथार्थ अर्थ अनिश्चित है, परन्तु संभवतः यह पद वृत्तांत में एक नवीन घटना का आरम्भ करती है, जो पिछले पद की घटना से पृथक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तब एस्तेर ने राजा की उपस्थिति में पुनः कहा"

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 8:3 (#2)

यहाँ शब्द **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह उसकी उपस्थिति में थी"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:3 (#3)

यहाँ **गिर कर** वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ झुकना या दंडवत करने में है और **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य, स्थान या वस्तु के सामने होने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह झुक गई" या "उसने दंडवत किया"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:3 (#4)

इसका वास्तविक अर्थ यह हो सकता है कि एस्तेर ने राजा क्षयर्ष के पावों पर मुँह रख दिया। यह दीनता और घोर निराशा का प्रदर्शन था जिसके द्वारा उसने प्रकट किया कि उसकी आवश्यकता चरम सीमा पर है और वह विश्वास करती है कि राजा का महा सामर्थ्य उसकी सहायता कर सकता है।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 8:3 (#5)

"ली थी" - **"एस्तेर मोर्दकै को हामान घरबार पर"**

""संभवतः एस्तेर की यह भाव भंगिमा उस संस्कृति में विनती करने का एक मान्य चिन्ह था। तथापि, एक रानी के लिए उसके पति अर्थात राजा के चरणों में नतमस्तक होना अद्‌भुत बात थी। आप इस जानकारी का एक ऐसे वाक्यांश के द्वारा समावेश कर सकते हैं जैसे, ""वस्तुतः।"" वैकल्पिक अनुवाद: "वस्तुतः अपनी हताशा भरी याचना को प्रकट करने के लिए एस्तेर ने गिरकर उसके पावों पर अपना मुख रख दिया।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:3 (#6)

"पाँव" - **"उससे"**

यहाँ **मुख** लक्षणलंकार है, जिसका अर्थ मनुष्य, स्थान या वस्तु के सामने होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर ने राजा क्षयर्ष के पावों के सामने दंडवत किया।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:3 (#7)

"उसके" - **"अगागी हामान बुराई"** - **"निष्फल की जाए"**

यहाँ **बुराई** का सन्दर्भ हामान की योजना से है। \nइस अभिव्यक्ति का अर्थ अनुचित काम को रोकने से है। \nवैकल्पिक अनुवाद: "अगागी हामान की दुष्ट योजना को रोकने के लिए" या "उन बुराइयों को होने से रोकने के लिए जिनकी योजना अगागी हामान ने बनाई थी" \n

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:3 (#8)

"अगागी"

यह हामान की जाति का नाम है। देखें कि आपने 3:1 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 8:3 (#9)

"हानि की" - **"युक्ति"**

"और जो षड्यंत्र उसने रचा" या "हामान द्वारा रचे गए षड्यंत्र"

एस्तेर 8:4 (#1)

"राजा एस्तेर सोने का राजदण्ड बढ़ाया"

"जैसा 5:2 में मिलता है, राजा क्षयर्ष ने एस्तेर पर अपनी कृपा दृष्टि दिखाने के लिए ऐसा किया था। पहले भी राजा ने ऐसा किया था जिसका अर्थ था कि वह एस्तेर पर मृत्यु दंड का क़ानून लागू नहीं करेगा जबकि वह बिन बुलाए भीतरी आँगन में प्रवेश कर गई थी। अब क्योंकि एस्तेर इस समय प्रत्यक्षतः राजा की उपस्थिति में थी, तो ऐसा प्रतीत होता है कि यह भाव भंगिमा सामान्यतः प्रकट करती है कि राजा निश्चय ही उस व्यक्ति के प्रति समर्पित है कि उसकी याचना को साकार करे। \nवैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने अपना सोने का राजदंड एस्तेर के ओर बढ़ा दिया।""

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 8:4 (#2)

"सोने का राजदण्ड"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 4:11 में कैसे किया है। यदि सहायक सिद्ध हो तो इस वस्तु की व्याख्या का अवलोकन करें। वैकल्पिक अनुवाद: "सोने का राजदंड"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 8:4 (#3)

""

"एस्तेर भूमि पर से उठी"

एस्तेर 8:4 (#4)

"तब"

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक उपयोग में अर्थ किसी मनुष्य, स्थान या वस्तु के सामने होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर अब राजा क्षयर्ष के सामने खड़ी थी"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:5 (#1)

""राजा सामने"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ मूल रूप से एक ही है। एस्तेर अत्याधिक भिन्नता के साथ बोल रही है कि राजा की समझ में उसका सुझाव एक उचित विचार होगा और वह उसके निवेदन को स्वीकार करेगा। एस्तेर अपनी बात के महत्त्व पर बल देने के लिए दो बार कहती है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशों को संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो सुझाव दे रही हूँ यदि वह तेरी समझ में एक उचित विचार हो" (यदि: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-समांतरता]])

देखें: समांतरता

एस्तेर 8:5 (#2)

""तब"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल अर्थ एक ही है। एस्तेर अत्याधिक भिन्नता के साथ बोल रही है कि उसे आशा है कि राजा निश्चय ही उसके विचार पर सकारात्मक रूप से ध्यान देगा कि वह उसको अच्छा मानता है और इस कारण वह उसके निवेदन को स्वीकार करेगा। एस्तेर अपनी बात के महत्त्व पर बल देने के लिए दो बार कहती है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों वाक्यांशों को संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू मुझ से प्रसन्न हो।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 8:5 (#3)

"राजा" - "यदि" - "को प्रसन्न है" - "ठीक जान पड़े" - "अच्छी लगती हूँ तो"

यहाँ एस्तेर राजा को सर्वत्र अन्य पुरुष में ही संबोधित करती है, जो सम्मान सूचक है। आप इसी अर्थ को द्वितीय पुरुष में व्यक्त कर सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 8:5 (#4)

"राजा" - "यदि" - "को" - "अच्छी लगती हूँ"

"यह वाक्य पद्धति है, जो 1:19, 3:9, 5:4, और 5:8 में भी देखी जा सकती है। वहाँ सुझावित अनुवाद था, "हे राजा, यदि यह विचार तुझे उचित प्रतीत हो।" यह तो उन वक्ताओं के अवकल स्वरों के लिए तो उपयुक्त था। परन्तु 7:3 में जब एस्तेर अपनी संपूर्ण जाति के लिए आपातकालीन याचना करते है तब सुझावित वैकल्पिक अनुवाद था, "मुझे आशा है कि तू मेरी मांग को पूरा करने को तत्पर होगा।"" एस्तेर यहाँ याचना कर रही है, अतः आप इस वाक्यांश को अपने अनुवाद में भी रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मेरी याचना राजा के मान निर्धारण में उचित ठहरे"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:5 (#5)

"प्रसन्न है" - "ठीक जान पड़े" - "तो"

या अभिव्यक्ति वृत्तांत में अनेक बार आती है। इसका अर्थ किसी मनुष्य का अनुमोदन या स्वीकरण प्राप्त करने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू मुझ से प्रसन्न हो"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:5 (#6)

""सामने"

यहाँ शब्द **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने से है। इन वाक्यांशों का अर्थ हो सकता है, "जब मैं यहाँ तेरे सामने खड़ी हूँ।" परन्तु "मुख" का लाक्षणिक उपयोग अपने सन्दर्भ में राजा के किसी अंग को नाम देकर भी हो सकता है। एस्तेर के निवेदन के बारे में वह क्या सोचता है और उसकी भावना कैसी है, उसका मुख पहले प्रकट करेगा, अतः उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व के लिए यह एक उपयुक्त अंग होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "तू"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:5 (#7)

"तब"

"यहाँ शब्द **आँखें** लाक्षणिक प्रयोग में देखने का भाव व्यक्त करती हैं और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देने या आंकने के लिए रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू मुझे आंके और मैं तुझे प्रसन्न करूँ" या ""यदि तू मझ से प्रसन्न हो"

देखें: रूपक

एस्तेर 8:5 (#8)

"चिट्ठियाँ" - **"लिखाई थीं पलटने के लिये"**

यहूदियों के विनाश कि आज्ञा का पूर्वकालिक पत्र शूशन में तो लौटा कर लाया नहीं जा सकता है। अतः "लौटा लाना" वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ "निरस्त" करने या "खंडित करने" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान की आज्ञा को निरस्त करने हेतु एक नवीन आज्ञा निकाल"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:5 (#9)

"चिट्ठियाँ" - **"लिखाई थीं पलटने के लिये"**

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""नया पत्र लिख" या "नया नियम बना"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:6 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ एस्तेर उस कारण स्पष्ट कर रही है कि वह राजा क्षयर्ष से उस पत्र को निरस्त करने को क्यों कह रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे इस निवेदन का कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 8:6 (#2)

"मैं अपने लोगों पड़नेवाली उस विपत्ति किस रीति देख सकूँगी? भाइयों विनाश कैसे देख सकूँगी"

"एस्तेर वास्तव में कथन प्रस्तुत कर रही है, परन्तु उसको प्रश्न रूप देती है कि यह प्रकट करे कि वह जो कह रही है, उसके लिए उसके मन में कैसी प्रबल भावना है। वह वास्तव में राजा से यह अपेक्षा नहीं करती है कि वह उससे कहे कि वह अपने लोगों के विनाश को कैसे देख पाएगी। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यहूदियों पर पड़ने वाले विनाश को नहीं देख पाऊँगी। मैं अपने परिजनों के संहार को सहन नहीं कर पाऊँगी।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

एस्तेर 8:6 (#3)

"मैं अपने लोगों पड़नेवाली उस विपत्ति किस रीति देख सकूँगी? भाइयों विनाश कैसे देख सकूँगी"

"इन दोनों वाक्यांशों का मूल अर्थ एक ही है। एस्तेर अपनी बात के महत्त्व पर बल देने के लिए दो बार कह रही है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों वाक्यांशों को संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने परिजनों को और सम्पूर्ण जाति को नष्ट होता नहीं देख पाऊँगी।""

देखें: समांतरता

एस्तेर 8:6 (#4)

"मैं अपने लोगों पड़नेवाली उस विपत्ति" - **"रीति"**

यद्यपि हामान के लिए मौर्दकै की सम्पूर्ण जाति को नष्ट करना नैतिकता के आधार पर अनुचित था, यहाँ भाववाचक संज्ञा शब्द,**बुराई** का संभावित अर्थ "हानि" से है, जैसा कि 7:7 में मिलता है। इसका अर्थ वही है, जो अगले वाक्य में "विनाश" का है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लोगों का विनाश होते"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 8:6 (#5)

"पड़नेवाली"

जैसा कि 1:5 में मिलता है,**find** यह वाक्य पद्धति है, जिसका अर्थ है कि किसी स्थान या समय में कोई वस्तु विद्यमान है, न कि मनुष्यों ने उसे खोज कर पाया है। एस्तेर उस हानि की चर्चा कर रही है, जो यहूदियों के लिए बनी रहेगी यदि हामान के पत्र के प्रभाव को निरस्त नहीं किया गया। वैकल्पिक अनुवाद: "नष्ट कर दिए जाएंगे"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:6 (#6)

"विनाश"

इस भाववाचक संज्ञा शब्द का अनुवाद में क्रिया शब्द का उपयोग किया जा सकता है जैसे, "नष्ट किया।"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 8:6 (#7)

"भाइयों"

"मेरे परिजन"

एस्तेर 8:7 (#1)

"कहा"

यह शब्द वक्ता की बात पर श्रोता का ध्यान आकर्षित करने के लिए है। यदि आपकी भाषा में इसके अनुवाद के लिए कोई उचित शब्द नहीं है तो आप इसको अनुवाद से हटा सकते हैं या आप वैकल्पिक अनुवाद कर सकते है जैसे, "जैसा कि तू जानता है"

एस्तेर 8:7 (#2)

"हामान घरबार एस्तेर दे चुका हूँ"

8:1 में इस अभिव्यक्ति पर टिप्पणी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: " मैंने एस्तेर को हामान की सम्पूर्ण संपदा दे दी है" या "मैंने एस्तेर को हामान का घर-संसार दे दिया है"

एस्तेर 8:7 (#3)

"हामान घरबार"

यहाँ **घरबार** लक्षणालंकार है, जिसका अर्थ हामान के सम्पूर्ण "घर-संसार" से है। विकल्प अनुवाद : "हामान का घर-संसार"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:7 (#4)

"मैं" - "खम्भे पर लटका दिया गया है"

"वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अपने सेवकों से हामान को लकड़ी के खम्भे पर लटकवा दिया है" या "मैंने अपने सेवकों के हाथों हामान को फांसी लगवा दी है।"" क्योंकि यह राजा द्वारा हामान की संपदा एस्तेर को दिए जाने से पूर्व की घटना है, इसलिए आप इस जानकारी को पहले रख सकते हैं।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 8:7 (#5)

"खम्भे"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 2:23, 5:14, 6:4, 7:9 और 7:10 में कैसे किया है। यदि आप के लिए सहायक सिद्ध हो तो 2:23 पर टिप्पणी का अवलोकन करें। वैकल्पिक अनुवाद: "लकड़ी का खंभा" या "फांसी का फंदा"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 8:7 (#6)

"हाथ उठाया"

"हाथ उठाया" का अर्थ किसी की हत्या करने की मंशा से उसे शारीरिक हानि पहुँचाने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसने सब यहूदियों को नष्ट कर देने का षड्यंत्र रचा था"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:8 (#1)

"अतः"

"अतः तुझे यह करना चाहिए"

एस्तेर 8:8 (#2)

"यहूदियों पर लिखो"

"मैं तुझे अनुमति देता हूँ कि अपने लोगों की रक्षा करने के लिए और पत्र लिख ले"

एस्तेर 8:8 (#3)

""

यहाँ **आंखें** लाक्षणिक अर्थ में देखने को दर्शाती हैं और देखना ज्ञान, अवलोकन, ध्यान देने और आंकने के लिए रूपक है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर और मौर्दकै को अनुमति प्राप्त है कि वे जैसा उचित समझें वैसा पत्र लिखें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तुम उचित समझो" या "तुम्हारी समझ में जो सबसे अच्छा है" (देखने: "[[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])

देखें: रूपक

एस्तेर 8:8 (#4)

"राजा नाम से"

यहाँ शब्द **नाम** अधिकार के लिए एक रूपक है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर और मौर्दकै को राजा क्षयर्ष के अधिकार में लिखने की अनुमति मिल गई थी।

देखें: रूपक

एस्तेर 8:8 (#5)

"राजा नाम से"

राजा क्षयर्ष स्वयं को अन्य पुरुष में व्यक्त करता है। आप इसे प्रथम पुरुष में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुम्हें अनुमति देता हूँ कि मेरे अधिकार में लिखो"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 8:8 (#6)

"राजा" - "अंगूठी"

यह एक विशेष अंगूठी थी जिससे नियम या आदेश पर राजा की आधिकारिक मोहर लगाईं जाती थी। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अंगूठी जिस पर मेरी आधिकारिक मोहर है"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 8:8 (#7)

"राजा" - "अंगूठी"

राजा स्वयं को अन्य पुरुष में व्यक्त करता है। आप इसका अनुवाद प्रथम पुरुष में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: यह अंगूठी जिस पर मेरी आधिकारिक मोहर है"

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

एस्तेर 8:8 (#8)

""

यहाँ राजा क्षयर्ष कारण स्पष्ट कर रहा है कि वह पहले वाले पत्र को निरस्त क्यों नहीं कर सकता है और एस्तेर और मौर्दकै को दूसरा पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों है ताकि लोग आज्ञा का पालन करें। वैकल्पिक अनुवाद: "समझे" या "प्रजा तुम्हारे पत्र की आज्ञा पालन करेगी क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 8:8 (#9)

"पलट नहीं सकता"

पद 5 में इस अभिव्यक्ति का अर्थ "निरस्त" करने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई नहीं बदल सकता" या "कोई निरस्त नहीं कर सकता"

एस्तेर 8:8 (#10)

"लिखी जाए" - "पलट नहीं सकता"

यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको आरम्भ में रख सकते हैं, क्योंकि इसमें कारण प्रकट किया गया है कि क्षयर्ष एस्तेर और मौर्दकै से क्यों ऐसा कहता है। देखें यूएसटी।

एस्तेर 8:8 (#11)

"और" - "छाप जो चिट्ठी राजा लिखी जाए अंगूठी की छाप लगाई जाए"

"राजा एक सामान्य परिस्थिति का उल्लेख कर रहा है, परन्तु उसके मस्तिष्क में हामान का पत्र है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: हामान ने मेरे अधिकार से वह पत्र लिखा था और उस पर मेरी आधिकारिक मोहर वाली अंगूठी से मोहर लगाईं थी। ऐसे पत्र को कोई भी निरस्त नहीं कर सकता है।"" (वृत्तांत 1:19 में वर्णन किया गया है कि राजा का नियम

यदि लिख दिया गया और घोषित कर दिया गया तो वह बदला नहीं जा सकता है।)

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:9 (#1)

"राजा के लेखक बुलवाए गए"

इससे संकेत मिलता है कि इस पद में जो वर्णन किया गया है, वह पूरा किया गया जिसका कारण है कि राजा ने पिछले पद में ऐसा कहा था। इसको अपनी भाषा में प्रकट करने हेतु एक संयोजक शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 8:9 (#2)

"राजा के लेखक बुलवाए गए"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने अपने लिपिकों को बुलाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:9 (#3)

"राजा के लेखक बुलवाए गए"

यदि आप शब्द "बुलाया" का प्रयोग करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि राजा ने अपने सेवकों को भेजा कि लिपिकों को उसके सामने लाएँ। राजा ने पुकार कर उनको नहीं बुलाया था।

एस्तेर 8:9 (#4)

"तीसरे महीने के"

"तीसरे महीने में"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 8:9 (#5)

"तीसरे महीने के"

"वैकल्पिक अनुवाद: "वर्ष के तीसरे महीने में।"" यह वही वर्ष हो सकता है जो कि 3:7 में मिलता है, फारस में क्षयर्ष के

राज्यकाल के बारहवें महीने में। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन करें।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:9 (#6)

"सीवान" - "उसे"

"सीवान" इब्रानी कैलेंडर का तीसरा महीना है। वैकल्पिक अनुवाद: "सीवान के महीने में"

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 8:9 (#7)

"सीवान" - "उसे"

यह वृत्तांत फारसी राजसभा के परिदृश्य में लिखा जा रहा है। परन्तु इसके यहूदी पाठकों के लाभ के निमित्त महीने का इब्रानी नाम दिया गया है। यह महीना हमारे कैलेंडर में मई और जून के मध्य पड़ता है।

एस्तेर 8:9 (#8)

"तेईसवें"

"वैकल्पिक अनुवाद: "दिनांक 23" या "महीने के तेईसवें दिन।"" पत्र की सटीक तिथि उसके वैधानिक अधिकार को सिद्ध करने में सहायता करती है। हमारे कैलेंडर में यह जून 25 होगी।

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 8:9 (#9)

"आज्ञा मोर्दकै" - "उन सभी" - "लिखी गईं"

"आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: और उन्होंने वह सब पत्र में लिख लिया जो मौर्दकै ने लिखवाया था।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:9 (#10)

"यहूदियों" - "में"

पद 11 से विदित होता है कि यह पत्र विशेष करके साम्राज्य के यहूदियों को लिखा गया था और इसमें लिखा था कि राजा ने उनको अधिकार दिया है कि वे अपनी आत्म रक्षा करें, परन्तु पत्र की प्रतिलिपियाँ राजकीय और प्रांतीय अधिकारियों को भेजी गई थीं। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। "यह पत्र साम्राज्य के यहूदियों को संबोधित किया गया था परन्तु इसकी प्रतिलिपियाँ भी भेजी गई थीं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:9 (#11)

"अधिपतियों" - "प्रान्त" - "हाकिमों"

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 3:12 में कैसे किया है, जहाँ वर्णन किया गया है कि हामान के पत्र किस-किस को मिले। ये सब लोग सरकारी पदाधिकारी थे। सबसे पहले प्रान्तों के प्रधान थे और अन्य दो उनके अधिनस्थ शासक थे, जो नगरों या छोटे क्षेत्रों के प्रशासनिक अधिकारी थे। यदि आपकी भाषा में इन सब के लिए एक ही शब्द हो तो आप एक व्याख्यात्मक वाक्यांश द्वारा उसका प्रयोग कर सकते हैं, जैसे, "प्रत्येक प्रांत के सरकारी प्रधान और उसके अधीनस्थ अधिकारियों को भी"

एस्तेर 8:9 (#12)

"भारत लेकर कूश तक सौ सत्ताईस" - "और"

"यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी है कि इस नवीन पत्र को कितनी दूर तक भेजना है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:1 में क□□□से किया है। वैकल्पिक अनुवाद: क्षयर्ष के साम्राज्य में 127 प्रांत थे जो पूर्व में भारत से लेकर पश्चिम में इथोपिया तक थे।""""

एस्तेर 8:9 (#13)

"सौ सत्ताईस"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक सौ सत्ताईस प्रान्त"

देखें: संख्या

एस्तेर 8:9 (#14)

"प्रान्त के" - "देश"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक प्रान्त के लोगों से"" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "लिपिकों ने हर एक प्रांत के लोगों को लिखा"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:9 (#15)

"अक्षरों"

"उसके अपने अक्षरों में" या "उसकी अपने लिपि में लिखा"

एस्तेर 8:9 (#16)

"लोगों"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक जनजाति" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक जनजाति को"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:9 (#17)

"भाषा में"

यहाँ शब्द **जीभ** का लाक्षणिक उपयोग किसी मनुष्य या किसी जनजाति द्वारा बोली जाने वाली भाषा के अर्थ को देने के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी अपनी भाषा में"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:9 (#18)

"यहूदियों उनके" - "भाषा में"

""एक एक देश के लोगों" में यहूदी भी गिने गए होंगे। अतः कहने का अर्थ इस वाक्य में, "और विशेष करके यहूदियों को"" प्रतीत होता है। पद 11 में स्पष्ट किया गया है कि यहूदियों के लिए विशेष महत्वपूर्ण था कि इस पत्र को पढ़ें क्योंकि इसमें उनको अधिकार दिया गया था कि आत्मरक्षा करें। \nवैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने विशेष करके यहूदियों को लिखा था, उनकी अपनी भाषा में वरन् उनकी अपनी लिपि में।""

एस्तेर 8:10 (#1)

"लिखाकर" - "मुहर वाली"

यहाँ शब्द **उसने** का सन्दर्भ मौर्दकै से है। आप यहाँ उसका नाम लिख सकते हैं।

एस्तेर 8:10 (#2)

"राजा क्षयर्ष के नाम से"

यहाँ शब्द **नाम** अधिकार के लिए रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै ने राजा क्षयर्ष के अधिकार से लिखा था"

देखें: रूपक

एस्तेर 8:10 (#3)

"राजा मुहर वाली अंगूठी"

इसका अर्थ है कि मौर्दकै ने इस पत्र पर राजा की अंगूठी की मोहर लगा दी थी। यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसने उन पत्रों पर राजा की मोहर वाली अंगूठी कि मोहर लगा दी थी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:10 (#4)

"वेग चलनेवाले सरकारी घोड़ों" - **"हरकारों"** - **"हाथ"**

जैसा कि 3:13 में मिलता है, **हाथ** के दो अर्थ हो सकते हैं। 1) इसका शब्दशः अर्थ "हाथ" हो सकता है, अर्थात दौड़ने वाले पत्रवाहक अपने हाथों में पत्रों को लेकर गए। 2) यह सामर्थ्य, नियंत्रण और अधिकार के लिए एक रूपक भी हो सकता है, जिसका अर्थ है कि दौड़ने वाले पत्रवाहकों ने साम्राज्य के हर एक प्रांत में पत्र का वितरण किया। वैकल्पिक अनुवाद: घुड़सवार पत्रवाहकों ने पत्रों का वितरण किया"

देखें: रूपक

एस्तेर 8:10 (#5)

"खच्चरों साँड़नियों पर सवार" - **"के"**

"वे द्रुतगामी घोड़ों को राजा की सेवा हेतु पालते थे। ये घोड़े की प्रजातियाँ राजा की घुड़सालों में तैयार की जाती थीं"

एस्तेर 8:10 (#6)

"के"

यहाँ **पुत्र** लक्षणालन्कार प्रयोग है, जिसका अर्थ राजसी मवेशियों के बच्चे से है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के घोड़ों के प्रजातियाँ"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:11 (#1)

"सब नगरों के"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक नगर" से है। एक नगर का उल्लेख करते हुए इसका संभावित सन्दर्भ सम्पूर्ण साम्राज्य से है। 9:19 में वृतांत के वर्णन के अनुसार शहरी यहूदी नहीं अपितु ग्रामीण क्षेत्र के यहूदियों ने भी अपनी आत्मरक्षा की। यह भी संभव है कि पत्रवाहकों ने इस समाचार की घोषणा नगरों में की, सम्पूर्ण ग्रामीण क्षेत्र में नहीं, परन्तु यह समाचार निश्चय ही सब के लिए था, केवल नगर वासियों के लिए नहीं। \nवैकल्पिक अनुवाद: "सम्पूर्ण साम्राज्य में"" या "प्रत्येक नगर में" या हर एक नगर में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:11 (#2)

"इकट्ठे हों" - **"प्राण बचाने"** - **"को"**

यहाँ **तैयार होकर** रूपक है, जिसका अर्थ बैरी को पीठ दिखाने की अपेक्षा युद्ध करके आत्मरक्षा करने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "एकजुट होकर अपने जीवित रहने के लिए संघर्ष करना" या "\nएक जुट होकर मुँह तोड़ जवाब देना।

देखें: रूपक

एस्तेर 8:11 (#3)

"दुःख देना" - **"घात"** - **"नाश करें और"**

इन शब्दों का अर्थ एक ही है और इनके संयुक्त प्रयोग का अर्थ है, जिस विनाश का वर्णन किया जा रहा है, उसके समग्रता पर बल देना। देखें कि आपने इसका अनुवाद 3:13 और 7:4 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूर्ण विनाश" (युग्मक में दो से अधिक शब्द हो सकते हैं)

देखें: युग्म

एस्तेर 8:11 (#4)

"जाति लोग अन्याय करके" - **"और"**

बल लाक्षणिक अर्थ में सेना को या किसी शस्त्रधारी मनुष्य को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी जाति या प्रान्त की सेना उन पर आक्रमण करे"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:11 (#5)

"स्त्रियों" - "चाहें"

"वे उन शस्त्रधारी पुरुषों की पत्नियों तथा बच्चों की भी हत्या कर सकते हैं"

एस्तेर 8:11 (#6)

"धन सम्पत्ति लूट"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 3:13 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनका सब कुछ लूट लेना"

एस्तेर 8:12 (#1)

""एक ही" - "दिन"

3:13 में हामान ने यहूदियों को नष्ट करने के लिए यही दिन निश्चित किया था। यदि आपकी भाषा में सहायक सिद्ध हो तो आप सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: \n"वही दिन जिसको हामान ने यहूदियों के विनाश के लिए ठहराया था" \n(देखें [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:12 (#2)

"राजा क्षयर्ष के सब प्रान्तों में"

"साम्राज्य के प्रत्येक प्रांत में"

एस्तेर 8:12 (#3)

"तेरहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "तिथि 13 को" या "तेरहवें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 8:12 (#4)

"बारहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "12वें महीने के" या "बारहवें महीने के"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 8:12 (#5)

"बारहवें"

"अभिप्रेत अर्थ है कि ""उसी वर्ष के बारहवाँ महीना।"" यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:12 (#6)

"अदार" - "महीने के"

या इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अंतिम महीना है। देखें कि आप ने इसका अनुवाद 3:7, उर 3:13 में कैसे किया है।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 8:13 (#1)

"आज्ञा लेख नकलें" - "भेजी गईं"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पत्र में लिखा रहा कि अधिकारी घोषणा करें कि यह एक नियम है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:13 (#2)

"समस्त प्रान्तों में"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक प्रांत में" के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक प्रांत में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:13 (#3)

"सब लोगों"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पत्र में अधिकारियों को निर्देश था कि उसकी प्रतिलिपियाँ ऐसे स्थानों में लगा दी जाएँ जहाँ सब लोग उनको देख सकें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:13 (#4)

""

"इस प्रकार यहूदी उस दिन पत्र के अनुसार करने के लिए तैयार हो जाएँ"

एस्तेर 8:13 (#5)

"शत्रुओं पलटा लेने को"

"किसी मनुष्य से "बदला लेने"" का अर्थ उसके द्वारा किए गए अनर्थ का सुधार करने से है। इस प्रकरण में, इस अभिव्यक्ति का अर्थ पहले वाले नियम को सुधारने से है, जिसमें प्रजा को यहूदियों की हत्या करने के अनुमति दी गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके बैरियों से लड़ना"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:14 (#1)

"अतः हरकारे वेग चलनेवाले सरकारी घोड़ों पर सवार होकर"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 8:10 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद:\n"पत्रवाहक राजा के काम के द्रुतगामी घोड़ों पर सवार होकर"

एस्तेर 8:14 (#2)

"राजा की आज्ञा फुर्ती करके जल्दी"

आप इस अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं। "राजा ने ने पत्र वाहकों को आज्ञा दी कि पत्रों का वितरण यथासंभव शीघ्रता से करें।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:14 (#3)

"फुर्ती करके जल्दी"

इन दोनों शब्दों का अर्थ लगभग एक ही है और इनका संयोजित उपयोग पत्रवाहकों को दी गई आज्ञा पर बल देता है कि वें पत्रों का वितरण यथासंभव शीघ्रता से करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तत्काल ही निकल पड़े" या "यथासंभव शीघ्रता से"

देखें: युग्म

एस्तेर 8:14 (#4)

"अतः हरकारे वेग चलनेवाले सरकारी घोड़ों पर सवार होकर"

घटनाओं को कालक्रम में रखने हेतु आप इसको राजा की आज्ञा के बाद में रख सकते हैं, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 8:14 (#5)

"आज्ञा" - "दी गई"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के अधिकारियों ने इस पत्र की प्रतिलिपियों को लगाया और पढ कर भी सुनाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 8:15 (#1)

"तब मोर्दकै" - "निकला और"

यहाँ वृत्तांत में एक नवीन घटना का समावेश किया गया है। इसको प्रकट करने के लिए आपकी भाषा में व्यवहारिक शैली का प्रयोग करें।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 8:15 (#2)

"राजा के सम्मुख से"

यहाँ शब्द **मुख** का लाक्षणिक उपयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि मौर्दकै राजा क्षयर्ष की उपस्थिति में था और अब वह फारसी सरकार में अपने ऊँचे पद के कार्यभार को पूरा करने हेतु वहाँ से प्रस्थान करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजमहल से"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:15 (#3)

""नीले और श्वेत रंग के राजकीय वस्त्र पहने"

निहितार्थ यह है कि राजा ने मौर्दकै को ये विशेष वस्तुएँ पहनने को दीं कि प्रकट हो कि अब वह राजा का सर्वोच्च अधिकारी है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। इन घटनाओं को कालक्रम में रखने हेतु आप इस जानकारी को मौर्दकै द्वारा अपने कार्यभार को पूरा करने हेतु प्रस्थान से पूर्व रख सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:15 (#4)

""नीले" - "राजकीय वस्त्र पहने"

“नीले और श्वेत रंग के राजकीय वस्त्र”

एस्तेर 8:15 (#5)

""पर सोने"

“सोने का बड़ा मुकुट”

एस्तेर 8:15 (#6)

"शूशन नगर के लोग आनन्द के मारे ललकार"

यहाँ शहर का अर्थ वहाँ के निवासियों से है। वैकल्पिक अनुवाद: “शूशन के निवासी”

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 8:15 (#7)

"के मारे ललकार"

"इस अभिव्यक्ति में संयोजक शब्द “और” से दो शब्दों को जोड़ कर एक ही विचार को व्यक्त किया गया है। “आनंद” शब्द दर्शाता है कि उन्होंने कैसे खुशी के नारे लगाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप कुछ इस प्रकार कह सकते हैं, “आनंद से नारे लगाने लगे।"" वैकल्पिक अनुवाद: “नारे लगाए और बहुत अधिक आनंदित थे”

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 8:15 (#8)

"के मारे ललकार"

कहने का अर्थ है कि मौर्दकै को देख कर लोगों ने ऐसा किया। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:16 (#1)

"प्रतिष्ठा हुई"

यहाँ **ज्योति** का लाक्षणिक प्रयोग आनंद के अर्थ को देने के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: “यहूदियों ने आनंद मनाया”

देखें: रूपक

एस्तेर 8:16 (#2)

"आनन्द" - "प्रतिष्ठा हुई"

यहाँ **ज्योति** और **आनंद” का एक ही अर्थ है। \nउनके उपयोग द्वारा यहूदियों के असीम आनंद को प्रकट किया गया है।\n वैकालिक अनुवाद: “यहूदी बहुत आनंदित हुए”

देखें: युग्म

एस्तेर 8:16 (#3)

"हर्ष बड़ी"

इन शब्दों का अर्थ एक ही है और उनका उपयोग पूर्वोक्त युग्मक के साथ किया गया है कि यहूदियों के असीम आनंद पर बल दिया जाए।

देखें: युग्म

एस्तेर 8:16 (#4)

"बड़ी"

यहाँ **प्रतिष्ठा** के दो संभावित अर्थ हो सकते हैं। (1) \nलोगों ने यहूदियों का सम्मान किया। वैकल्पिक अनुवाद: “अन्य लोगों ने उनका सम्मान किया”\n (2) यहूदियों ने लज्जा के स्थान में सम्मान का अनुभव किया। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें सम्मान की अनुभूति हुई”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:17 (#1)

"जिस-जिस प्रान्त"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक और हर एक प्रांत में" के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: हर एक प्रांत में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:17 (#2)

"नगर" - **"वहाँ"**

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक और हर एक प्रांत में" के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: हर एक शहर में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:17 (#3)

"जहाँ कहीं राजा की आज्ञा नियम पहुँचे" - **"मन में"**

इस अभिव्यक्ति में राजा के सन्देश को इस प्रकार व्यक्त किया गया है कि जैसे कि वह ऐसा मनुष्य है, जो किसी निश्चित स्थान में जा सकता है। यह वाक्यांश उन सब स्थानों के सन्दर्भ में है, जहाँ-जहाँ राजा का पत्र पहुँचा। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ-जहाँ राजा के संदेशवाहक उसका आदेश लेकर पहुँचे" या "जहाँ-जहाँ पत्र वाहकों ने राजा के आदेश को पद कर घोषित किया"

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 8:17 (#4)

""यहूदियों को आनन्द हर्ष हुआ"

शब्द **आनंद** और **हर्ष** का अर्थ एक ही है और इनके द्वारा यहूदियों के असीम आनंद और उल्लास पर बल दिया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: यहूदियों ने बहुत आनंद किया"

देखें: युग्म

एस्तेर 8:17 (#5)

"भोज करके खुशी का दिन"

इन दोनों शब्दों का अर्थ लगभग एक सा है और इनके संयोजित उपयोग द्वारा यहूदियों के आनंद और उल्लास पर बल दिया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने हर्षोल्लास किया"

देखें: युग्म

एस्तेर 8:17 (#6)

"खुशी का दिन"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ सामान्यतः आनंद और उत्सव मनाने का दिन होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और अवकाश का दिन"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:17 (#7)

""देश के बहुत लोग"

इसका निहितार्थ है कि उन्होंने सोचा कि बैरियों से लड़ते समय समय यहूदी उन पर भी आक्रमण न कर दें। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 8:17 (#8)

""देश के बहुत लोग"

"साम्राज्य में अन्य जातियों से अनेक लोग"

एस्तेर 8:17 (#9)

"देश के" - **"लोग"**

"उस देश के लोगों में" अर्थात साम्राज्य में गैर यहूदी जातियाँ।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 8:17 (#10)

"उनके" - **"यहूदियों डर समा गया था"**

यहाँ **समा गया** रूपक है, जिसका अर्थ प्रभाव डालने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे यहूदियों से बहुत डर गए थे"

देखें: रूपक

एस्तेर 8:17 (#11)

"उनके" - **"यहूदियों डर समा गया था"**

घटनाओं को कालक्रम में रखने के लिए आप अन्य जातियों द्वारा यहूदी पंथ में आ जाने का उल्लेख करने से पहले इसको रख सकते हैं।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर - अध्याय 9 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

पुरिम

इस अध्याय की घटनाएँ इतनी महत्वपूर्ण थीं कि यहूदी हर साल इन घटनाओं का उत्सव मनाने लगे। इसे "पुरिम" के नाम से जाना जाता है।

इस अध्याय में महत्वपूर्ण शैलीगत साधन

विडंबनापूर्ण परिस्थिति

यह दिन, जो यहूदियों के शत्रुओं के लिए बड़ी विजय लाने वाला था, यहूदियों के लिए एक महान विजय का दिन बन गया। यह एक प्रकार की विडंबना है।

प्रारम्भिक सारांश

अध्याय 9 का पद 1 इस अध्याय में होने वाली घटनाओं का सारांश प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में प्रारम्भिक सारांश का उपयोग सामान्य रूप से नहीं किया जाता है, तो इसे पाठ में या पाद टिप्पणी में एक सारांश के रूप में चिह्नित कर सकते हैं। इस प्रकार का प्रारम्भिक सारांश इब्रानी कहानी कहने की एक विशेषता है। इसलिए, भले ही यह अन्तिम परिणाम का वर्णन करता है, हम अनुशंसा नहीं करते कि आप इसे अध्याय के अन्त में स्थानान्तरित करें जब तक कि इसे यहाँ रखना बहुत भ्रमित करने वाला न हो। यह स्पष्ट करने के लिए कि पद 1 केवल एक सारांश है और पूरी कहानी नहीं है, आप पद के अन्त में कुछ इस तरह कह सकते हैं: "यह वही है जो हुआ" या "यहाँ और विवरण हैं कि क्या हुआ।"

एस्तेर 9:1 (#1)

"बारहवें महीने"

यहाँ एक नवीन घटना का समावेश किया गया है। आपकी भाषा में नवीन घटना के समावेश की व्यावहारिक शैली काम में लें।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 9:1 (#2)

"अदार नामक बारहवें महीने तेरहवें दिन को"

कहने का अर्थ है कि उसे वर्ष के बारहवें महीने में पत्र भेजे गए थे। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सस्पष्ट वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसे वर्ष के बारहवें महीने अर्थात अदार के तेरहवें दिन”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:1 (#3)

"बारहवें महीने"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""अब बारहवें महीने में”

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:1 (#4)

"अदार नामक"

“अदार” इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अन्तिम महीना है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 3:7, 3:13 और 8:12 में कैसे किया है।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 9:1 (#5)

"तेरहवें दिन को"

वैकल्पिक अनुवाद: “उस महीने के तेरहवें दिन”

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:1 (#6)

"जिस दिन राजा आज्ञा नियम" - "की"

“उन पत्रों में राजा की आज्ञा लिखी हुई थी”

एस्तेर 9:1 (#7)

"जिस दिन राजा आज्ञा नियम पूरे होने को थे" - "की"

यह अभिव्यक्ति राजा की आज्ञा को इस प्रकार दर्शा रही है कि जैसे वह समय में चल कर (जैसे मनुष्य स्थान में चलता है) उस निश्चित दिन पहुँची। इस वाक्यांश का अर्थ है कि लोगों द्वारा आज्ञा के पालन करने का समय आ गया था। वैकल्पिक

अनुवाद: "जब लोगों के लिए समय आ गया कि राजा के नियम और आदेश का पालन करें" या "जब लोगों द्वारा राजा के नियम का पालन करने के लिए राजा द्वारा निश्चित किया हुआ दिन आ गया।

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 9:1 (#8)

"और यहूदियों के शत्रु उन पर प्रबल" - "आशा रखते थे" - "दिन"

"यहूदियों के बैरियों ने आशा की थी कि उस दिन वे यहूदियों को पराजित कर देंगे।

एस्तेर 9:1 (#9)

"प्रबल"

"इस शब्द का अर्थ सामान्यतः "पर राज करने"" से है। परन्तु यहाँ इसका अर्थ "अधिकार होना, नष्ट करने योग्य होना"" से है।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:1 (#10)

"विपरीत"

यह कहना कि विपरीत हुआ लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ आशा के विपरीत होने से है। वैकल्पिक अनुवाद : "परिस्थिति पलट गई" या "विपरीत हो गया"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:1 (#11)

""इसके"

"इसकी अपेक्षा यहूदियों ने ही अपने बैरियों को नष्ट कर दिया"

एस्तेर 9:1 (#12)

"बैरियों पर"

बैरियों का वर्णन करने के लिए यह वाक्य पद्धति है

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:2 (#1)

"हाथ चलाएँ"

यहाँ "हाथ चलाएँ" का अर्थ हत्या करने की मंशा से किसी को शारीरिक हानि पहुँचाने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मरक्षा करना" या "लड़ना"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:2 (#2)

"जो उनकी हानि करने का यत्न करे"

इस भाववाचक संज्ञा शब्द "बुराई" का संभावित अर्थ "हानि" से है, जैसा कि 7:7 और 8:6 में मिलता है। इस प्रकरण में, इस शब्द को क्रिया शब्द द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उनको नष्ट करने का प्रयास कर रहे थे"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 9:2 (#3)

"उनका सामना न कर सका"

वैकल्पिक अनुवाद: "उनका सामना कोई नहीं कर पाया" या "उनको पराजित करने योग्य कोई नहीं था"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:2 (#4)

"उनका सामना न कर सका"

यहाँ **सामना** एक रूपक है जिसका अर्थ है, शत्रु को पीठ दिखाने की अपेक्षा आत्मरक्षा करना और लड़ना। वैकल्पिक अनुवाद: "लड़ने योग्य था"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:2 (#5)

"उनका"

"यहाँ शब्द **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने से है, अतः इसका यहाँ अर्थ "जब उनसे सामना हुआ"" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विरुद्ध"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 9:2 (#6)

"पर" - "उनका भय सब लोगों समा गया"

यहाँ **समा गया** रूपक है, जिसका अर्थ किसी पर प्रभाव डालने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब लोग अकस्मात् ही डर गए"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:2 (#7)

"पर" - "उनका भय सब लोगों समा गया"

कहने का अर्थ है कि यहूदियों पर आक्रमण करने वालों की किसी ने भी सहायता नहीं की। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:3 (#1)

"प्रान्तों के" - "हाकिमों अधिपतियों प्रधानों"

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 3:12 और 8:9 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक प्रांत में सरकारी प्रधान"

एस्तेर 9:3 (#2)

"राजा के कर्मचारियों"

"वह हर एक जन जिस पर राजा को अपने कार्यभार का भरोसा था"

एस्तेर 9:3 (#3)

"यहूदियों की सहायता की"

यहाँ शब्द **उठाना** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ "सहायता" करने से है। इसका काल्पनिक चित्रण किसी थके हुए या घायल मनुष्य को पकड़ कर खड़ा करना या उसकी सहता करने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों की सहायता की"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:3 (#4)

""उनके"

यहाँ शब्द **समा गया** रूपक है, जिसका अर्थ किसी पर प्रभाव डालने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मौर्दकै से डरते थे"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:4 (#1)

"और"

इस शब्द के द्वारा हाकिमों, अधिपतियों, और प्रधानों पर मौर्दकै के भय का कारण प्रकट किया गया है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:4 (#2)

"मोर्दकै राजा यहाँ बहुत प्रतिष्ठित था"

इसका निहितार्थ है कि अन्य सब अधिकारी इसी कारण मौर्दकै से डरते थे। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जोड़ें: "वे उससे डरते थे क्योंकि"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:4 (#3)

"मोर्दकै राजा यहाँ बहुत प्रतिष्ठित था"

राजा के महल का लाक्षणिक प्रयोग राजा के प्रशासन को दर्शाता है, यह उसके मुख्यालय के सन्दर्भ में है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा की सरकार में अत्यधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति था"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 9:4 (#4)

"मोर्दकै राजा यहाँ बहुत प्रतिष्ठित था"

प्रतिष्ठित वही शब्द है, जिसका क्रिया रूप 3:1 और 5:11 में राजा की सेवा में पदोन्नति का वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै एक अत्यधिक महत्वपूर्ण राजकीय अधिकारी था"

एस्तेर 9:4 (#5)

"कीर्ति सब प्रान्तों फैल गई"

वृतांत में यहाँ मौर्दकै की महानता को इस प्रकार व्यक्त किया गया है जैसे कि वह जीवधारी है, जो सम्पूर्ण साम्राज्य में विचरण कर सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "सम्पूर्ण साम्राज्य में सब लोग उसकी महानता का समाचार सुन रहे थे"

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 9:4 (#6)

"मोर्दकै महिमा बढ़ती चली गई"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि मौर्दकै अधिकाधिक सामर्थी और प्रभावशाली होता जा रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै अधिक कीर्तिवान होता जा रहा था, क्योंकि राजा उसको अधिकाधिक अधिकार सौंपता जा रहा था"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:5 (#1)

""यहूदियों ने"

मौर्दकै के बारे में जानकारी देने के बाद अब वृत्तांत में निश्चित दिन की घटना का वर्णन किया जा रहा है। इसे दर्शाने के लिए आप एक वाक्यांश जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जोड़ें: "जिस दिन उनको आत्मरक्षा की अनुमति दी गई थी"

एस्तेर 9:5 (#2)

""यहूदियों ने"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि यहूदियों ने बैरियों से अपनी रक्षा की और यहाँ तक कि उन पर आक्रमण करने वालों की हत्या भी की। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों ने अपने बैरियों पर आक्रमण किया और तलवार से उनको घात भी किया।"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:5 (#3)

"तलवार से"

तलवार ही एकमात्र हथियार नहीं था, जिसे यहूदी रखते थे और काम में लेते थे। तलवार उनके सब हथियारों का प्रतीक थी। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस सामान्य अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों ने अपने हथियार उठाए और बैरियों पर काम में लिए।"

देखें: संकेतन

एस्तेर 9:5 (#4)

"मारकर" - "नाश कर डाला"

"इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है और इन्हें किसी बात पर इक्ट्ठे जोर देने के लिए काम में लिया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उनको पूर्णतः नष्ट कर डाला।""

देखें: युग्म

एस्तेर 9:5 (#5)

"बैरियों इच्छा के अनुसार बर्ताव किया"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ यह नहीं कि यहूदियों को अपने बैरियों की हत्या करने में आनंद आया। इसकी अपेक्षा इसका अर्थ है कि यहूदी बैरियों से अपनी रक्षा करने योग्य हुए और उनको किसी भी प्रकार की बाधा का सामना नहीं करना पड़ा। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने बैरियों के साथ जैसा भी व्यवहार करना चाहते थे, किया।""

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:5 (#6)

"बैरियों"

बैरियों का वर्णन करने के लिए यह एक वाक्य पद्धति है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:6 (#1)

"शूशन राजगढ़ में"

"राजधानी शूशन में ही"

एस्तेर 9:6 (#2)

"घात करके नाश किया"

इन दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है और ये इक्ट्ठे किसी बात पर जोर देने के लिए काम में लिए जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मार डाला"

देखें: युग्म

एस्तेर 9:6 (#3)

"पाँच सौ मनुष्यों को"

वैकल्पिक अनुवाद: "पाँच सौ पुरुष"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:7 (#1)

"पर्शन्दाता दल्पोन अस्पाता"

"इससे पूर्व कि वृत्तांत में उल्लेख किया जाए कि वे हामान के पुत्र थे और यहूदियों ने उनको मार डाला, उसके पुत्रों के नामों की सूची दी गई है। इन लोगों की पहचान को स्पष्ट करने के लिए कि वे कौन थे, आप पद 10 में से इस जानकारी को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जोड़ें: ""यहूदियों ने अपने बैरी हम्मदाता के पुत्र हामान के दासों पुत्रों की हत्या कर दीं। उसके पुत्रों के नाम ये थे..."""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:7 (#2)

"पर्शन्दाता दल्पोन अस्पाता"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 9:8 (#1)

"पोराता अदल्या अरीदाता"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 9:9 (#1)

"पर्मशता अरीसै अरीदै" - **"वैजाता"**

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 9:10 (#1)

"दसों पुत्रों"

वैकल्पिक अनुवाद: "10 पुत्र"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:10 (#2)

"यहूदियों के विरोधी"

इस अभिव्यक्ति में हामान के बारे में स्पष्टीकरण की जानकारी दी गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों का बैरी"

देखें:

एस्तेर 9:10 (#3)

"न लूटा"

"हाथ लगाना," इस अभिव्यक्ति का अर्थ किसी से कुछ छीनने से है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने नहीं लिया"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:10 (#4)

"धन को"

"परन्तु उनके धन को"

एस्तेर 9:11 (#1)

"उसी दिन"

"उस दिन के अंत में"

एस्तेर 9:11 (#2)

"गिनती राजा को सुनाई गई"

वृत्तांत में समाचार को इस प्रकार व्यक्त किया गया है कि जैसे कि वह जीवधारी है और राजा की उपस्थिति में आ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के सेवकों में से एक ने आकर राजा को सँख्या बताई"

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 9:11 (#3)

"राजा को"

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थिति में होने से है। इस वाक्यांश का संभावित अर्थ है कि किसी ने राजा की

उपस्थिति में आकर यह समाचार सुनाया। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने आकर राजा को समाचार सुनाया"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 9:11 (#4)

"घात किए हुओं की गिनती"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते है और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों ने कितने लोग मार डाले होंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 9:12 (#1)

"घात करके नाश किया"

इन शब्दों का अर्थ एक ही है और किसी बात पर जोर देने के लिए इनका संयोजित उपयोग किया जा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मार डाला"

देखें: युग्म

एस्तेर 9:12 (#2)

"पाँच सौ मनुष्यों"

"पांच सौ पुरुष"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:12 (#3)

"और"

"को भी"

एस्तेर 9:12 (#4)

"दसों पुत्रों"

वैकल्पिक अनुवाद: "10 पुत्र"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:12 (#5)

"राज्य के अन्य प्रान्तों में क्या किया होगा" - "भी"

राजा एक कथन का कह रहा है, यद्यपि राजा प्रश्न का प्रयोग कर रहा है, उसको पूर्ण विश्वास है कि यहूदियों ने अन्य प्रान्तों में बहुत लोगों को मार डाला है। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के अन्य प्रान्तों में उन्होंने कैसा कहर ढाया होगा" या "उन्होंने राजा के अन्य प्रान्तों में तो निश्चय ही बहुतों को मार डाला होगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

एस्तेर 9:12 (#6)

"तेरा निवेदन क्या" - "पूरा किया जाएगा।" - "क्या माँगती दिया जाएगा"

"इन दोनों कथनों का मूल अर्थ एक ही है। क्षयर्ष एक ही बात को दो बार यह दर्शाने के लिए कहता है कि वह एस्तेर की इच्छा को पूरी करने में दृढ़संकल्प है। यदि आपके अनुवाद में इससे उलझन उत्पन्न हो तो आवश्य नहीं कि आप इन दोनों वाक्यांशों को काम में लें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू और भी कुछ चाहती है? मुझ से कह और मैं तेरे लिए उसको भी पूरा करूँगा।""

देखें: समांतरता

एस्तेर 9:12 (#7)

"तेरा" - "पूरा किया जाएगा।" - "दिया जाएगा"

आप इन समानार्थक कर्मवाच्य कथनों को एक ही कर्तृवाच्य वाक्य में रख सकते हैं। आप काम के करने वाले को भी दर्शा सकते हैं। "मैं तेरे लिए वह भी कर दूँगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 9:12 (#8)

"निवेदन" - "माँगती"

इन दोनों भाववाचक संज्ञा शब्दों, "निवेदन" और "मांग" को एक ही वाक्यांश में क्रिया शब्द "चाहती" द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इससे अधिक भी कुछ चाहती है"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 9:13 (#1)

""यदि राजा को"

यह वाक्य पद्धति है, जिसका प्रयोग वृत्तांत में अनेक बार किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे राजा, यदि तुझे यह विचार सही जान पड़े"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:13 (#2)

"दी जाए"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और स्पष्ट कर सकते हैं कि एस्तेर इस काम का निवेदन राजा से कर रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया अनुमति दे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 9:13 (#3)

"शूशन यहूदियों आज के समान कल भी करने की आज्ञा"

"शूशन में रहने वाले सब यहूदी आज के आदेश का पालन कल भी करें" या "कल भी वैसा ही करें जिसको आज करने की आज्ञा दी गई है"

एस्तेर 9:13 (#4)

"शूशन"

""राजधानी शूशन में"""

एस्तेर 9:13 (#5)

"हामान दसों पुत्र" - "लटकाए जाएँ"

राजा से निवेदन नहीं है कि शरीरों को खम्भों पर लटकाया जाए (या फांसी दी जाए) अपितु यह कि राजा इसकी आज्ञा दे। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान के दासों पुत्रों के शवों को फांसी के फंदों में लटकाया जाए\n [या \nखम्भों पर लटकाया जाए]

एस्तेर 9:13 (#6)

"हामान दसों पुत्र" - "लटकाए जाएँ"

इसका उद्देश्य यह नहीं था कि उसके पुत्रों की हत्या की जाए वरन् यह कि यहूदियों के बैरियों के पूर्ण विनाश का सार्वजनिक प्रदर्शन हो।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 9:13 (#7)

"हामान दसों पुत्र" - "लटकाए जाएँ"

यह तो अन्तर्निहित है कि हामान के पुत्र मर चुके थे। एस्तेर का निवेदन वास्तव में यह है कि उनके शवों को लकड़ी के खम्भों पर लटकाया जाए या फांसी के फंदों पर लटकाया जाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार ???र्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान के दासों पुत्रों के शव"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:13 (#8)

"दसों पुत्र"

वैकल्पिक अनुवाद: "10 पुत्र"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:13 (#9)

"फांसी के खम्भों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 2:23 में वरन् अन्य सन्दर्भों में कैसे किया है। यदि सहायक हो तो 2:23 पर टिप्पणी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "लकड़ी के खम्भे" या "फांसी के फंदे"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 9:14 (#1)

"राजा ने आज्ञा दी ऐसा किया"

"आप इसको कत्रिवाच्य में भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने एस्तेर के दोनों निवेदनों को स्वीकार कर लिया।""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 9:14 (#2)

"आज्ञा शूशन दी गई"

"शूशन में," यह अभिव्यक्ति संकेत देती प्रतीत होती है कि यह एस्तेर के प्रथम निवेदन के सन्दर्भ में है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका वर्णन सविस्तार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने आज्ञा दे दी कि शूशन के यहूदियों को अगले दिन भी अपने बैरियों से लड़ने की अनुमति है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:14 (#3)

"आज्ञा शूशन दी गई"

इसको कर्तृवाच्य में भी व्यक्त किया जा सकता है, जैसा कि यूएसटी में मिलता है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 9:14 (#4)

"शूशन"

"राजधानी शूशन में"

एस्तेर 9:14 (#5)

"लटकाए गए"

यह एस्तेर का दूसरा निवेदन था। आप काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि वे हामान के दसों पुत्रों के शवों को फांसी के फंदों में [या लकड़ी के खम्भों पर ला] लटका दें" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:14 (#6)

"दसों पुत्र"

वैकल्पिक अनुवाद: "10 पुत्र"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:15 (#1)

"शूशन"

"जो राजधानी शूशन में रहते थे"

एस्तेर 9:15 (#2)

"इकट्ठे होकर"

""""इकट्ठे होकर""

एस्तेर 9:15 (#3)

"चौदहवें दिन को"

वैकल्पिक अनुवाद: "14वें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:15 (#4)

"अदार महीने"

"अदार इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अंतिम महीना है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 3:7, 3:13, 8:12 और 9:1 में कैसे किया है।

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 9:15 (#5)

"शूशन"

""""राजधानी शूशन में""

एस्तेर 9:15 (#6)

"तीन सौ पुरुषों"

वैकल्पिक अनुवाद: "तीन सौ पुरुष"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:15 (#7)

"को" - **"धन न लूटा"**

यहाँ "हाथ डाला," अभिव्यक्ति का अर्थ है कि किसी का कुछ लूट लेना। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उनकी संपदा को नहीं लूटा"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:16 (#1)

"इकट्ठा होकर प्राण बचाने के"

यहाँ **खड़े होकर** एक रूपक है, जिसका अर्थ शत्रु को पीठ दिखाने की अपेक्षा आत्मरक्षा करने और लड़ने से है। देखें कि आपने इसका अनुवाद 8:11 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने बैरियों से लड़ने के लिए एकजुट हो गए"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:16 (#2)

"इकट्ठा होकर प्राण बचाने के"

यहाँ यह अन्तर्निहित है और अगले पद में स्पष्ट है कि अन्य यहूदियों ने केवल तेरहवें दिन ही अपने बैरियों से लड़ाई की थी यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको यहाँ सविस्तार वक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद, जोड़ें: "अदार माह के तेरहवें दिन"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:16 (#3)

"शत्रुओं से विश्राम पाया"

यहाँ **विश्राम पाया** का लाक्षणिक प्रयोग में अर्थ यह है कि उन्होंने अपने बैरियों पर जय पा ली थी और अब उन्हें उनसे लड़ने की आवश्यकता नहीं थी। वैकल्पिक अनुवाद: उन्हें अपने बैरियों से अब किसी प्रकार का कष्ट नहीं था"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:16 (#4)

"बैरियों पचहत्तर हजार घात करके"

"और पचहत्तर हज़ार मारे"

एस्तेर 9:16 (#5)

"पचहत्तर हजार"

वैकल्पिक अनुवाद: "पचहत्तर हज़ार"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:16 (#6)

"न लूटा"

"उन्होंने उनकी संपदा नहीं लूटी" या "उन्होंने मूल्यवान वस्तुएँ नहीं लीं" या "उन्होंने उनका धन नहीं लूटा"

एस्तेर 9:17 (#1)

"तेरहवें दिन"

वैकल्पिक अनुवाद: "तेरहवें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:17 (#2)

"अदार महीने के"

"अदार" इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अंतिम महीना है। \nदेखें कि आपने इसका अनुवाद 3:7, 3:13, 8:12, 9:1 और 9:15 में कैसे किया है\n

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 9:17 (#3)

"और चौदहवें दिन को" - "भोज आनन्द का ठहराया"

"उन्होंने अदार महीने के चौदहवें दिन आनंद से उत्सव मनाया" या "अगले दिन अर्थात अदार माह के चौदहवें दिन उन्होंने आनंद से भरकर भोज किया"

एस्तेर 9:17 (#4)

"चौदहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "14वें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:17 (#5)

"भोज आनन्द का"

इस वाक्यांश में संयोजक शब्द "और" के उपयोग द्वारा एक ही विचार को व्यक्त किया गया है। "आनंद" शब्द उनके उत्सव मनाने का वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आनंद का उत्सव"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 9:17 (#6)

"भोज"

यह एक लक्षणालंकार है, जिसमें किसी एक भाग के द्वारा सम्पूर्णता व्यक्त की जाती है। इस उत्सव में मात्र एक विशेष भोज से बढकर सहभागिता रही होगी, परन्तु वृत्तांत में भोज के द्वारा समग्र उत्सव का सन्दर्भ दिया गया है।

देखें: संकेतन

एस्तेर 9:18 (#1)

"परन्तु शूशन के" - **"इकट्ठा हुए"**

"परन्तु राजधानी शूशन में रहने वाले यहूदी"

एस्तेर 9:18 (#2)

"इकट्ठा हुए"

कहने का अभिप्राय यह है कि उन्होंने अपने बैरियों से लड़ने के लिए ऐसा किया था। इसका सविस्तार वर्णन किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शूशन में रहने वाले यहूदी अपने बैरियों से लड़ने के लिए एकजुट हो गए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:18 (#3)

"तेरहवें चौदहवें"

यदि स्पष्ट हो सके तो उल्लेख किया जा सकता है कि यह कौन सा महीना है। वैकल्पिक अनुवाद: "अदार माह के तेरहवें और चौदहवें दिन" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:18 (#4)

"तेरहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "13वें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:18 (#5)

"चौदहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "और 14वें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:18 (#6)

"पन्द्रहवें विश्राम करके भोज का और आनन्द का दिन ठहराया"

यहाँ शब्द **विश्राम** का लाक्षणिक प्रयोग है, जिसका अर्थ यह है कि उनको अब अपने बैरियों से लड़ने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि वे अपने बैरियों पर विजयी हो गए थे। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उनको पराजित कर दिया था और पन्द्रहवें दिन कोई लड़ाई नहीं हुई। उन्होंने उस दिन को आनंद मनाने के लिए रखा।"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:18 (#7)

"पन्द्रहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "15वें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:18 (#8)

"भोज का" - **"आनन्द का"**

इस वाक्यांश का अर्थ वही है, जो पछले पद का है। वैकल्पिक अनुवाद: "आनंदपूर्वक भोज करने के लिए"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 9:19 (#1)

"इस कारण"

इस शब्द के द्वारा पिछले पद में वर्णन की गई घटनाओं का परिणाम प्रकट किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कारण" या "इसलिए"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:19 (#2)

"यहूदी बिना शहरपनाह की बस्तियों में रहते"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक सा ही है। इन दोनों के संयोजित उपयोग का अर्थ यह है कि इस समुदाय की पहचान स्पष्ट की जाए। पहले वाक्यांश का अर्थ है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में रहते थे। दूसरे वाक्यांश का अर्थ है कि वे उन बस्तियों में रहते थे जिनके चारों ओर शहरपनाह नहीं थी अर्थात् गावों में। आप इन वाक्यांशों को संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे यहूदी जो ग्रामीण क्षेत्रों में गावों में रहते हैं"

देखें: समांतरता

एस्तेर 9:19 (#3)

"चौदहवें दिन को" - "खुशी" - "दिन मानते हैं"

कहने का अभिप्राय है कि या तो व्याख्या नगर में रहने वाले यहूदियों के लाभ के निमित्त की जा रही है, क्योंकि वे विमूढ़ होंगे कि ग्रामीण यहूदी इस अवकाश दिवस को अलग दिन क्यों मनाते हैं। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका स्पष्ट वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जोड़ें: "पन्द्रहवें दिन की अपेक्षा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:19 (#4)

"चौदहवें दिन को" - "खुशी" - "दिन मानते हैं"

""चौदहवें दिन को अवकाश करके मानते हैं""

एस्तेर 9:19 (#5)

"चौदहवें दिन को"

वैकल्पिक अनुवाद: "चौदहवें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:19 (#6)

"अदार महीने के"

"अदार" इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अंतिम महीना है। \nदेखें कि आपने इसका अनुवाद 3:7, 3:13, 8:12, 9:1, 9:15, और 9:17 में कैसे किया है।\n

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 9:19 (#7)

"आनन्द और भोज और"

जैसा पद 17 और 18 में है, इसका अर्थ "आनंद से उत्सव मनाने के द्वारा" के लिए है

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 9:19 (#8)

"खुशी" - "दिन"

इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अर्थ है, आनंद का या उत्सव का दिन।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:19 (#9)

"आपस में भोजन सामग्री भेजने का"

इस संस्कृति में और अन्य संस्कृतियों में भी, उपहार देना किसी अवसर विशेष को मान्यता प्रदान करना होता था। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक दूसरे को भेंट भेजने के द्वारा"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 9:19 (#10)

"आपस में"

"यहाँ ""एक पुरुष"" का अर्थ ""एक व्यक्ति"" से है। "आपस में" का अर्थ पारिवारिक सदस्य और पड़ौसी तथा समाज के मित्र। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दूसरे के साथ"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:20 (#1)

"इन बातों का लिखकर"

"इन सब घटनाओं का अभिलेख तैयार किया"

एस्तेर 9:20 (#2)

"राजा क्षयर्ष के सब प्रान्तों में" - "सारे यहूदियों के"

"साम्राज्य में सर्वत्र रहने वाले यहूदी"

एस्तेर 9:20 (#3)

"निकट दूर"

यह किसी बात की दो पराकाष्ठाओं द्वारा मध्य की समग्रता का वर्णन करने की लाक्षणिक शैली है। इस अभिव्यक्ति का अर्थ शूशन में और उसके निकट रहने वाले यहूदी दूर निवास करने वाले यहूदियों के मध्य में रहने वाले सब यहूदियों से है। वैकल्पिक अनुवाद : "जहाँ कहीं वे रहते थे"

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 9:21 (#1)

"आज्ञा दी कि" - "माना करें"

यहाँ **माना करें** का अर्थ स्थापित किया जाने और "पालन करने" का अर्थ अवकाश रखने से है। वैकल्पिक अनुवाद: अवकाश के रूप में निश्चित किया"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:21 (#2)

"चौदहवें"

वैकल्पिक अनुवाद: "चौदहवें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:21 (#3)

"अदार महीने"

"अदार" इब्रानी कैलेंडर का बारहवाँ और अंतिम महीना है। \nदेखें कि आपने इसका अनुवाद 3:7, 3:13, 8:12, 9:1, 9:15, 9:17, और 9:19 में कैसे किया है। \n

देखें: हिब्रू महीने

एस्तेर 9:21 (#4)

"पन्द्रहवें दिन"

वैकल्पिक अनुवाद: पन्द्रहवें दिन"

देखें: Ordinal संख्या

एस्तेर 9:21 (#5)

"प्रति वर्ष"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रति वर्ष" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक वर्ष"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:22 (#1)

"जिसमें"

पिछले पद में मौर्दकै ने यहूदियों से जो करने को कहा था, उसका कारण इस पद में दिया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वे दिन थे जब"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:22 (#2)

"यहूदियों ने शत्रुओं से विश्राम पाया"

जैसा पद 16, 17, और 18 में मिलता है, शब्द **विश्राम** लाक्षणिक प्रयोग है, जिसके द्वारा कहा गया है कि अब उन्हें अपने बैरियों से डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उन्होंने युद्ध जीत लिया था। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों ने लड़ना समाप्त कर दिया था क्योंकि उन्होंने अपने शत्रुओं को पराजित कर दिया था।

देखें: रूपक

एस्तेर 9:22 (#3)

"यह महीना"

"""और वह महीना था जब"""

एस्तेर 9:22 (#4)

""शोक आनन्द से"

"इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक ही है। इनको दोहराने का उद्देश्य है कि इस नाटकीय और अद्भुत परिवर्तन पर जोर दिया जाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप वाक्यांशों को संयोजित करके कह सकते हैं, ""अत्यधिक दुखी होने के बाद वे अत्यधिक आनंदित हो गए" वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक दुखी होने और रोने से बदल कर अब उनकी दशा अत्यधिक आनंद और उत्सव की हो गई"

देखें: समांतरता

एस्तेर 9:22 (#5)

""शोक आनन्द से"

यह तो अंतर्निहित है ही कि यहूदी घोर निराशा में थे, क्योंकि उन पर सर्वनाश के बादल मंडरा रहे थे और वे अत्यधिक प्रसन्न हुए जब वे अपने बैरियों से सुरक्षित हुए। \nयदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो इसको यहाँ ऐसे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लिए अब सब कुछ बदल चुका था। सर्वनाश के भय से वे घोर निराशा में थे, परन्तु अपने बैरियों से सुरक्षित होकर अब वे बहुत आनंदित थे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:22 (#6)

""आनन्द से"

बदला गया लाक्षणिक प्रयोग में है, जिसका अर्थ परिवर्तन से है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनमें बहुत दुखी होने से आनंदित होने का परिवर्तन आ गया था"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:22 (#7)

""आनन्द से"

शोक और **आनंद** को विशेषणों "निराश हुए" और "आनंदित हुए" द्वारा व्यक्त किया जा सकता है।

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 9:22 (#8)

"उनको" - "दिन मानें"

ये वे बातें हैं, जिन्हें मौर्दकै अपने पत्र में यहूदियों से करने को कह रहा है। \nयदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसे यहाँ ऐसे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:\n"अतः मौर्दकै ने उनसे कहा कि उन दिनों को...के साथ मनाना"\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:22 (#9)

"भोज आनन्द और"

जैसा पद 17, 18 और 19 में मिलता है, यह वाक्यांश "और" से जुड़े हुए दो शब्दों द्वारा एक ही विचार को व्यक्त करता है। शब्द "आनंद" प्रकट करता है कि उत्सव को कैसे मनाना है। वैकल्पिक अनुवाद: "आनंद से पूर्ण उत्सव" या "आनंदपूर्वक भोज करना"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 9:22 (#10)

"एक दूसरे भोजन सामग्री भेजने"

देखें कि आपने इसका अनुवाद पद 19 में कैसे किया है। यदि सहायक सिद्ध हो तो वहाँ दे गई टिप्पणी पढ़ें। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक दूसरे को दान देने के द्वारा"

एस्तेर 9:22 (#11)

"एक दूसरे"

""एक पुरुष" अर्थात् "एक मनुष्य।"" "मित्र" शब्द में परिवार के सदस्य, पड़ौसी और समाज के मित्र भी हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दूसरे को"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:22 (#12)

"कंगालों दान"

इस संस्कृति में वरन अन्य संस्कृतियों में भी गरीबों को दान देना अवसर विशेष को मान्यता प्रदान करने की एक शैली थी। विचार यह है कि परमेश्वर द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों के लाभ से कोई वंचित न रह जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै ने उनसे यह भी कहा उन्हें इन दिनों गरीबों की सहायता करनी है।"

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

एस्तेर 9:22 (#13)

"और कंगालों को दान देने"

मोर्दकै भी अपने पत्रों में यहूदियों को यही करने के लिए कह रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे यहाँ कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मोर्दकै ने उनसे यह भी कहा कि उन्हें उन दिनों में कंगालों को दान देना चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

एस्तेर 9:23 (#1)

"मोर्दकै" - "लिखा निश्चय कर लिया"

ऐसा प्रतीत होता है कि यहूदी मौर्दकै के निर्देश का पालन करने में प्रसन्न थे क्योंकि वे तो ऐसा कर ही रहे थे। आप इसका संकेत देने हेतु यहाँ एक शब्द जोड़ सकते हैं, जैसे, "तत्परता से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:23 (#2)

"निश्चय कर लिया"

"सहमत हो गए"

एस्तेर 9:23 (#3)

"जैसा आरम्भ किया था"

"वैकल्पिक अनुवाद : ""यहूदी उन दिनों को इसी प्रकार मना रहे थे।"" घटनाओं को तर्क एवं कालक्रम में प्रस्तुत करने हेतु आप इस जानकारी को पहले रख सकते हैं।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 9:24 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ पूर्वोक्त घटनाओं के कारण का समावेश किया गया है। अब वृत्तांत में पूर्व घटित हुई बातों का सारांश दिया जाएगा। यहूदियों को उत्सव मनाना है, क्योंकि उनके सर्वनाश के लिए हामान के रचे हुए षड्यंत्र के विरुद्ध वे लड़ने योग्य हो गए थे। वैकल्पिक अनुवाद: वे इन दिनों में उत्सव मनाएंगे कि सदा स्मरण रखें"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:24 (#2)

"क्योंकि"

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप यहां बता सकते हैं कि यह कारण क्या समझा रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उन दिनों को अवकाश के रूप में स्थापित करते थे ताकि याद रख सकें कि कैसे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

एस्तेर 9:24 (#3)

"सब" - "विरोधी यहूदियों"

इस वाक्यांश में हामान के बारे में स्पष्ट करती हुई जानकारी दी गई है। वैकल्पिक अनुवाद: "सब यहूदियों का बैरी"

देखें:

एस्तेर 9:24 (#4)

"यहूदियों" - "नाश करने की युक्ति की"

"उसने ऐसी योजना तैयार करने का प्रयास किया जिससे यहूदियों का सर्वनाश किया जा सके"

एस्तेर 9:24 (#5)

"उन्हें" - "पूर चिट्ठी डाली"

आप सविस्तार वर्णन कर सकते हैं कि हामान ने ऐसा क्यों किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने पूर (अर्थात पासा) डाला कि ज्ञात् करे कि सर्वोत्तम दिन कौन सा होगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:24 (#6)

"उन्हें" - "पूर चिट्ठी"

जैसा 3:7 में मिलता है, वृत्तांत कहने वाले फारसी और इब्रानी दोनों ही भाषाओं में नाम व्यक्त कर रहे हैं, क्योंकि पूरीम के उत्सव की पृष्ठभूमि में यही कहानी मिलती है, जिसका नाम "पूर" से पड़ा है। अतः यह किसी बात पर जोर दने के लिए नहीं है। आप पहले तो फारसी शब्द का प्रयोग कर ससके है, तदोपरांत अपनी भाषा में "चिट्ठी" का शब्द डाल सकते हैं, जिससे प्रकट हो कि वृत्तांत कहने वाला भी ऐसा ही कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "पूर (अर्थात पासा)

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 9:24 (#7)

""मिटा डालने"

यहाँ शब्दों **मिटा डालने** और *नष्ट करने* इन दोनों उक्तियों का मूल अर्थ एक ही है। इनका संयुक्त प्रयोग हामान की

घातक योजना के परिणाम स्वरूप यहूदियों के अर्तनाद पर बल देने के लिए है। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों उक्तियों को संयोजित करके बलाघात को "पूर्णतः "जैसे शब्द से प्रकट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनका पूर्ण विनाश कर दिया"

देखें: हेंडियाडिस

एस्तेर 9:25 (#1)

"राजा ने तब"

"इस सारांश में अनेक विवरणों का वृत्तांत अन्तर्निहित हैं। \n **वह** अर्थात एस्तेर। यह भी कि इस पद में वर्णन ही किया जा रहा है कि यह उत्सव किस बात की याद में है।\nयदि आपके भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन बातों को सविस्तार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उत्सव में एस्तेर का भी यशोगान किया जाता है कि उसने राजा के आह्वान बिना उसकी उपस्थिति में आने का कैसा साहस दिखाया था और राजा की कृपादृष्टि उस पर हुई।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:25 (#2)

"राजा ने तब"

यहाँ **मुख** का लाक्षणिक प्रयोग मनुष्य की उपस्थित में होने से है। इस वाक्यांश का अर्थ है कि एस्तेर राजा की उपस्थिति में आई। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा की उपस्थिति में" या "राजा के सम्मुख"

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 9:25 (#3)

"आज्ञा दी लिखवाई"

यहाँ एक बार और बहुत सी जानकारियाँ अन्तर्निहित हैं। \nयदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं।\nवैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने मौर्दकै को अधिकार दे दिया कि सम्पूर्ण साम्राज्य में पत्र लिख कर भेज दे जिसमे यहूदियों को अपने बैरियों से आत्मरक्षा का निर्देश दिया जाए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:25 (#4)

"जो दुष्ट युक्ति यहूदियों के विरुद्ध की थी सिर पर पलट आए"

इस वाक्य में **उसके**, **वह**, और **उसको** हामान के सन्दर्भ में हैं। **उसी के सिर पर पलट आए** यह एक मुहावरा है, जिसका अर्थ यह है कि मनुष्य दूसरे के लिए हानि करने की जो योजना बना रहा है, वह उसी पर आ जाती है। अपनी भाषा में इसी अर्थ का मुहावरा काम में लें। वैकल्पिक अनुवाद: "हामान ने यहूदियों के विरुद्ध जो दुष्ट योजना बनाई थी वही उसकी नियति होगी"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:25 (#5)

"उसके पुत्र फांसी के खम्भों पर लटकाए गए"

पत्र में तो ऐसा कुछ नहीं लिखा था। वृत्तांत में घटनाओं को सार रूप में व्यक्त किया जा रहा है। यहाँ पत्र को इस प्रकार दर्शाया जा रहा है कि जैसे वह जीवधारी है और कार्यवाही कर सकता है, वरन् ऐसी आज्ञा भी दे सकता है, परन्तु सच तो यह है कि आज्ञा देने वाला राजा था। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा भी दी कि हामान को [या उस लकड़ी के खम्भे पर] लटका दें [या हामान को फांसी लगा दें]। शूशन में यहूदियों ने उसके दसों पुत्रों की हत्या कर दी तो राजा ने उनके शवों को भी फांसी के फंदों में लटकवा दिए [या खम्भों पर लटकवा दिए]"

देखें: व्यक्तित्व

एस्तेर 9:25 (#6)

"फांसी के खम्भों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 2:23 में और अन्य सन्दर्भों में कैसे किया है। यदि आपके लिए सहायक सिद्ध हो तो 2:23 पर दी गई टिप्पणी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "लकड़ी का खंभा" या "फांसी का फंदा।"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

एस्तेर 9:26 (#1)

"इस कारण"

यहाँ कारण दिया गया है कि यहूदियों ने इस पर्व का नाम "पूरीम" क्यों रखा। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कारण" या "इसलिए"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:26 (#2)

"उन दिनों का नाम" - "पूरीम रखा"

“वे” अर्थात यहूदी। वैकल्पिक अनुवाद: “यहूदियों ने इन दिनों पूर शब्द के आधार पर पूरीम कहा” \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:26 (#3)

"पूरीम"

यह उस पर्व का नाम है, जिसमें हामान द्वारा एक ही दिन में सब यहूदियों के सर्वनाश के षड्यंत्र से प्राचीन फारस के यहूदियों के उद्धार की स्मृति मिलती है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 9:26 (#4)

"पूर शब्द से" - "कारण"

"वैकल्पिक अनुवाद: ‘पासे’ के लिए फारसी शब्द ‘पूर’ है।"" यह ऐसी जानकारी है, जिसे समझना मूल पाठक के लिए आवश्यक था कि इस उत्सव का नाम कैसे पड़ा। आप इसको पद के आरम्भ में रख सकते हैं क्योंकि इससे अग्रिम घटना का वर्णन होता है।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

एस्तेर 9:26 (#5)

"पूर शब्द से"

"यहाँ स्पष्ट कहा जा सकता है कि “पूर” का अर्थ क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: “पूर शब्द का अर्थ ‘पासे’ से है।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:26 (#6)

""

वृत्तांत में अभी-अभी कारण स्पष्ट किया गया है कि इस अवकाश को पूरीम क्यों कहा जाता है। अब वह एक और कारण दे रहा है। यहाँ वर्णन किया जाएगा कि यहूदियों ने इस दिन को अपने कैलेंडर में अवकाश का दिन क्यों रखा है जो

मूसा की व्यवस्था में निहित अवकाशों से जुड़ गया है। अगले पद में वर्णन किया गया है कि उन्होंने अवकाश को जोड़ लिया है। इस पद में कारण दिया गया है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया था। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:26 (#7)

"चिट्ठी की सब बातों के कारण" - "उन्होंने"

इसका सन्दर्भ मौर्दकै के पत्र से है, जैसा पद 20–22 कहा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि मौर्दकै ने उनको लिखा कि इसे अवकाश माना करें”

एस्तेर 9:26 (#8)

""जो कुछ" - "इस विषय में देखा और"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक ही है। इनको दोहराने का उद्देश्य है कि इस वृत्तांत में वर्णित घटनाओं में निर्वाह करना कैसा नाटकीय अनुभव था, उस पर जोर दिया जाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशों को संयोजित करके बल को किसी ऐसे शब्द से दर्शा सकते है, जैसे, “अद्भुत”

देखें: समांतरता

एस्तेर 9:26 (#9)

""जो कुछ" - "इस विषय में देखा और"

"इन वाक्यांशों में सामान्यतः “यह” और “क्या” का उपयोग किया गया है, परन्तु वे वृत्तांत में वर्णित विशिष्ट घटनाओं का सन्दर्भ देते हैं। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन बातों का निश्चित वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि यहूदी उनके विनाश को समर्पित उनके बैरियों का नाश करने में सक्षम हुए थे।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 9:26 (#10)

""जो कुछ" - "इस विषय में देखा और"

आप इसे मौर्दकै के लिए पहले की जानकारी के लिए रख सकते हैं क्योंकि यह पहले की घटना है। जब आप पत्र के बारे में चर्चा करें तो “तब” शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। \n

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 9:26 (#11)

"जो कुछ" - "उन पर बीता था"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "उनके साथ क्या हुआ था"" से है।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:27 (#1)

"यहूदियों ने अपने-अपने लिये और अपनी सन्तान के लिये और उन सभी" - "उनमें मिल गए थे" - "किया" - "ये दो दिन मानें"

"यहूदियों ने वचन दिया कि वे अपनी संतानों को और पंथ से जुड़ने वाले अन्य लोगों को निर्देश देंगे कि इस पर्व को मानने निश्चय किसी प्रकार की चूक न हो"

एस्तेर 9:27 (#2)

"यहूदियों ने" - "किया"

"ठहराए हुए" और "मानें" के मूल अर्थ एक ही हैं। इनको दोहराने का उद्देश्य है कि इसके पालन में यहूदियों की निश्चित सहमति पर बक दिया जाए । यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन उक्तियों को संयोजित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके प्रतिष्ठापन के लिए सहमत हो गए"

देखें: युग्म

एस्तेर 9:27 (#3)

"और अपनी सन्तान के लिये"

जैसा 6:13 में मिलता है, "वंश" "संतान" के लिए प्रयुक्त एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी संतानों के लिए" या "उनके वंश के लिए"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:27 (#4)

"जो"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि यहूदी पूरीम का पर्व प्रति वर्ष मनाने से कभी नहीं चूकेंगे। आप इसे अंत में रख सकते हैं, क्योंकि यह सम्पूर्ण पद से प्रासंगिक है। वैकल्पिक अनुवाद: "सदा" या "सर्वदा के लिए"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:27 (#5)

"ये दो दिन मानें"

"वैकल्पिक अनुवाद: "उन दोनों दिनों को अवकाश रख कर मानना।"" घटनाओं को कालक्रम में रखने के लिए आप इसको यहूदी वंशजों और यहूदी पंथ में आने वालों के सन्दर्भ से पहले रखें।

देखें: घटनाओं का क्रम

एस्तेर 9:27 (#6)

"लेख"

"उसे प्रकार जिस प्रकार मौर्दकै ने उनको पत्र में निर्देश दिए थे"

एस्तेर 9:27 (#7)

"ठहराए हुए"

इसका अर्थ अदार माह के चौदहवें और पन्द्रहवें दिन से है, जैसा कि 9:21 में स्पष्ट किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "अदार माह के उन निश्चित दिनों में"

एस्तेर 9:27 (#8)

"प्रति वर्ष"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक वर्ष" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रतिवर्ष"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:28 (#1)

"ये दिन स्मरण किए माने जाएँगे"

यहाँ पद 26 और 27 में वर्णन किए गए कारणों का परिणाम दिया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए" या "इस कारण से"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 9:28 (#2)

"ये दिन स्मरण किए माने जाएँगे"

"**स्मरण किए** और **माने जाएंगे** के मूल अर्थ एक से ही हैं। इनको दोहराने का उद्देश्य है कि इनका पालन करने में यहूदियों की निष्ठा पर बल दिया जाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप कुछ इस प्रकार कहते हुए इनके सामान्य अर्थों को व्यक्त कर सकते हैं, जैसे, "अतः यहूदियों ने इन दिनों को पर्व करके माना।"" वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए उन्होंने कहा कि वे इन दोनों दिनों को स्मरण रख कर उत्सव मनाया करेंगे।"

देखें: युग्म

एस्तेर 9:28 (#3)

"ये दिन स्मरण किए माने जाएँगे"

इस अभिव्यक्ति में दो कर्मवाच्य रूपों का प्रयोग किया गया है, परन्तु आप इसी बात को कर्तृवाच्य में रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अतः यहूदियों ने इन दिनों को माना और पर्व मनाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 9:28 (#4)

"पीढ़ी-पीढ़ी"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "हर एक पीढ़ी में"" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक पीढ़ी में" (देखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-मुहावरा]])"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:28 (#5)

"कुल-कुल"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक परिवार" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक यहूदी परिवार"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:28 (#6)

"प्रान्त-प्रान्त नगर-नगर में"

यह एक अलंकार है, जिसका सन्दर्भ किसी बात की दो पराकाष्ठाओं से है, जिनके मध्य सब कुछ समाहित होता है। सामान्यतः कहा जाए तो प्रांत किसी साम्राज्य का सबसे बड़ा भाग होता है, जो मनुष्य के स्थान की पहचान कराता है और नगर सबसे छोटा होता है। \nविशेष करके यहूदी फारसी साम्राज्य और उसके प्रान्तों के अस्त हो जाने के बाद भी पूरीम का पर्व मनाते रहेंगे इसलिए आवश्यक है कि आप इस अलंकार के अर्थ को निर्विशेष रूप में वक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ कहीं भी वे रहें"

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 9:28 (#7)

"प्रान्त-प्रान्त"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक प्रांत में" के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक प्रांत में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:28 (#8)

"नगर-नगर में"

"इस अभिव्यक्ति का अर्थ "प्रत्येक नगर"" के लिए है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक नगर में"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 9:28 (#9)

"पूरीम दिन कभी न मिटेंगे स्मरण उनके वंश से जाता न रहेगा"

जैसा कि पद 27 में मिलता है, इस अभिव्यक्ति का अर्थ यह है कि यहूदी पूरीम का पर्व मनाने का त्याग कभी नहीं करेंगे। आप इसको सकारात्मक वाक्य में भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरीम के पर्व का सदैव निष्ठापूर्वक पालन करते रहेंगे"

देखें: दोहरे नकारात्मक

एस्तेर 9:28 (#10)

"और पूरीम नाम के दिन यहूदियों में कभी न मिटेंगे और उनका स्मरण उनके वंश से जाता न रहेगा"

इन दोनों वाक्यांशों का अर्थ एक जैसा है। इन दोनों वाक्यांशों का प्रयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए किया गया है कि

यहूदी हर साल पूरीम मनाना बन्द नहीं करेंगे। अगर यह आपकी भाषा के लिए उपयोगी हो, तो आप इन वाक्यांशों को मिलाकर "निश्चित रूप से" या "ज़रूर" या "हमेशा" जैसे शब्दों का प्रयोग करके ज़ोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों और उनके वंश निश्चित रूप से हमेशा इस पूरीम पर्व को मनाते रहेंगे"

देखें: समानांतरता

एस्तेर 9:28 (#11)

"जाता" - "रहेगा"

"यहूदी समाज में"

एस्तेर 9:28 (#12)

"मिटेंगे स्मरण" - "न"

"सदैव मनाएंगे"

एस्तेर 9:28 (#13)

"उनके वंश से"

जैसा कि पद 27 में मिलता है, **बीज** एक रूपक है, जिसका अर्थ "वंशज" से है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके वंशजों के लिए" या "उनकी संतानों के लिए"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:29 (#1)

"अबीहैल बेटी"

या जानकारी पाठकों को स्मरण कराती है कि एस्तेर कौन थी।

देखें:

एस्तेर 9:29 (#2)

"अबीहैल"

यह पुरुष एस्तेर का पिता और मौर्दकै का चाचा था। देखें कि आपने इस नाम का अनुवाद 2:15 में कैसे किया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

एस्तेर 9:29 (#3)

"मोर्दकै"

क्योंकि यह क्रिया शब्द, **लिखी** स्त्रीलिंग एकवचन में है, इसलिए इसका अर्थ है कि यह पत्र एस्तेर की ओर से था। यहाँ **मौर्दकै** का सन्दर्भ संभवतः इसलिए दिया गया है कि मौर्दकै ने पत्र लिखने में उसकी सहायता की होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै के साथ।"

एस्तेर 9:29 (#4)

"यहूदी"

या वाक्यांश पाठकों को स्मरण कराने के लिए मौर्दकै के विषय जानकारी देता है।

देखें:

एस्तेर 9:29 (#5)

""

"उसके राजकीय अधिकार के उपयोग से" या "रानी होने के उसके अधिकार से"

एस्तेर 9:29 (#6)

"पूरीम यह दूसरी चिट्ठी"

पूरीम के विषय यह दूसरी चिट्ठी का सन्दर्भ हो सकता है, (1) यह पत्र जो एस्तेर लिख रही है, वह पूरीम के पर्व के बारे में यहूदियों को मिलने वाला दूसरा पत्र होगा। \nवैकल्पिक अनुवाद: "उसके अधिकार से पूरीम के बारे में एक अतिरिक्त पत्र" \nया (2) मौर्दकै द्वारा लिखा गया दूसरा पत्र

देखें: संख्या

एस्तेर 9:30 (#1)

"नकलें" - "भेजीं"

"जबकि यहाँ कहा जा रहा है, **वह** प्रकरण के आधार पर इसका सन्दर्भ उस पत्र से है, जो एस्तेर ने मौर्दकै की सहायता से लिखा था। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने इस दूसरे पत्र की प्रतिलिपियाँ भेजीं"" या "मौर्दकै ने पत्रवाहकों को आज्ञा दे कि वे उस पत्र की प्रतिलिपियाँ लेकर जाएँ"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

एस्तेर 9:30 (#2)

"क्षयर्ष के राज्य के एक सौ सत्ताईस प्रान्तों के सब यहूदियों के पास" - "साथ"

इन तीनों वाक्यांशों का अर्थ एक ही है। दोहराए जाने का उद्देश्य यह है कि एस्तेर और मौर्दकै द्वारा सम्पूर्ण साम्राज्य में भेजे गए इस पत्र की व्यापकता पर बल दिया जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षयर्ष के सम्पूर्ण साम्राज्य में रहने वाले यहूदियों को"

देखें: समांतरता

एस्तेर 9:30 (#3)

"एक सौ सत्ताईस प्रान्तों के"

यह पत्र भौगोलिक सीमाओं के प्रान्तों को नहीं भेजी गई थी परन्तु वहाँ रहने वाले यहूदियों को। यहूदियों का वर्णन उनसे सम्बंधित किसी स्थान से किया जा रहा है, अर्थात् उनके निवास स्थान से।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 9:30 (#4)

"एक सौ सत्ताईस प्रान्तों के"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक सौ सत्ताईस प्रांत"

देखें: संख्या

एस्तेर 9:30 (#5)

"शान्ति देनेवाली सच्ची बातों के" - "आशय से"

भाववाचक संज्ञा शब्द, **शान्ति** और **सच्च** को अन्य रूपों में भी व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों को प्रोत्साहित करने हेतु कि वे अब सुरक्षित है और शान्ति से रह सकते हैं"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 9:30 (#6)

"शान्ति देनेवाली और सच्ची बातों"

यहाँ अनुवादित इब्रानी शब्द **सच्ची** उन चीजों को भी संदर्भित करता है जो "आश्वस्त" या "सुरक्षित" हैं। जब "शान्ति" और "सत्य" को एक साथ जोड़ा जाता है, तो वे एक शान्तिपूर्ण, स्थिर राजनीतिक वातावरण का संदर्भ दे सकते हैं, जैसा कि 2 राजाओं 20:19 और यिर्मयाह 33:6 में है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक संदेश के साथ जिसने उन्हें उनकी शान्तिपूर्ण और स्थिर स्थिति का आश्वासन दिया"

एस्तेर 9:31 (#1)

"कि पूरीम के उन दिनों के विशेष ठहराए हुए समयों में मोर्दकै यहूदी एस्तेर रानी की"

वैकल्पिक अनुवाद: इस दूसरे पत्र में यहूदी मौर्दकै और रानी एस्तेर ने पुष्टि की थी कि पूरीम अदार माह के चौदहवें और पन्द्रहवें मनाना होगा"

एस्तेर 9:31 (#2)

"यहूदी"

इया वाक्यांश में मौर्दकै के बारे में स्पष्टीकरण जानकारी दी गई है।

देखें:

एस्तेर 9:31 (#3)

"आज्ञा के अनुसार जो अपने और अपनी सन्तान के लिये ठान लिया था उपवास विलाप किए"

यह पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी को सूचित करती है, जिससे मूल पाठक अभिज्ञ थे। वे जानते होंगे कि उपवास क्यों किया जाता था। या हो सकता है: (1) पूरीम का उपवास। हम जानते है कि कुछ यहूदी उनके सर्वनाश के निमित्त हामान की मंशा को स्मरण करने के लिए अदार माह के तेरहवें दिन उपवास रखते थे। या (2) उपवास के अन्य दिन। यरूशलेम के नष्ट किए जाने से ही यहूदी वर्ष के पाँचवें महीने में उस घटना पर विलाप करके उपवास रखते हैं। (वृत्तांत में यरूशलेम पर बेबीलोन की विजय का सन्दर्भ 2:6 में है) यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इस जानकारी को पद टिप्पणी में रख सकते हैं।

एस्तेर 9:31 (#4)

"और अपनी सन्तान के"

यहाँ **बीज** एक रूपक है, जिसका अर्थ यहूदियों के वंशज या संतान से है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके वंशजों के लिए" या "उनकी संतानों के लिए"

देखें: रूपक

एस्तेर 9:32 (#1)

"पुस्तक में लिखी गई"

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में भी कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वैकल्पिक अनुवाद: "और राजकीय लिपिकों ने इसका अधिकृत लेखा तैयार किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर - अध्याय 10 परिचय

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

मोर्दकै का नया पद

यहोवा की शक्ति से, मोर्दकै को फारसी साम्राज्य में एक नया पद दिया गया। अब मोर्दकै फारस के राज्य में दूसरा सर्वोच्च अधिकारी था और उसने अपने पद का उपयोग अन्य यहूदियों की सहायता के लिए किया।

एस्तेर 10:1 (#1)

"राजा" - **"लगाया"**

यहाँ वृत्तांत में एक नई घटना का समावेश किया जा रहा है। आपकी भाषा में नई घटना का समावेश करने की व्यवहारिक शैली का उपयोग करें।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

एस्तेर 10:1 (#2)

"कर लगाया"

"तब...कर लगाया"

एस्तेर 10:1 (#3)

"देश समुद्र टापुओं पर"

"इस अध्याय का उद्देश्य है कि मौर्दकै की महानता का वर्णन किया जाए। इसे उस महा सामर्थी सम्राट के बाद दूसरे सर्वसामर्थी पद पर विराजमान दर्शाते हुए प्रकट किया गया है। \nधरती और समुद्र दोनों का सन्दर्भ देने का अर्थ है, पृथ्वी के एक विशाल क्षेत्र में समाहित सब कुछ। \nयदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसके सामान्य अर्थ को इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं, "उसके सम्पूर्ण साम्राज्य में हर एक जन।" वैकल्पिक अनुवाद: "साम्राज्य में सब लोगों पर...यहाँ तक कि भूमध्य सागर के द्वीपों में रहने वाले लोगों पर भी" या "सम्पूर्ण धरती पर वरन दूरस्थ द्वीपों पर भी।""

देखें: मेरिस्म

एस्तेर 10:1 (#4)

"समुद्र टापुओं"

"**समुद्र के टापू** संभवतः इस तथ्य के सन्दर्भ में है कि फारसी राजाओं ने भूमध्य सागर तक के सब स्थानों को जीत लिया था। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दूर भूमध्य सागर तक पहुँचा हुआ था।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

एस्तेर 10:1 (#5)

"देश समुद्र टापुओं पर"

इन भौगोलिक स्थानों को कर नहीं देना था। देश और समुद्र के टापू वहाँ के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वृत्तांत में वहाँ के लोगों का स्थान के सन्दर्भ द्वारा लाक्षणिक वर्णन किया गया है, उनके रहने के स्थान।

देखें: प्रतिन्यास

एस्तेर 10:2 (#1)

"पराक्रम कामों" - **"पूरा"**

महातम्य और **पराक्रम** का सार एक ही है। उनके प्रयोग द्वारा राजा क्षयर्ष के सामर्थ्य पर बल दिया गया है। यदि आपकी भाषा में अधिक व्यावहारिक हो तो आप इस अर्थ के एक ही शब्द का प्रयोग कर सकते हैं, दूसरा शब्द बात पर जोर देने के लिए हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी इन सब उपलब्धियों का कारण उसका महा सामर्थ्य था" या "उसके महा सामर्थ्य के कारण उसने सा महान काम किए"

देखें: युग्म

एस्तेर 10:2 (#2)

"पराक्रम"

ये भाववाचक संज्ञा शब्द, "माहातम्य" और "पराक्रम" का अनुवाद विशेषण शब्दों द्वारा किया जा सकता है। देखें: यूएसटी।

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 10:2 (#3)

"ब्योरा"

"उन्होंने पूर्ण वृत्तांत भी लिख दिया"

एस्तेर 10:2 (#4)

"माहात्म्य" - **"मोर्दकै"**

वैकल्पिक अनुवाद: "मौर्दकै के महान महत्त्व का" या "कि राजा ने मौर्दकै को उसके महाकर्मों के लिए कैसे सम्मानित किया था"

एस्तेर 10:2 (#5)

"बड़ाई"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:1 और 5:11 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी पदोन्नति की"

एस्तेर 10:2 (#6)

"वह मादै फारस राजाओं इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा"

यह वास्तव में एक सकारात्मक वाक्य है। इसको प्रश्न रूप में उच्चारित करने का उद्देश्य है कि कथन की निश्चितता पर बल दिया जाए। यदि आपकी भाषा में प्रश्नों को इस रूप में प्रयोग नहीं किया जाता है, तो इसकी अपेक्षा सकारात्मक वाक्य काम में लिया जा सकता है, जैसा यूएसटी में मिलता है।

देखें: आलंकारिक प्रश्न

एस्तेर 10:2 (#7)

"वह" - **"नहीं लिखा"**

आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को देशा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा के लिपिकों ने पुस्तक में लिख लिया..."

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

एस्तेर 10:2 (#8)

"वह" - **"नहीं लिखा"**

यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप इसको पद में पहले रख सकते हैं, क्योंकि तर्क के आधार पर यह पहले आता है।

एस्तेर 10:2 (#9)

"मादै फारस राजाओं इतिहास की पुस्तक"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 2:23 में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मादी फारसी इतिहास की राजकीय पुस्तकें"

देखें: मुहावरा

एस्तेर 10:3 (#1)

"क्योंकि"

इस शब्द से संकेत मिलता है कि यह पद कारण स्पष्ट करता है कि लिपिकों ने मौर्दकै के बारे में इतिहास में क्यों लिखा।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

एस्तेर 10:3 (#2)

"यहूदी"

इस वाक्यांश द्वारा मौर्दकै के बारे में स्पष्ट करती हुई जानकारी दी गई है।

देखें:

एस्तेर 10:3 (#3)

"क्षयर्ष राजा बाद था"

"राजा क्षयर्ष के बाद वह दूसरा सबसे अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति था"

एस्तेर 10:3 (#4)

"यहूदियों बड़ा"

"और यहूदियों का महान अगुवा"

एस्तेर 10:3 (#5)

"भाई"

यहाँ **भाई** एक ही जाति के सदस्यों का वर्णन करने के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: "साथी यहूदी"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

एस्तेर 10:3 (#6)

"भलाई खोज सब लोगों शान्ति बातें कहा करता"

इन दोनों वाक्यांशों का मूल अर्थ एक ही है। इनको दोहराने का उद्देश्य है कि मौर्दकै द्वारा उसके लोगों के कल्याण के निमित्त उसकी कठिन सेवा पर बल दिया जाए। यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशों को सयोजित कर सकते हैं और कुछ इस प्रकार कह सकते हैं, "उसने कठोर परिश्रम किया कि उसके लोग और उनके वंशज समृद्ध हों।"

देखें: समांतरता

एस्तेर 10:3 (#7)

"भलाई खोज सब लोगों शान्ति बातें कहा करता"

ये दो भाववाचक संज्ञा शब्द, **भलाई** और **शांति** इस प्रकरण में समृद्धि और सुरक्षा के सन्दर्भ में हैं। आप इन विचारों को क्रिया शब्दों में अनुवाद कर सकते हैं, उदाहरणार्थ, "उसने यह सुनिश्चित करने के लिए कठोर परिश्रम किया कि उसके लोग समृद्ध हो जाएँ और उनके वंशज सुरक्षित रहें।"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

एस्तेर 10:3 (#8)

"भलाई खोज" - "लोगों"

खोज का लाक्षणिक प्रयोग किसी काम को करने के लिए सक्रिय प्रयास करने या किसी बात के लिए कठोर परिश्रम करने के अर्थ को देने के लिए है।

देखें: रूपक

एस्तेर 10:3 (#9)

"सब" - "शान्ति बातें कहा करता"

शान्ति की बातें का लाक्षणिक प्रयोग उन कार्यों का वर्णन करने के लिए है, जो मनुष्यों के सर्वनिष्ठ कल्याण में लाभकारी हों।

देखें: मुहावरा

एस्तेर 10:3 (#10)

"सब"

यहाँ **बीज** का लाक्षणिक प्रयोग "वंशज" के अर्थ को देने के लिए है। यद्यपि आप इन दोनों समानार्थक वाक्यांशों को संयोजित कर दें तौभी उसका विचार "सदैव" शब्द के साथ होगा, "पीढ़ी से पीढ़ी तक।" वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके वंशजों के लिए" या "उनकी संतानों के लिए"

देखें: रूपक